हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 14 जून 2026

सीएम आज केसली से देंगे लाड़लियों को राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 14 जून को सागर जिले के केसली ब्लॉक में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना की 37 वीं किस्त लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगें। इसमें एक करोड़ 25 लाख बहनों के खातों में 1835 करोड़ रुपए अंतरित किए जाएंगे। बता दें इस योजना के अंतर्गत हर महीने लाभार्थियों को भुगतान किया जाता है। प्रदेश की 1.25 करोड़ महिलाओं के खाते में पैसा ट्रांसफर होगा। इस स्कीम के तहत महिला को मध्य प्रदेश का स्थायी निवासी होना चाहिए।

सीएम ने की गृह विभाग की तारीफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस मुख्यालय में आईजी कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

बिल में छिपे किसी भी सपोले को पकड़ने में समर्थ है हमारी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सीएम ने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम और जनजागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति उनका विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला कर्तव्य है। पीड़ित व्यक्तियों के साथ विनम्र व्यवहार, उनके हितों की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने पुलिस की ओर से पकड़े गए आतंकियों के सहयोगी को लेकर कहा कि हमारी पुलिस बिल में छिपे ऐसे किसी भी सपोले को पकड़ने में समर्थ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित आईजी कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री के पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ 2028, करोड़ों श्रद्धालुओं का आस्था पर्व है। उन्होंने निर्देशित किया कि साइबर अपराधों की रोकथाम और जनजागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, मानव तस्करी पर नियंत्रण, महिला और बच्चों की सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने तथा धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में न्यायालयों की ओर से दिए गए निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर डीजीपी कैलाश मकवाणा, एसीएस गृह संजय शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

किसी भी चुनौती से निपटने के लिए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव संबोधित करते हुए

- **मप्र पुलिस ने ढाई साल के कार्यकाल में हासिल कीं कई ऐतिहासिक उपलब्धियां**
- **भोजशाला से संबंधित न्यायालय के निर्णय को लागू कराने में पुलिस की रही अहम भूमिका**

संभाग स्तर पर भी समीक्षा बैठकें होंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईजी स्तर के बाद संभाग स्तर पर समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। वे स्वयं इन बैठकों में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का संतोष है कि पुलिस ने हमारी ढाई साल की सरकार में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। एक तरफ सालों पुरानी नक्सलवाद की परेशानी थी। उन्होंने कहा कि हमारे मंडला, बालाघाट, डिंडोरी सहित कई जगहों पर नक्सलवाद की वजह से विकास अवरुद्ध था। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, नशामुक्ति, मानव तस्करी पर नियंत्रण, महिला और बच्चों की सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने तथा धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में न्यायालयों की ओर से दिए गए निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। डॉ. यादव ने नशामुक्ति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने के लिए जागरूकता, संवाद और सामुदायिक भागीदारी अत्यंत जरूरी है।

पीएम फ्रांस-स्लोवाकिया दौरे पर रवाना

'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में शामिल होंगे, मैक्रों रहेंगे मौजूद

- नवाचार, निवेश और रणनीतिक साझेदारी पर रहेगा फोकस
- आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत होंगे

एजेंसी: नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर रवाना हुए। इस दौरान उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा, जिसमें द्विपक्षीय वार्ताएं, बहुपक्षीय बैठकें और आर्थिक व सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि अगले कुछ दिनों में मैं फ्रांस और स्लोवाकिया में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लूंगा। इनमें द्विपक्षीय बातचीत, बहुपक्षीय बैठकें और भारतीय समुदाय के लोगों से संवाद शामिल है। मेरा ध्यान आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा की शुरुआत फ्रांस के नीस शहर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से होगी। विशेष रूप से 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में वह शामिल होंगे, जहां फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी मौजूद रहेंगे। भारत और फ्रांस इस वर्ष 'भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष' मना रहे हैं और यह कार्यक्रम नवाचार, स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाएगा।

जी7 शिखर सम्मेलन और विवटेक में भी लेंगे हिस्सा: विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा विभिन्न क्षेत्रों में स्लोवाकिया के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 16 और 17 जून को फ्रांस के एवियन में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दोबारा फ्रांस लौटेंगे। इस दौरान वह जी7 देशों, आमंत्रित साझेदार देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। 18 जून को प्रधानमंत्री पेरिस जाएंगे, जहां वह अतिरिक्त द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेने के साथ-साथ यूरोप के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप कार्यक्रम 'विवटेक' शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे। पेरिस यात्रा के दौरान उनके भारतीय समुदाय को संबोधित करने की भी संभावना है।

प्रदेश में अधिकारियों, कर्मचारियों के तबादलों का कल आखिरी दिन

भोपाल। प्रदेश में शासकीय कर्मचारियों के तबादलों की अंतिम तिथि सोमवार 15 जून है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा स्पष्ट किया गया है कि तबादला प्रक्रिया की सीमा और नहीं बढ़ाई जाएगी। सभी विभागों को 15 जून तक अनिवार्य रूप से स्थानांतरण संबंधी कार्रवाई पूरी करनी होगी। बता दें, स्थानांतरण पूरी तरह से ई-ऑफिस और डिजिटल नोटशीट के माध्यम से ऑनलाइन किए जा रहे हैं। जिले के भीतर तबादले प्रभारी मंत्री की मंजूरी और जिले के बाहर के तबादलों के लिए विभागीय मंत्री की स्वीकृति अनिवार्य की गई है। स्थानांतरण आदेश जारी होने के 10 दिन के भीतर कर्मचारियों को नए पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य है। इसके अलावा प्रथम श्रेणी (क्लास-1) अधिकारियों के तबादले मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद ही किए जा रहे हैं।

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया अवधि बढ़ाने से इंकार

थाने के बाहर प्रेमी की पत्नी पर ब्लेड से हमला

उज्जैन। पंवासा थाना क्षेत्र में एक युवती द्वारा अपने प्रेमी की पत्नी पर ब्लेड से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके गले में 12 टांके आए हैं। विवाद के दौरान 18 महीने की बच्ची को भी धक्का लगने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना अवैध संबंधों को लेकर चल रहे विवाद का परिणाम बताई जा रही है। बजरंग नगर निवासी शुभम प्रजापत की पत्नी पर उसकी कथित प्रेमिका द्वारा थाने के बाहर ब्लेड से हमला करने का आरोप लगा है।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

असम में 5 जवान बलिदान

स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया

जोरहाट एयरबेस पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हुआ था 'एएन-32 मालवाहक'

- हादसा उस समय हुआ जब आपूर्ति सामग्री ले जा रहा यह मालवाहक विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था, तभी आग लग गई
- वायु सेना के मुताबिक इस दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' (जांच समिति) बनाई जा रही है

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के जोरहाट में एयरबेस पर लैंडिंग के समय वायुसेना के एएन-32 कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में पांच जवान बलिदान हो गए हैं। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब आपूर्ति सामग्री ले जा रहा यह मालवाहक विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था। वायुसेना की तरफ से जवानों के बलिदान पर गहरा दुख जताया गया है।

प्रशांत सिंह | जितेंद्र शर्मा | खेमाराम कुमावत | दानिश आलम | शुभम कुमार

पहले भी हो चुका है दुर्घटना का शिकार

- 2019: अरुणाचल प्रदेश के मेचुका जाते समय लापता हो गया था। बाद में उसका मलबा पहाड़ों में मिला और उसमें सवार सभी 13 लोगों की मौत हो गई थी।
- 2016 : चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर जा रहा एक विमान बंगाल की खाड़ी के ऊपर लापता हो गया था, जिसमें 29 लोग सवार थे। कई वर्षों तक तलाश के बाद भी विमान का पता नहीं चला और सभी को मृत मान लिया गया।

राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया शोक

देश उनके साहस-सेवा को हमेशा गर्व व कृतज्ञता से याद करेगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शोक जताते हुए एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके साथ खड़ा है।

इंडिगो के विमान में मिला 4.26 करोड़ रु. का सोना

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

भारत में सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम डेढ़ लाख रुपए से अधिक है। सोने की कीमतों में आग लगने के बाद विदेशों से इसकी तस्करी बढ़ गई है। दुबई से अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई एयरपोर्ट पहुंची इंडिगो फ्लाइट (6ई-1478) से कस्टम में सोने के 24 बिस्कुट बरामद किए हैं। कस्टम ने जब इंडिगो के विमान की तलाशी ली तो उसे विमान से लगभग 4.26 करोड़ रुपए का सोना मिला। इस सोने को बाथरूम के आगे वाले टॉयलेट में लगे स्पीकर के अंदर छिपाया गया था। कस्टम्स अधिकारियों ने विमान इंजीनियरों की मदद से टॉयलेट में लगे स्पीकर बॉक्स के अंदर से काले प्लास्टिक टेप में लिपटे दो पाउच बरामद किए। इसमें बिस्कुट भरे हुए थे। कस्टम्स एक्ट, 1962 का उल्लंघन करके इसे भारत में तस्करी करने की कोशिश की गई थी। बरामद सोने पर अपना दावा करने के लिए कोई आगे नहीं आया। नतीजतन एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत सोने को लावारिस मानकर जब्त कर लिया गया। पाउच में मिले गोल्ड को 999.0 शुद्धता (24 कैरेट) पाई गई है।

सैन्य करियर लगभग चार दशकों तक फैला हुआ

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अब नए सेना प्रमुख

- वर्तमान चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जन. द्विवेदी की
- भारतीय सेना की युद्धक क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में

धीरज सेठ

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ देश के अगले सेना प्रमुख होंगे। वे वर्तमान चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएस) जनरल द्विवेदी की जगह लेंगे। जनरल द्विवेदी 30 जून 2026 से पद से सेवानिवृत्त होंगे, इसके बाद जनरल सेठ सेना प्रमुख का पद संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। उन्हें दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन मिला था। उनका सैन्य कॅरियर लगभग चार दशकों तक फैला हुआ है। उन्होंने परिचालन, रणनीतिक और क्षमता विकास सहित कई क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त लेफ्टिनेंट जनरल किया है। उन्होंने भारतीय सेना की युद्धक क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विभिन्न कमांड में अनुभव

उन्होंने दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में भी कार्य किया। इस दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य गतिविधियों की देखरेख की। साथ ही कई औपचारिक जिम्मेदारियां भी निभाईं। सेना कमांडर के पद पर पदोन्नत होने के बाद उन्होंने दक्षिणपश्चिमी कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने दक्षिणी कमान का नेतृत्व किया। यह दो परिचालन सेना कमानों की कमान संभालने का दुर्लभ सम्मान है।

आधुनिकीकरण में योगदान

सेठ को सेना के आधुनिकीकरण में उनके योगदान के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। उन्होंने सेना मुख्यालय में रणनीतिक योजना और क्षमता विकास में महत्वपूर्ण नियुक्तियां संभाली हैं। उन्होंने आधुनिकीकरण की दिशा और क्षमता रोडमैप को आकार दिया है। एक कुशल सैन्य पेशेवर के तौर पर धीरज सेठ ने सैन्य शिक्षा में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। वह हायर कमांड कोर्स और नेशनल डिफेंस कॉलेज के स्नातक हैं। उन्होंने पेरिस में प्रतिष्ठित कमांड एंड स्टाफ कोर्स में भी भाग लिया है। यह उनकी व्यापक रणनीतिक सोच को दर्शाता है। साथ ही समकालीन सैन्य मामलों की उनकी गहरी समझ को भी प्रदर्शित करता है।

एनटीए ने शुरू किया नया कार्यक्रम

नीट समेत बड़ी परीक्षाओं के लिए अफसरों को ट्रेनिंग देगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा केंद्रों पर निगरानी और परीक्षा संचालन को और मजबूत बनाने के लिए 'परीक्षा कर्मयोगीः कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' शुरू किया है। यह कार्यक्रम आईजीओटी कर्मयोगी भारत प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया है, जिसके माध्यम से परीक्षा अधिकारियों और निरीक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए तैयार किया गया है जो एनटीए की ऑफलाइन (पेन एंड पेपर) परीक्षाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

परीक्षा में निष्पक्षता व जवाबदेही को बढ़ाना

इनमें सेंटर सुपरिंटेंडेंट, निरीक्षक और अन्य परीक्षा कर्मी शामिल हैं। एनटीए के अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नीट (यूजी) सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में कार्यरत परीक्षा अधिकारियों को बेहतर तरीके से तैयार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

साइबर फ्रॉड की राशि से खरीद लिए सोने के सिक्के

ग्वालियर। सर्राफा व्यापारी साइबर अपराधियों की चालाकी का शिकार हो गया। एक शातिर ठग जय वर्मा ने दुकान से दो तोले सोने के सिक्के खरीदे और उसका भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से सीधे व्यापारी के खाते में कर दिया। लेकिन ट्विस्ट तब आया जब अगले ही दिन बैंक ने व्यापारी का खाता सीज कर दिया। जांच में पता चला कि ठग ने भुगतान के लिए जिस राशि का इस्तेमाल किया था। वह किसी अन्य व्यक्ति से की गई साइबर ठगी का पैसा था। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद सिक्के खरीदने वाले को शनिवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया है।

जबलपुर

रविवार, 14 जून 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष-14
वर्ष : 21, अंक : 45
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 37
न्यून. 27

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अमला जान बचाकर भागा

टीम सरकारी वन भूमि से अतिक्रमण हटाने गई थी

फॉरेस्ट टीम पर पत्थर-गोफन से हमला,100 ग्रामीणों ने घेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

कमलापुर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने पहुंची वन विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। करीब 100 ग्रामीणों ने वन अमले और पुलिस बल को घेरकर आधे घंटे तक पत्थर और गोफन बरसाए। 8 वाहनों में तोड़फोड़ की गई और ड्रोन भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। 6 वनकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें 3 को सिर में गंभीर चोट लगी है। घटना का ड्रोन वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वनकर्मी जान बचाकर खेतों की ओर भागते दिखाई दे रहे हैं। घटना शनिवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे देवास जिले के जिनवाणी वन परिक्षेत्र अंतर्गत कमलापुर बीट के कक्ष क्रमांक-94 में हुई। वन विभाग की टीम सरकारी वन भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। सात रेंजों के करीब 70 वनकर्मी और कमलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान भीलआमला गांव के 100 से ज्यादा ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते वन अमले को चारों तरफ से घेरकर पथराव शुरू कर दिया गया। ग्रामीणों ने गोफन से भी पत्थर बरसाए। मामले में कमलापुर थाने में 13 लोगों के खिलाफ नामजद प्रकरण दर्ज किया है।

- 8 वाहन तोड़े जान बचाकर भागे वनकर्मी
- 6 घायल, 3 के सिर फूटे
- ड्रोन तक क्षतिग्रस्त कर दिया

बागली एसडीओ गाड़ी में छिपे

टीम को बागली एसडीओ अंकित जामोद लीड कर रहे थे। पथराव बढ़ने पर उन्हें अपनी गाड़ी में शरण लेनी पड़ी। वाहन पर भी पत्थर बरसाए गए, जिसके बाद वे सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। हमले में वनरक्षक मोहन पंचोनिया, ज्योति जाट, कमल राणा, देवकरण मालवीय, सूरज और परिक्षेत्र सहायक केके परमार घायल हुए हैं। घायलों को पहले कमलापुर स्वास्थ्य केंद्र और चापड़ा अस्पताल ले जाया गया। बाद में तीन घायलों को गंभीर सिर की चोट के कारण देवास जिला अस्पताल रेफर किया गया। वन विभाग के एसडीओ विकास माहोरे ने बताया कि भीलआमला गांव के पास सरकारी वन भूमि पर अवैध खेती की जा रही थी।

खबर संक्षेप

बाबा महाकाल का किया रजत आभूषण से श्रंगार

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे-पुजारी ने गर्भगृह

में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक और दूध, दही, घी, शकर, फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। भगवान महाकाल को रजत ॐ बिल्वपत्र, मुकुट, रुद्राक्ष की माला अर्पित कर श्रृंगार किया गया।

हत्या कांड में सात दोषियों को उम्रकैद

अशोकनगर। 2018 के बहुचर्चित हत्या प्रकरण में प्रथम अपर सत्र न्यायालय मुंगावली ने सभी सात आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास

की सजा सुनाई है। दोषियों को उनके शेष प्राकृतिक जीवनकाल तक जेल में रहना होगा और उन पर 5-5 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। प्रथम अपर सत्र न्यायालय मुंगावली ने पप्पू उर्फ अमान सिंह, राजू दांगी, मोहन सिंह, देवेन्द्र दांगी, रविन्द्र दांगी, मुल्लो बाई और सविता बाई को सजा सुनाई।

मानसून सामान्य रफ्तार से बढ़ा आगे, अगले तीन दिन परिस्थितियां अनुकूल

आंधी के साथ उड़कर आई बारिश भोपाल सहित 15 जिले तर-ब-तर

दोपहर बाद आंधी-बारिश से कई जिलों में स्थिति बिगड़ गई। नरसिंहपुर, सीहोर और इटारसी में भी जमकर बारिश हुई। इटारसी में रेलवे अस्पताल में खड़ी एक एंबुलेंस पर पेड़ गिर गया।

ज्योति टॉकीज के पास सड़क बनी तालाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित करीब 15 जिलों में शनिवार को दोपहर बाद मौसम तेजी से बदला। भोपाल में करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी के साथ 20 मिनट तक तेज बारिश हुई। इससे गर्मी-उमस से काफी राहत रही। शहर में कई जगह बारिश का पानी भर गया। पेड़ उखड़ गए और कुछ जगह पेड़ों की डालियां टूट गई। इससे बिजली सप्लाई काफी देर तक बाधित हुई। शहर में एक जून से अब तक कुल 70.5 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 40.9 मिमी कम है। जल्द ही सामान्य बारिश का आंकड़ा यहां पूरा होने की उम्मीद है। दोपहर बाद आंधी- बारिश से कई जिलों में स्थिति बिगड़ गई। नरसिंहपुर, सीहोर और इटारसी में भी जमकर बारिश हुई। इटारसी में रेलवे अस्पताल में खड़ी एक एंबुलेंस पर पेड़ गिर गया। इधर, नर्मदापुरम, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर आदि जिलों में करीब 40 से 40 किमी की रफ्तार से आंधी चली। कुछ देर बारिश हुई।

राजधानी में शाम को 50 की रफ्तार से आंधी के साथ तेज बारिश

न्यूमार्केट में झमाझम बारिश

- करीब 20 मिनट की बारिश में बिजली गुल पेड़ उखड़े, पानी भरा
- अब तक दीर्घावधि औसत से करीब 23 फीसदी कम बारिश
- प्रदेश में अब तक कुल 19.1 मिमी औसत बारिश हुई

18 से 22 जून के बीच मानसून मप्र आएगा

प्रदेश में शनिवार तक दीर्घावधि औसत से करीब 23 फीसदी कम बारिश हुई है। प्रदेश में अब तक कुल 19.1 मिमी औसत बारिश हुई है, जबकि सामान्य तौर पर 24.8 मिमी होना थी। यह औसत से करीब 23 फीसदी कम है। मौसम केंद्र के अनुसार पूर्वी मप्र में औसत से 47 और पश्चिमी हिस्से में औसत से 5 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब प्रदेश में प्रीमानसून गतिविधियां दो दिन बढ़ेंगी। इसके बाद फिर कुछ कमी आएगी। 2 से 3 दिन बाद प्री-मानसून फिर तेजी पकड़ लेगा। 18 से 22 जून के बीच मप्र और भोपाल तक ऑनसेट हो सकता है।

सीहोर और आसपास की बारिश भोपाल में हो गई

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार शनिवार को दोपहर बाद भोपाल में अचानक आंधी के साथ हुई तेज बारिश से शहर तरबतर हो गया। दअसल, बारिश से पहले आई आंधी के साथ सीहोर और आसपास होने वाली बारिश भोपाल तक उड़कर आ गई। इससे शहर में 20 मिनट आंधी के साथ तेज बारिश हो गई। हवा की रफ्तार कम होने के साथ ही बारिश में कमी आ गई, जबकि आसमान पर बादल देर शाम तक घिरे रहे।

आज कुछ जिलों में आंधी-बारिश

रविवार को सीहोर, ग्वालियर, भिंड, जबलपुर, दमोह, सागर में कुछ जगह आंधी के साथ तेज बारिश होगी। भोपाल, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा आदि जिलों में भी आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट है।

पीएम मोदी ने की नई पीढ़ी के योगदान की प्रशंसा

युवा भारतीय देश और दुनिया के भविष्य को दे रहे आकार

पीएम ने कहा कि भारत के युवा विज्ञान और तकनीक से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रहे हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को मजबूत रूप से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हाल ही में 12 साल पूरे किए हैं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने देश के युवाओं के लिए सरकार की योजनाओं, प्रयासों और उपलब्धियों को गिनाया है।

भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप डेस्टिनेशन में से एक

सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को दे रही मजबूती

पीएम नरेंद्र मोदी

उद्यमशीलता को दिया बढ़ावा

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए मजबूती से काम कर रही है। पिछले 12 वर्षों की एक खास बात यह रही है कि भारत के युवाओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। 'स्टार्टअप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्किल इंडिया' और 'अटल इनोवेशन मिशन' जैसी पहलों के जरिए एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार हुआ है जो नवोन्मेष, उद्यमिता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देता है।

छोटे कस्बों और गांवों से आगे आए युवा

पीएम ने लिखा कि आज भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप डेस्टिनेशन में से एक है और इनमें से कई सफलता की कहानियां हमारी युवा शक्ति लिख रही है, और वह भी छोटे कस्बों और गांवों से। पीएम ने कहा कि भारत के युवा विज्ञान और तकनीक से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे।

खेलों में भी बढ़ा रहे देश का गौरव

पीएम मोदी ने खेल जगत में युवाओं ने प्रदर्शन को सराहा। उन्होंने लिखा कि हमारे युवाओं ने खेल के क्षेत्र में भी देश का मान बढ़ाया है। कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में युवा भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार देश का गौरव बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा कि खेलों का मजबूत इकोसिस्टम, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों को मिलने वाला अधिक समर्थन युवा प्रतिभाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है और उन्हें खेलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

यूपी के युवक ने पीएम को लिखा भावुक पत्र

कहा- आप राष्ट्र की 'अमूल्य' धरोहर, करोड़ों के प्रेरणा स्त्रोत

कानपुर। यूपी के एक युवा प्रतियोगी परीक्षा आकांक्षी ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक भावुक पत्र लिखकर वैश्विक अस्थिरता, संघर्षों और उनसे उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच उनके

नेतृत्व पर अटूट विश्वास व्यक्त किया है। कानपुर निवासी आशुतोष यादव ने अपने पत्र में कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। ऐसे समय में पीएम मोदी द्वारा आत्मनिर्भरता, संयम और राष्ट्रीय हित पर दिया जा रहा जोर करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना हुआ है। यादव ने लिखा कि आप केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशा, विश्वास और प्रेरणा के प्रतीक हैं। आप इस राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। हम कठिनाइयों का सामना कर लेंगे लेकिन भारत के स्वाभिमान, पहचान और संप्रभुता को कभी आंच नहीं आने देंगे।

खबर संक्षेप

चंडीगढ़ में कैशियर पर फायरिंग, हालत नाजुक

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के पॉश इलाके सेक्टर-11 स्थित एक मेडिकल स्टोर में घुसकर हथियारबंद

बदमाशों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने दुकान के काउंटर पर बैठे कैशियर को अपना निशाना बनाया और उसे गोलियों से भून दिया। इस जानलेवा हमले में कैशियर गंभीर रूप से घायल हो गया है।

असम में आधार कार्ड जारी करने पर रोक

गुवाहाटी। अवैध घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए असम सरकार ने 18 साल से

अधिक आयु के लोगों को आधार कार्ड जारी करने पर रोक लगाने का फैसला किया है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि विशेष परिस्थितियों में संबंधित जिले के उपायुक्त (डीसी) को राज्य सरकार के पास प्रस्ताव भेजना होगा।

पटियाला में लिवर संक्रमण का प्रकोप, 27 प्रभावित

पटियाला। पटियाला के डोगरा मोहल्ला क्षेत्र में हेपेटाइटिस ए के मामलों की संख्या 27 तक पहुंच

चुकी है। स्वास्थ्य विभाग को आशंका है कि दूषित पेयजल और सीवेज मिश्रित पानी इस संक्रमण की मुख्य वजह हो सकता है। कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं जबकि बाकी लोगों की निगरानी की जा रही है।

गोवा सीएम के काफिले में घुसी एसयूवी, 5 अरेस्ट

पणजी। उत्तरी गोवा में सीएम प्रमोद सावंत के काफिले में एक अज्ञात एसयूवी के घुसने के बाद

पुलिस ने एक कांस्टेबल समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया। यह घटना गुरुवार रात अमोनो में उस समय हुई, जब सीएम संखेलिम से पणजी जा रहे थे। गाड़ी में सवार लोग शराब के नशे में पाए गए।

पूर्ववर्ती ममता सरकार पर सीएम सुवेंदु अधिकारी का बड़ा एक्शन

बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट पर 635 करोड़ के भुगतान की होगी जांच

विस्तृत जांच के बाद किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार पूरे मामले की विस्तृत जांच कराएगी और यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को पूर्ववर्ती ममता बेनर्जी सरकार के कार्यकाल में आयोजित बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) को लेकर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सम्मेलन के आयोजन के नाम पर 635 करोड़ रुपए एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को भुगतान किए गए थे। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार पूरे मामले की विस्तृत जांच कराएगी और यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। कोलकाता के न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व 12वर्ष पूरे होने और राज्य सरकार के एक मास पूरे होने पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सीएम ने यह बात कही।

सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने कई वर्षों तक बड़े पैमाने पर बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट का आयोजन किया और हर बार राज्य में भारी निवेश आने के दावे किए गए। हालांकि, इन दावों के अनुरूप जमीनी स्तर पर उद्योगों का विस्तार और रोजगार सृजन अपेक्षित स्तर पर नहीं दिखाई दिया।

दावों के अनुरूप जमीनी स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं

पता करेंगे राशि किन मदों में खर्च की गई, वास्तविक उपयोग क्या रहा

भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता मामलों में ढिलाई नहीं देंगे

सीएम सुवेंदु अधिकारी

पूर्व सीएम ममता बेनर्जी

सीएम ने आरोप लगाया कि बीजीबीएस के आयोजन के नाम पर 635 करोड़ रुपए एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को भुगतान किए गए। उन्होंने कहा कि सरकार यह पता लगाएगी कि यह राशि किन मदों में खर्च की गई, उसका वास्तविक उपयोग क्या था और भुगतान की प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता हुई या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के मामलों में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगी। कानून के दायरे में आने वाले किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान या प्रभाव के आधार पर राहत नहीं मिलेगी।

सहायक सुमित रॉय की तलाश जारी

अभिषेक बेनर्जी के घर तड़के 3 बजे पुलिस ने की छापेमारी

पश्चिम मेदिनीपुर के सलबोनी थाने की टीम, एक डीएसपी के नेतृत्व में

और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के साथ, शनिवार सुबह करीब 3 बजे दक्षिण कोलकाता के कालीघाट रोड स्थित अभिषेक बेनर्जी के आवास पर पहुंची। इसके कुछ ही देर बाद कालीघाट थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। टीम ने कई बार घर का दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर दो घंटे इंतजार के बाद पुलिस ने राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की मदद से प्रवेश द्वार का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया।

ऋतब्रत बेनर्जी का दावा

64 विधायकों का समर्थन स्पीकर करा लें फ्लोर टेस्ट

टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बेनर्जी ने दावा किया है कि बड़ी

संख्या में असंतुष्ट तृणमूल विधायक उनके समर्थन में हैं। उनका कहना है कि इस संबंध में आवश्यक जानकारी विधानसभा अध्यक्ष को उपलब्ध करा दी गई है।

कल्याण बेनर्जी के बदले सुर

अभिषेक बेनर्जी को बताया बेटे समान

हाल ही में कल्याण बेनर्जी ने ममता बेनर्जी को अल्टीमेटम दिया था कि वे अपने भतीजे अभिषेक बेनर्जी और उनमें से किसी एक को चुन लें। हालांकि अब कल्याण बेनर्जी के सुर बदले नजर आ रहे हैं और ताजा बयान में उन्होंने कहा कि अभिषेक बेनर्जी मेरे बेटा जैसा है। पिता का कर्तव्य है कि वह बेटे की सभी गलतियों को माफ कर दे।

... अब सांसद सुदीप बंदोपाध्याय हुए बागी

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय शनिवार को

बागी सांसद शताब्दी रॉय के साथ दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर पहुंचे। बागी सांसद जगदीश बसुनिया ने कहा कि सभी बागी सासंद रविवार को पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात करने वाले हैं। इसके बाद वे लोकसभा अध्यक्ष से भी मिलेंगे।

इंडी गठबंधन में दिखी दरार

पूर्व सीएम का आरोपः भाजपा को फायदा पहुंचाते हैं राहुल

पूर्व सीएम पी. विजयन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

राहुल का राजनीतिक रवैया कतई ठीक नहीं

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व सीएम पी. विजयन ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी की आलोचना करते हुए विजयन ने कहा कि उनका राजनीतिक रवैया विपक्षी इंडी गठबंधन को मजबूत नहीं करता बल्कि कई बार इसका फायदा भाजपा को मिलता है। राहुल गांधी ने हाल ही में इंडी गठबंधन की बैठक में पी विजयन को राजनीतिक प्रतिद्वंदी होने के कारण गले न लगाने की बात कही थी। राहुल गांधी के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विजयन ने कहा कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन किसे गले लगाता है। पूर्व सीएम विजयन ने दावा किया कि इंडी गठबंधन की बैठकों में केवल वामपंथी दलों ने ही नहीं, बल्कि अन्य गैर-कांग्रेसी दलों के नेताओं ने भी कांग्रेस के रुख पर आपत्ति जताई थी।

पीएम से मिले गले, विजयन से बनाई दूरी

विजयन ने कहा कि आज जो स्थिति बनी है, वह कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी के रवैये की वजह से बनी है। उनका रवैया इंडी गठबंधन को मजबूत नहीं करता। जैसा कि मैं पहले भी कह चुका हूं, इससे अक्सर भाजपा को फायदा मिलता है। राहुल गांधी अपने ऐसे कदमों से अनजाने में भाजपा के हितों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। सीपीआई (एम) के महासचिव एमए बेबी ने राहुल गांधी और कांग्रेस से सवाल किया कि जब राहुल गांधी पीएम मोदी को गले लगा सकते हैं, तो फिर सियासी मतभेदों का हवाला देकर केरल के पूर्व सीएम पिनाराई विजयन से दूरी क्यों बनाते हैं।

इंडी गठबंधन को आत्ममंथन की जरूरत

एमए बेबी ने कांग्रेस नेताओं की तरफ से सीपीआई (एम) और एलडीएफ पर भाजपा से सीक्रेट डील के आरोप लगाने और विजयन को अरेस्ट करने की मांग उठाने को लेकर भी नाराजगी दिखाई। एमए बेबी ने सवाल उठाया कि एक ही इंडिया गठबंधन का सदस्य होते हुए, राहुल गांधी, पिनाराई विजयन को गिरफ्तार करने की मांग कैसे कर सकते हैं? मुझे लगता है कि इंडिया गठबंधन के हर घटक दल को आत्ममंथन और आत्म-आलोचना करने की जरूरत है ताकि इंडिया गठबंधन को और मजबूत बनाया जा सके।

राममंदिर दानपात्र गबन मामला

ट्रस्टी चंपत राय की मौजूदगी में पूर्व कर्मी के घर मिले 12 लाख

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या जिले के रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में राम मंदिर दानपात्र से कथित धन गबन के मामले में जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई की गई। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में हुई छापेमारी में आरोपी लवकुश मिश्रा के घर से 12 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। मामले में बरामद धनराशि के स्त्रोत और उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच जारी है। 27 वर्षीय लवकुश मिश्रा राम मंदिर

आरोपी लवकुश मिश्रा का घर

में कर्मी के रूप में कार्यरत रहा है। इसी मामले में जांच एजेंसियों ने उसके घर पर कार्रवाई की। ग्रामीणों के मुताबिक, लवकुश मिश्रा पहले कार मिस्त्री के रूप में काम करता था। राम मंदिर में नौकरी मिलने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति बदली।

राउत के बयान पर भड़की भाजपा

नए स्तर पर पहुंच गई विपक्ष की हताशा, पीएम का किया अपमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) नेता संजय राउत की ओर से पीएम नरेंद्र मोदी को 'अघोरी' कहे जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि विपक्ष की हताशा अब नए स्तर पर पहुंच गई है। संजय राउत ने केवल पीएम मोदी का ही नहीं, बल्कि गुजरात का भी अपमान किया है। राउत ने पुणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था कि उन्होंने राजनीति में मोदी जैसा

शहजाद पूनावाला संजय राउत

'अघोरी' और क्रूर व्यक्ति पहले कभी नहीं देखा। पीएम का पूरा व्यक्तित्व डर पैदा करता है। मोदी उसी मिट्टी से आते हैं, जहां औरंगजेब का जन्म हुआ था। पूनावाला ने कहा कि ये बयान विपक्ष की हताशा का परिणाम है।

सुदर्शन ने जीता 'ग्रैंड सैंड मास्टर कप 2026'

ग्लोबल वार्मिंग कलाकृति के लिए मिला अवार्ड

भुवनेश्वर। ओडिशा के प्रसिद्ध रेत कलाकार पद्मश्री सुदर्शन पटनायक को रूस में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सैंड स्कल्पचर महोत्सव में रूस ग्रैंड सैंड मास्टर कप 2026 से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित होने वाले वाले वह पहले भारतीय सैंड आर्टिस्ट बन गए हैं। यह सम्मान उन्हें सैंड आर्ट के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और ग्लोबल वार्मिंग विषय पर बनाई गई प्रभावशाली रेत की मूर्ति के लिए प्रदान किया गया। 3 मीटर ऊंची रेत की मूर्ति पृथ्वी के दो विपरीत स्वरूपों को दर्शाती है।

जनसांख्यिकीय बदलाव पर गृह मंत्री शाह ने जताई चिंता

सीमावर्ती जिलों में 'अध्ययन' कर चुनौतियों से निपटने के दिए निर्देश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसांख्यिकी में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति को शनिवार को निर्देश दिया कि वह सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या के स्वरूप में आए परिवर्तनों का विस्तृत अध्ययन करे। समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने कहा कि समिति अवैध प्रवासन और अन्य अस्वाभाविक कारणों से हो रहे बदलावों का आकलन करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों, महानगरों तथा औद्योगिक नगरों का दौरा करे। गृह मंत्रालय ने देशभर में घुसपैठ और अन्य अस्वाभाविक कारणों से हो रहे जनसंख्या संबंधी परिवर्तनों का मूल्यांकन करने तथा इन चुनौतियों से निपटने के उपाय सुझाने के लिए इस उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।

समिति की बैठक लेते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

देश की संप्रभुता को खतरा

शाह ने कहा कि जनसंख्या संरचना में बदलाव एक गंभीर विषय है, जो केवल देश की संप्रभुता से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, सामाजिक ढांचे में गहरे परिवर्तनों तथा जनजातीय समाज के संरक्षण से भी जुड़ा हुआ है। समिति अवैध घुसपैठ और अन्य अस्वाभाविक कारणों से भारत में हो रहे जनसंख्या संबंधी परिवर्तनों का व्यापक आकलन कर इसके लिए योजनाबद्ध तथा समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करे।

दक्षिण-पश्चिम मानसून पर छाया अल नीनो का साया

देश के 25 राज्यों में 18 जून तक आंधी-पानी और ओलावृष्टि के आसार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तेजी से आगे बढ़ रहे दक्षिण-पश्चिम मानसून और उत्तरी सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में व्यापक बदलाव आया है। पिछले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर से तटीय कर्नाटक तक गरज और चमक के साथ बारिश हुई है। साथ ही, अलग-अलग क्षेत्रों में 50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान ने भी कहर बरपाया है। बिहार में बिजली गिरने से 10 लोगों की जान चली गई है, पंजाब में भी वर्षा जनित घटनाओं में 3 लोगों की जान चली गई है। मौसम में यह बदलाव कम से कम 18 जून तक जारी रहने की प्रबल संभावना है।

50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी तूफान आया

बिहार में बिजली गिरने से 9 की मौत

हिमाचल प्रदेश के शिमला में बारिश

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, यूपी और हरियाणा के कई जिलों में आंधी-तूफान और गरज के साथ बारिश हुई। राजस्थान में भी तेज हवाएं चलीं और छिटपुट बारिश दर्ज की गई। बिहार में बारिश के दौरान बिजली गिरने से खगड़िया में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि भागलपुर, मधेपुरा, सहरसा और भोजपुर जिलों में एक-एक की जान गई।

उत्तर-पूर्वी हिस्से में बारिश और बर्फबारी

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, चंडीगढ़, पंजाब और छत्तीसगढ़ में भी व्यापक वर्षा हुई। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, झारखंड, ओडिशा और तटीय कर्नाटक में भारी बारिश दर्ज की गई। हिमाचल प्रदेश में रोहतांग सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। कुल्लू और लाहौल घाटी में झमाझम बारिश दर्ज की गई। केरल में कुछ जगहों पर 12-20 सेमी तक वर्षा रिकॉर्ड की गई।

40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी

मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, दिल्ली, यूपी और राजस्थान में 18 जून तक अलग-अलग स्थानों पर गरज और चमक के साथ बारिश होने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान जताया। अंडमान निकोबार द्वीप समूह, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और पूर्वोत्तर भारत के असम समेत सभी राज्यों में भी अगले 4 दिनों तक अधिक बारिश होगी।

बरेला में शारदा मंदिर के पास भीषण हादसा

डंपर ने बुलेरो को टक्कर मारकर घसीटा वाहन में लगी आग, दो जिंदा जले

बरेला थाना अंतर्गत शारदा मंदिर के पास बरेला घाट पर एक लोमहर्षक घटना सामने आई एक बुलेरो वाहन को तेज रफ्तार डंपर ने इस कदर टक्कर मारी की कार के परखच्चे उड़ गये और इसके बाद भी डम्फर चालक नहीं रुका. डम्फर में फंसी बुलेरो को आधा किलोमीटर तक सड़क पर घसीटा जिससे बुलेरो वाहन में आग लग गई. उसमें सवर दो लोग जिंदा जल गये. वाहन में आग इतनी भीषण थी की लोग उसमें फंसे लोगों को निकालने की हिम्मत नहीं जुटा पाए. फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

जबलपुर। बरेला थाना प्रभारी संगीता सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया, कार के अंदर फंसे लोगों को निकालकर पंचनामा की कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिये मेडिकल भिजवाया, फिलहाल मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है. वहीं प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक दुर्घटना इतनी भयावह थी कि टक्कर के बाद कार सीधे डंपर के अगले हिस्से के नीचे जा फंसी। इसके बावजूद डंपर चालक ने गाड़ी नहीं रोकी। वह कार को तकरीबन आधा तक बेरहमी से घसीटता हुआ ले गया। इसी दौरान घिसटती हुई कार आगे खड़े एक अन्य वाहन से टकरा गई। इस दोहरी टक्कर और घर्षण के कारण कार में अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी विकराल थी कि कोई भी कार के नजदीक नहीं जा सका और दोनों सवार भीतर ही जिंदा जल गए। घटना की सूचना मिलने पर बरेला पुलिस और फायर ब्रिगेड के वाहन मौके पर पहुंचे। भारी मशक्कत के बाद जब कार में लगी आग पर काबू पाया गया, तब तक कार पूरी तरह लोहे के कंकाल में बदल चुकी और उसमे सवार दो युवक जिंदा जल गये। पुलिस ने मलबे से दोनों मृतकों के झुलसे हुए शव बरामद किए। शवों की स्थिति इतनी खराब थी कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। बरेला पुलिस ने फरार डंपर चालक के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

सड़क-नाली सहित अवैध निर्माण ध्वस्त

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त अभियान जारी है। इसी क्रम में शनिवार को गोरखपुर अनुविभाग के अंतर्गत ग्राम दलपतपुर स्थित एक अवैध कॉलोनी में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। यहां निर्मित सड़क, नाली एवं अन्य अवैध संरचनाओं को जेसीबी की मदद से हटाया गया।

प्रशासन ने संबंधित कॉलोनाइजर श्री गुरूजी कंस्ट्रक्शन को पूर्व में नोटिस जारी कर स्वयं अवैध निर्माण हटाने का अवसर दिया था, लेकिन निर्धारित समय में अनुपालन नहीं किए जाने पर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुराग सिंह के आदेश पर तहसीलदार, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, नगर निगम एवं पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में विकसित सभी अवैध कॉलोनियों के खिलाफ इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। अवैध रूप से कब्जाई गई भूमि और संरचनाओं को हटाकर उन्हें मूल स्थिति में बहाल किया जाएगा।

साथ ही प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों के विरुद्ध एफआईआर सहित कानूनी कार्रवाई की जाएगी और विकास संबंधी सभी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी कॉलोनी या भूखंड में निवेश से पहले उसकी वैधानिक स्थिति, लाइसेंस और आवश्यक अनुमतियों की पूरी जांच अवश्य करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी या आर्थिक परेशानी से बचा जा सके।

डिप्टी सीएम के निज सचिव के फोन के बाद जीआरपी में हड़कंप

रीवा-भोपाल एक्सप्रेस में 10 लाख की चोरी

जबलपुर। रीवा से भोपाल जा रही रीवा-भोपाल एक्सप्रेस में आधी रात एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई। वातानुकूलित कोच में यात्रा कर रहे रीवा निवासी रामदत्त पाठक समेत कई यात्रियों के बैग और कीमती सामान अज्ञात बदमाश लेकर फरार हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चोरी गए जेवरात, नकदी और अन्य सामान की कुल कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। घटना की सूचना प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के निज सचिव तक पहुंचने के बाद रेलवे और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि अधिकांश यात्री रात में सो रहे थे, तभी चेहरे को कपड़े से ढंके एक संदिग्ध ने कोच में प्रवेश कर बैगों को निशाना बनाया। ट्रेन के अगले स्टेशन पर पहुंचने के बाद यात्रियों को सामान गायब होने की जानकारी लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी और आरपीएफ ने संयुक्त जांच शुरू कर दी है। बोगी से फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए गए हैं तथा स्टेशन और ट्रेन मार्ग के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। रेलवे पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर तीन विशेष जांच टीमें गठित की हैं। टीआई संजीवनी राजपूत ने बताया कि आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद है।

स्टेशन पर हंगामा कर रहा युवक गिरफ्तार

जबलपुर। रेलवे स्टेशन जबलपुर पर यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार कर शांति भंग कर रहे एक युवक को जीआरपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 पर कटनी दिशा की ओर एक युवक यात्रियों से गाली-गलौज एवं विवाद कर रहा था। जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस द्वारा समझाइश दिए जाने के बावजूद युवक का उग्र व्यवहार जारी रहने पर संभावित अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए उसे हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुभाष राजपाल (22) निवासी ग्राम चरगवां पाली, थाना स्लीमनाबाद, जिला कटनी के रूप में हुई है। जीआरपी ने आरोपी के विरुद्ध बीएनएसएस की धारा 170, 126(बी) एवं 135(3) के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में प्रस्तुत किया।

कलेक्टर एवं निगमायुक्त ने किया प्रमुख नालों व प्लांटों का निरीक्षण, जलभराव रोकने के दिए निर्देश

जबलपुर। आगामी वर्षा ऋतु के मद्देनजर शहर की जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शहर के प्रमुख नालों एवं प्लांटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने अपर आयुक्त अरविंद शाह, अशफाक परवेज कुरैशी तथा स्वास्थ्य विभाग के अमले के साथ ओमती नाला, भूलन नाला, प्रेम नगर नाला और गंगा सागर नाला सहित विभिन्न नाला-नालियों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने नागरिकों से जलभराव को लेकर फीडबैक भी लिया, जिस पर लोगों ने बताया कि अब क्षेत्र में पानी नहीं भरता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर और निगमायुक्त ने वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया तथा उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा की। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सभी नालों की समय पर और पूरी सफाई सुनिश्चित की जाए तथा बारिश के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति न बने। नगर निगम स्वास्थ्य अमले को नियमित मॉनिटरिंग करने और कचरा प्रबंधन व्यवस्था को लगातार मजबूत बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे का बड़ा कदम, देशभर के स्टेशनों पर होगा फायर सेफ्टी ऑडिट

जबलपुर। यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से भारतीय रेल ने देशभर के रेलवे स्टेशनों पर फायर सेफ्टी ऑडिट कराने का निर्णय लिया है। इस ऑडिट के तहत स्टेशनों पर मौजूद अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत जांच की जाएगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके और यात्रियों व रेलवे संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जांच में स्टेशन भवन, विद्युत प्रणाली, एयर कंडीशनिंग एवं वेंटिलेशन सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट, फायर फाइटिंग सिस्टम, पानी की उपलब्धता, पंपिंग व्यवस्था और स्प्रिंकलर सिस्टम सहित सभी सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह भी देखा जाएगा कि स्टेशनों पर निर्धारित फायर सेफ्टी नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं। जहां भी कमी पाई जाएगी, वहां तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए विभिन्न विभागों की संयुक्त टीमें गठित की जाएंगी तथा आवश्यकता पड़ने पर राज्य फायर विभाग और विशेषज्ञ एजेंसियों की सहायता भी ली जाएगी। रेलवे का कहना है कि यह कदम यात्रियों की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

मीनाक्षी नटराजन प्रकरण को लेकर कांग्रेस पर साधा निशाना, पार्टी नेतृत्व की कार्यशैली पर उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी करना उचित नहीं, संज्ञान ले न्यायालय : राकेश सिंह

जबलपुर। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही टिप्पणियों पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका का सम्मान सर्वोपरि है और किसी भी राजनीतिक दल या नेता को अदालतों पर टिप्पणी करने की छूट नहीं मिलनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन से जुड़े मामले में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने जिस तरह सार्वजनिक बयान दिए हैं, वह स्वस्थ राजनीतिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। राकेश सिंह ने कहा कि भारतीय राजनीति में लंबे समय तक न्यायालयों के प्रति सम्मान की परंपरा रही है और राजनीतिक मतभेदों के बावजूद अदालतों के निर्णयों व कार्यवाहियों पर इस प्रकार की सार्वजनिक टिप्पणियां नहीं की जाती थीं। उनके अनुसार हाल के घटनाक्रम में कुछ नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर जिस तरह बयानबाजी की है, वह चिंता का विषय है।

सुप्रीम कोर्ट से कार्रवाई की मांग

मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदालत पर टिप्पणी करने वाले नेताओं और संबंधित व्यक्तियों से जवाब तलब किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाया जा सके। उनका मानना है कि न्यायपालिका के प्रति सम्मान बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। मीनाक्षी नटराजन प्रकरण का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कांग्रेस संगठन की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी की तैयारी और नेतृत्व के स्तर पर समन्वय की कमी दिखाई दी, जिसके कारण यह स्थिति बनी। राकेश सिंह ने कहा कि कांग्रेस को अपनी राजनीतिक परिस्थितियों का आत्ममंथन करना चाहिए और हार या असफलता के लिए अन्य संस्थाओं अथवा व्यक्तियों को जिम्मेदार ठहराने के बजाय संगठनात्मक कमियों पर ध्यान देना चाहिए।

रीवा से चलेगी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन, ज्योतिर्लिंग और द्वारका दर्शन का मिलेगा अवसर

जबलपुर। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "भारत गौरव पर्यटक ट्रेन" का संचालन रीवा से किया जाएगा। यह विशेष ट्रेन 11 जुलाई 2026 को रीवा स्टेशन से रवाना होगी और पश्चिम मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से यात्री इसमें शामिल हो सकेंगे। यात्रा के दौरान सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, इटारसी, रानी कमलापति, भोपाल, शुजालपुर एवं उज्जैन जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। इस यात्रा के तहत श्रद्धालुओं को द्वारकाधीश मंदिर, सोमनाथ, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं ओंकारेश्वर सहित प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। लगभग 10 रात और 11 दिन की इस यात्रा में धार्मिक पर्यटन का विशेष अनुभव मिलेगा। आईआरसीटीसी ने यात्रियों की सुविधा के लिए पैकेज में रेल यात्रा, भोजन, आवास, स्थानीय परिवहन, दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा एवं टूर एस्कॉर्ट जैसी सुविधाएं शामिल की हैं। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की आधिकारिक पर्यटन वेबसाइट या रेलवे स्टेशनों एवं कार्यालयों से संपर्क कर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

नयानगर में कांग्रेस का प्रदर्शन मुख्यमंत्री का पुतला फूंका

जबलपुर। चरगवां ब्लॉक के अंतर्गत नयानगर बाजार में कांग्रेस पार्टी ने पोल खोल, हल्ला बोल आंदोलन के तहत प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष डहेरिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुतला दहन कर सरकार की नीतियों के प्रति नाराजगी जताई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर नारेबाजी भी की। प्रदर्शन में मन्नी बाई, समनलू सिंह मरावी, रामकुमार सियाम, हरि चक्रवाती, रामसेवक भलावी, उमा, रामेश्वर मासाब, देवेंद्र प्रजापति, रवि पटेल, गोलू पटेल, भगत जी, सोनू सेन, पप्पू महाराज, सरदार सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अवैध शराब बिक्री, बंद पड़ी गोशालाएं, पेट्रोल-डीजल और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें तथा बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि आम जनता महंगाई और मूलभूत सुविधाओं की कमी से परेशान है।

5 विभागों के कार्यों की समीक्षा में निगमायुक्त की दो टूक चेतावनी

जनशिकायतों के निवारण में देरी बर्दाश्त नहीं

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन, अतिक्रमण व लोककर्म विभाग के कामों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत में निगमायुक्त ने स्वास्थ्य और सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की स्थिति जानी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नागरिकों की शिकायतों का निवारण हमारी प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी प्रकार निगमायुक्त ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित कराने निर्देश दिए। निगमायुक्त अहिरवार ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और दुरुस्त करने तथा कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी दिनों में नागरिकों को सुचारू और शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजना की समीक्षा की।उन्होंने भवन एवं लोक कर्म विभाग के अंतर्गत शहर में चल रहे निर्माण कार्यों, सड़कों की मरम्मत और बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। शहर के बैठक में निगमायुक्त ने प्रमुख बाजारों और मार्गों को यातायात के लिए सुगम बनाने तथा अवैध अतिक्रमण पर निरंतर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

समय सीमा में काम पूरा करने का अल्टीमेटम

समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने सभी विभागीय प्रमुखों और अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि सभी विकास कार्य और जनता से जुड़े मामले समय सीमा के भीतर ही पूर्ण होने चाहिए। मैदानी निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां पाई गई हैं, उन्हें तुरंत सुधारा जाए। अधिकारी केवल दफ्तर में न बैठें, बल्कि खुद फील्ड में उतरकर कार्यों की गुणवत्ता और गति की निगरानी करें।

गेहूं घोटाला

बड़े जिम्मेदारों पर अब भी सवाल

जबलपुर। जिले में सामने आए 1.37 करोड़ रुपये के गेहूं घोटाले में अब तक प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई जरूर हुई है, लेकिन पूरे मामले में जवाबदेही को लेकर सवाल लगातार उठ रहे हैं। जांच में 5167 क्विंटल से अधिक गेहूं गायब मिलने के बाद खरीदी केंद्र प्रभारी, सहायक खाद्य अधिकारी सहित 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

प्रशासनिक जांच में रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक के बीच भारी अंतर, फर्जी प्रविष्टियां तथा खरीदी प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। इसके बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि कार्रवाई के बावजूद कई सवाल अनुत्तरित हैं। खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम और निगरानी व्यवस्था से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका को लेकर अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी मात्रा में गेहूं की कमी केवल निचले स्तर के कर्मचारियों की जानकारी तक सीमित नहीं हो सकती और पूरी जवाबदेही तय किए बिना घोटाले की तह तक पहुंचना कठिन होगा। यह प्रश्न भी उठ रहा है कि यदि नियमित निरीक्षण और सत्यापन की व्यवस्था प्रभावी थी तो इतनी बड़ी गड़बड़ी लंबे समय तक पकड़ में क्यों नहीं आई।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले जिले में धान खरीदी और परिवहन से जुड़े मामलों में 74 लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज की गई थी। उस कार्रवाई को प्रदेश के बड़े खाद्यान्न घोटालों में से एक माना गया था।

वर्तमान गेहूं घोटाले में भी अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच केवल एफआईआर तक सीमित रहती है या फिर उन अधिकारियों और जिम्मेदार व्यक्तियों तक भी पहुंचती है जिनकी निगरानी में पूरी व्यवस्था संचालित हो रही थी। विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा है कि केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई कर मामले को समाप्त नहीं किया जाना चाहिए।

सरकारी फंड नहीं तो मंदिर पर शासकीय नियंत्रण नहीं, हाई कोर्ट ने निरस्त किया आदेश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि किसी मंदिर को शासकीय नियंत्रणाधीन मानने के लिए उसे सरकार से वित्तीय सहायता मिलना आवश्यक है। इसी आधार पर जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने सागर के पहलवान बब्बा मंदिर को सरकारी नियंत्रण में लेने संबंधी आदेश निरस्त कर मामला पुनर्विचार के लिए संभागायुक्त के पास भेज दिया। मंदिर के संस्थापक रामेश्वर प्रसाद तिवारी की ओर से अधिवक्ता आशीष

त्रिवेदी, आनंद शुक्ला व अपूर्व त्रिवेदी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि शासकीय देवस्थान प्रबंध समिति नियम, 2019 के नियम 1(जी) के अनुसार केवल वही मंदिर शासकीय नियंत्रण में आ सकता है, जिसे सरकारी अनुदान प्राप्त हो। प्रश्नगत मंदिर को कभी कोई शासकीय फंड नहीं मिला। कोर्ट ने पाया कि मंदिर को सरकारी नियंत्रण में लेते समय इस महत्वपूर्ण पहलू पर विचार नहीं किया गया। इसलिए 2 सितंबर 2024 को पारित संभागायुक्त का आदेश विधिसम्मत नहीं ठहराया जा सकता। हाई कोर्ट ने आदेश निरस्त कर अपील पर सभी पक्षों की दलीलों के आधार पर नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिए।

चेक बाउंस मामले में 6 माह की सजा

जबलपुर । न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी वंदना सिंह की कोर्ट ने चेक बाउंस मामले में नागपुर निवासी आशीष बजाज को 6 माह की सजा सुनाई है। न्यायालय ने 9 प्रतिशत ब्याज के साथ 4 लाख 10 हजार रुपए प्रतिकर अदा करने का भी आदेश दिया । उपरैनगंज निवासी नरेन्द्र अग्रवाल की ओर से दायर प्रकरण में कहा गया कि आशीष बजाज ने वर्ष 2014 में 2 लाख रुपए का चेक दिया था। परिवादी की ओर से अधिवक्ता सचिन अग्रवाल ने कोर्ट को बताया कि उक्त चेक बाउंस हो गया। सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी को 6 माह की सजा सुनाई।

सिवनी टोला में अवैध शराब दुकान के विरोध में प्रदर्शन

जबलपुर। शहर के सिवनी टोला क्षेत्र में नियमों के विपरीत शराब दुकान खोले जाने के आरोपों को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मामले को लेकर बहुजन चेतना विकास मोर्चा और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम मेहरा ने आरोप लगाया कि निर्धारित टेंडर के अनुसार शराब दुकान का स्थान गंगई बरखेड़ा (थाना चरगवां, तहसील शहपुरा) होना था, लेकिन कथित तौर पर प्रशासनिक और राजनीतिक मिलीभगत से इसे सिवनी टोला में संचालित करने की कोशिश की जा रही है। संगठन ने इसे नियमों की अवहेलना बताया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जहां आम नागरिकों पर छोटी शराब की मात्रा मिलने पर भी सख्त कार्रवाई होती है, वहीं प्रभावशाली शराब ठेकेदार नियमों का उल्लंघन

कर रहे हैं और प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा। स्थिति को देखते हुए मौके पर सीएसपी और तहसीलदार पहुंचे, जहां प्रदर्शनकारियों ने अपनी चार सूत्रीय मांगें रखीं, जिनमें दुकान को तत्काल सील करना, ठेकेदार का लाइसेंस निरस्त करना, जिम्मेदारों पर धारा 34(2) के तहत कार्रवाई और दुकान को उसके निर्धारित स्थान गंगई बरखेड़ा में स्थानांतरित करना शामिल है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

शिव कल्याण मंदिर में देवी भागवत कथा का आयोजन

भगवती जगदम्बा के ध्यान को बताया मुक्ति का मार्ग

जबलपुर। प्राचीन शिव कल्याण मंदिर, लार्डगंज में श्रीमानस पीठ एवं चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जाबालीपुरम के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर भव्य देवी भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के दौरान डॉ. स्वामी गिरजानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि जो माया समस्त जगत को अपने वश में रखती है, वह परम तत्व से ही प्रेरित रहती है और जीवों में मोह उत्पन्न करती है। उन्होंने कहा कि इस माया से मुक्ति का एकमात्र उपाय भगवती जगदम्बा का ध्यान, पूजन, वंदन, जप और कीर्तन है। उन्होंने आगे कहा कि भगवती जगदम्बा का ध्यान ही सच्चा पूजन है और अन्य देवता इस माया से मुक्ति दिलाने में सक्षम नहीं हैं। कार्यक्रम में पं. मनमोहन दुबे, देवेंद्र नेमा, नरेश कहार, पवन जायसवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, मातृशक्ति एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप जयंती पर 17 जून को निकलेगी शौर्य यात्रा

जबलपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक में निर्णय लिया गया कि हिंदुआ सूरजवीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर इस वर्ष भी परंपरानुसार शौर्य यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह भव्य शौर्य यात्रा 17 जून 2026, बुधवार को शाम 4 बजे सिविक सेंटर से निकाली जाएगी। आयोजन को लेकर द नागेंद्र होटल, लेबर चौक गढ़ा रोड में विस्तृत चर्चा हेतु बैठक आयोजित की गई, जिसमें तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी

शैलेन्द्र सिंह (प्रदेश अध्यक्ष), नागेंद्र सिंह, दिलीप सिंह, प्रवेंद्र चौहान, कासु सिंह, राजेश सिंह, सत्येंद्र सिंह, अनूप सिंह बबलू सहित बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

पेंशनर्स का विशाल जल सत्याग्रह धारा 49 विलोपित करने की मांग

जबलपुर। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के कार्यवाहक प्रांताध्यक्ष एच.पी. उरमलिया के नेतृत्व में राज्य के पेंशनर्स ने एक सूत्रीय मांग को लेकर विशाल जल सत्याग्रह किया। प्रदर्शन के दौरान पेंशनर्स ने मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 को पेंशनर्स हित में विलोपित करने तथा महंगाई राहत का भुगतान केंद्र के अनुरूप किए जाने की मांग की। इस

अवसर पर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन माँ नर्मदा के जल में अर्पित किया गया। इस आंदोलन में मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के पेंशनर्स सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स शामिल रहे। कार्यक्रम में शेषमणि पाण्डेय, गौरीशंकर पाण्डेय, मोहन अग्रवाल, विजय चौकसे, सी.एल. दोहरे, ए.के. शुक्ला, आर.के. श्रीवास्तव, एस.के. श्रीवास्तव, आर.एस. सक्सेना, के.सी. अवस्थी, श्रवण कुमार श्रोती, बी.एस.पी. गौर, उमेश हंस, लल्लू पटेल सहित सैकड़ों पेंशनर्स उपस्थित रहे।

महिला यात्रियों की सुरक्षा व जागरूकता के लिए जीआरपी का संवाद कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। रेलवे स्टेशन परिसर में महिला यात्रियों की सुरक्षा, जागरूकता एवं विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से जीआरपी थाना जबलपुर द्वारा विशेष जनसंपर्क एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जीआरपी की महिला पुलिसकर्मियों ने महिला यात्रियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव एवं सुरक्षा संबंधी चिंताओं को सुना। इस दौरान यात्रियों को रेल यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, महिला हेल्पलाइन, आपातकालीन सहायता सेवाओं तथा रेलवे पुलिस द्वारा उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। महिला यात्रियों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि, छेड़छाड़ या अपराध की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उन्हें एमपी जीआरपी हेल्प ऐप, हेल्पलाइन नंबर 139 सहित अन्य आपातकालीन

सेवाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

विश्व रक्तदान दिवस आज

रमेश नायडू 10 हजार से ज्यादा लोगों से करा चुके रक्तदान

जबलपुर। इंजीनियरिंग का पेशा छोड़ समाज सेवा में अपना योगदान दे रहे इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के आजीवन सदस्य रमेश नायडू पिछले 15 वर्षों में खुद साल में दो बार रक्तदान कर रहे हैं और शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को लगातार रक्तदान के लिए जागरूक करते आ रहे हैं। श्री नायडू अपने एकल प्रयासों से कॉलेज, सरकारी एवं अनेक सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर अभी तक 500 से ज्यादा रक्तदान शिविरों का आयोजन कर 10 हजार से ज्यादा लोगों का रक्तदान करा चुके हैं। श्री नायडू ने

बताया उनका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण नौजवानों को प्रेरित करना है, जहां जागरूकता की कमी के कारण अभी भी रक्तदान के प्रति भय है।

शिक्षकों को शत-प्रतिशत मैपिंग व व्यवस्थाओं पर सख्त निर्देश

सांदीपनि विद्यालय में हुई शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

सिहोरा। पं. विष्णु दत्त सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी सत्र की तैयारियों, विभागीय कार्यों और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में जिला शिक्षा केंद्र जबलपुर के डीपीसी योगेश शर्मा ने शिक्षकों को कड़ी फटकार लगाते हुए शत-प्रतिशत मैपिंग, छात्र नामांकन और विद्यालयों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कक्षा-1 में शून्य नामांकन की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। इस उच्च स्तरीय बैठक में एपीसी राजेश तिवारी, बीईओ अरविंद धुर्वे, बीआरसी बृजेश श्रीवास्तव, जिला प्रोग्रामर पारुल राय, सीएम राइज प्राचार्य अशोक उपाध्याय सहित शिक्षा विभाग के कई अधिकारी और तकनीकी अमला उपस्थित रहा। बैठक में सभी विद्यालयों में 100 प्रतिशत छात्र मैपिंग, चाइल्ड ट्रैकिंग और पोर्टल पर प्रोग्रेशन कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी छात्रों की 'अपार आईडी' शीघ्र बनाने पर जोर दिया गया। बीईओ ने निर्देश दिए कि सभी शिक्षक और कर्मचारी प्रतिदिन ई-अटेंडेंस अनिवार्य रूप से दर्ज करें, और भविष्य में वेतन भुगतान भी इसी प्रणाली के आधार पर किया जाएगा। बैठक में 'हमारे शिक्षक ऐप', चाइल्ड ट्रैकिंग ऐप, सोशल ऑडिट मॉनिटरिंग, स्व-सहायता समूहों का नवीनीकरण एवं एफआईएमए पोर्टल के संचालन की जानकारी भी साझा की गई।

पेंशन डाक अदालत 24 जुलाई को

जबलपुर। जबलपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, छतरपुर, रीवा, मंडला, शहडोल, सागर, सतना डाक संभागों के डाकघरों से पेंशन प्राप्त कर रहे सम्मानीय डाक पेंशन धारकों को सूचित किया जाता है कि पेंशन से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु कार्यालय पोस्ट मास्टर जनरल, जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर में दिनांक 24.07.2026 दिन शुक्रवार को पूर्वान्ह 11 बजे पेंशन डाक अदालत का आयोजन किया जाना है। अतः जबलपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, छतरपुर, रीवा, मंडला, शहडोल, सागर, सतना के डाक संभागों के डाकघरों से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशन धारकों से अनुरोध है कि पेंशन से संबंधित आ रही समस्याओं के संबंध में दिनांक 15.07.2026 दिन बुधवार तक आवेदन वरिष्ठ लेखाधिकारी कार्यालय पोस्ट मास्टर जनरल, जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर को प्रेषित, प्रस्तुत कर सकते हैं। दिनांक 15.07.2026 के पश्चात प्राप्त ओवदनों को डाक पेंशन अदालत में सम्मिलित किया जाना संभव नहीं हो सकेगा।

अवैध प्लाटिंग का काला कारोबार हुआ तेज

नामांतरण व साइबर तहसील व्यवस्था पर उठे सवाल

सिहोरा। क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और भूखंडों की खरीद-फरोख्त से जुड़े कथित काले कारोबार के बढ़ते मामलों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि भू-माफिया और दलाल मिलकर भोले-भाले क्रेताओं को आकर्षक योजनाएं दिखाकर प्लाट बेच रहे हैं, जबकि बाद में उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खेतों में मुरुम डालकर की गई कच्ची प्लाटिंग को विकसित कॉलोनी बताकर लोगों को भूखंड खरीदने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके बाद नामांतरण, डायवर्सन, नगरपालिका अनुमति और अन्य प्रक्रियाओं में देरी के कारण क्रेता वर्षों तक परेशान होते हैं। नागरिकों का कहना है कि साइबर तहसील व्यवस्था और ऑनलाइन नामांतरण प्रणाली लागू होने के बावजूद जमीनी स्तर पर काम समय पर नहीं हो रहा है। कई मामलों में भूमि खरीद के बाद भी राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज नहीं हो पा रहा, जिससे लोगों को बैंक लोन, सरकारी कार्यों और दस्तावेजी प्रक्रियाओं में कठिनाई हो रही है।

साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति का वार्षिकोत्सव आज

सिहोरा। साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति का वार्षिकोत्सव आज दोपहर 3.30 बजे से होटल यशराज में संतश्री सियाबल्लभदास वेदान्ती कटाव धाम के मुख्य आतिथ्य, अश्वनी कुमार पाठक वरिष्ठ साहित्यकार की अध्यक्षता, संतोष बरकड़े विधायक सिहोरा, नित्य-निरंजन खम्परिया पूर्व विधायक के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया है। इसमें पंचशील, जूही, वीणा, समता, एंग्लो क्लब, एमसन, नवनीत युवा समिति सिहोरा, समवेत स्वर संस्था के साथ पत्रकार, विशिष्ट जन सम्मान के अलावा डा.अरुणा पाण्डे की देखी-सुनी-कही, आशा अवस्थी कठपुतली चल पड़े हैं ये कदम आदि का पुस्तक विमोचन भी किया जायेगा। साथ ही कवि गोष्ठी का भी आयोजन होगा।

CHANGE OF NAME

I, Jyoti Kumari Singh, daughter of Baidyanath Prasad Singh, resident of B/63, Mandla Road, Little Bar, Tilhari, Bilhari, Jabalpur (M.P.), holder of Aadhaar No. 7299 1731 0078, have changed my name to Jyoti Singh Kourav after my marriage with Shakti Singh Kourav on 16/04/2018. My name has been duly corrected in my Aadhaar Card and other relevant documents. Henceforth, I shall be known and identified as Jyoti Singh Kourav for all purposes. vide affidavit dated 13/06/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP)

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. 15695706F RANK HAV NAME B RENO ASTLINE S/O C BONI PASS OF UINT 2TTR, (1STC), JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 5515 3766 6461 I, have changed name of my SON from ALIN RIO (Name as per my Army Service Records) to R ALIN RIO (Name as per my SON, AADHAR CARD NO. 9711 8770 6251 AND MY SON, BIRTH CERTIFICATE) vide affidavit dated 13/06/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP)

CORRECT NAME
R ALIN RIO
INCORRECT NAME
ALIN RIO

नाम एंव जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

I, SUSHILAMMA is legally MOTHER of ARMY NO-15709332K, Rank- NK, Name- MANJUNATHA K presently residing at Vill - GOWRAPURA - POST- SUNNADHA HALLI, Teh - BHADRAVATHI , Distt - SHIVAMOGGA, State - KARNATAKA, PIN - 577245 शपथपूर्वक नि.लि. कथन करती हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम एंव जन्मतिथि SUSHEELAMMA /01/07/1957 दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम एंव जन्मतिथि SUSHILAMMA / 01/01/1968 दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए । द्वारा शपथ पत्र नं. 38AA580056 दिनांक 13-06-26 नोटरी जबलपुर म. प्र. ।

गलत नाम एंव जन्मतिथि
SUSHEELAMMA /01/07/1957
सही नाम एंव जन्मतिथि
SUSHILAMMA /01/01/1968

बैग गुमा

मेरा काले रंग का बैग एम. एल.बी. स्कूल से गेट नं.4 के बीच मदनमहल में जिसमें बी.ए सागर यूनिवर्सिटी की डिग्री एवं अन्य शैक्षणिक कागज़ात, दिनांक-11.06.2026 को गुम गये है। जिस किसी सज्जन को मिले वह निम्न पते पर पहुँचने का कष्ट करें उचित इनाम दिया जायेगा।

चंद्रकुमार सिंघई
1937, राइटटाउन, प्रेम मंदिर के सामने, मदनमहल, जबलपुर, मो.9425152809

आम सूचना

दिनांक- 12/06/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारगण मुकेश कुमार जैन अधिवक्ता एवं श्रेयश जैन पिता मुकेश कुमार जैन, निवासी फ्लेट नं.-709, मुश्कान प्लाजा जबलपुर व्दारा विक्रेता वीरेन्द्र कुमार जायसवाल पिता स्व. विजय कुमार जायसवाल निवासी म.नं. - 37/1 हाउसिंग सोसायटी रामपुर जबलपुर वालो से उनके स्वत्व का प्लाट जो कि मौजा सिलुआ प.ह.नं.-00152 तहसील व जिला जबलपुर जिसका खसरा नं.-पुराना 207 नया 386/1/1/1/1/1 रकबा 0.7470 हे. भूमि अंश भाग खसरा नं.-323/840 में से कुल प्लाट एरिया 2500 वर्गफुट जिसका विक्रय अनुबंध कर कुल विक्रय मूल्य का भुगतान कर कब्जा प्राप्त किया गया है जिसका बैनामा किया जाना शेष है । विक्रेता व्दारा बैनामा किये जाने में हीला हवाला किया जा रहा है और विक्रेता वीरेन्द्र कुमार जायसवाल व्दारा उक्त प्लाट को पुनः विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था उक्त प्लाट को क्रय न करें अन्यथा होने वाले हर्जे खर्चे व परिणाम के लिए वह स्वतः जबाबदार होगा ।

जबलपुर
दिनांक- 12/06/2026
भवदीय
अजीत शर्मा एडवोकेट
म.प्र.उच्च न्यायालय, जबलपुर (म.प्र.)
ऑफिस/निवास- 470, जार्ज, डिसिल्वा वार्ड गोरखपुर, जबलपुर (म.प्र.) मो.नं.-9329591744

निधन

श्री रमाशंकर उपाध्याय- इंदिरा गांधी वार्ड गढ़ा प्यासी भवन के पास निवासी श्री रमाशंकर उपाध्याय का निधन हो गया। वे नरेश एवं नितिन के पिताजी थे।

श्री कृष्ण कुमार जैन- न्यू कटनी निवासी रेलवे से सेवानिवृत्त श्री कृष्ण कुमार जैन (70) का निधन हो गया। वे ओएफके ईईएस उमा शाला में शिक्षक राजेश जैन तथा विनय जैन के अग्रज एवं शोभा और सपना जैन के पिता थे। मुखाग्नि उनके दामाद चंदन ने दी। अंतिम संस्कार न्यू कटनी स्थित मोक्षधाम में किया गया।

श्री ओम प्रकाश पटेल- बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ गौरीघाट रोड स्थित पटेल मोहल्ला निवासी श्री ओम प्रकाश पटेल (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू कोरी- न्यू कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री राजू कोरी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शीला प्रजापति- रामपुर बागवान नगर कॉलोनी निवासी श्री श्याम लाल प्रजापति की धर्मपत्नी श्रीमती शीला प्रजापति (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अहिल्या बाई गजभिये- बेलबाग घमापुर चौक के पास निवासी श्री अम्बादास गजभिये की धर्मपत्नी श्रीमती अहिल्या बाई गजभिये (96) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री दुलाल चंद्र मित्रा- पूर्वी निवाड़गंज गेट 4 के पास निवासी श्री दुलाल चंद्र मित्रा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मोती लाल चौधरी- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री मोती लाल चौधरी (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती छोटी बाई कोरी- त्रिमूर्ति नगर गायत्री मंदिर के पास निवासी श्री अनंत कुमार कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती छोटी बाई कोरी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ताल सिंह- बंगला नं. 25 सदर कैंट निवासी श्री ताल सिंह (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री गणेश करोसिया- इंद्रा नगर बिलपुरा निवासी श्री गणेश करोसिया (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नीरज किशोर वर्मा- मानेगांव वेस्टलैंड रांझी निवासी श्री नीरज किशोर वर्मा (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कमला बाई मछंदर- रामपुर बेन मोहल्ला निवासी श्री श्याम मछंदर की धर्मपत्नी श्रीमती कमला बाई मछंदर (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रभात श्रीवास्तव- कंचनपुर अधारताल निवासी श्री प्रभात श्रीवास्तव का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री राम मूर्ति पिल्ले- राजीव नगर कटंगा निवासी श्री राम मूर्ति पिल्ले (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

एक नए और बेहद शक्तिशाली युग का होगा आगाज

नई तकनीकों और भविष्य के युद्ध क्षेत्र को जोड़ने में माहिर... कश्मीर से रेगिस्तान तक दिखाया पराक्रम

केंद्र सरकार ने वर्तमान उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारत का अगला सेना प्रमुख नियुक्त किया है। वह 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का स्थान लेंगे। लगभग 40 वर्षों के अपने लंबे करियर में आर्म्ड कॉर्प्स, सुदर्शन चक्र स्ट्राइक कॉर्प्स और दो-दो ऑपरेशनल कमानों का नेतृत्व करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सेठ को सेना के आधुनिकीकरण और रणनीतिक योजना का बड़ा विशेषज्ञ माना जाता है।

- सैन्य आधुनिकीकरण में अहम योगदान
- आर्मी हेडक्वार्टर में महत्वपूर्ण पदों पर तैनात रहे
- गौरवशाली करियर में हर मोर्चे पर अपनी योग्यता साबित की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की सैन्य कमान में महत्वपूर्ण फेरबदल हुआ है। केंद्र सरकार ने वर्तमान उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारत का अगला सेना प्रमुख सीओएएस नियुक्त किया है। वह आगामी 30 जून 2026 की दोपहर को देश के सर्वोच्च सैन्य पद की कमान संभालेंगे। इसी दिन वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी अपनी शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस रणनीतिक नियुक्ति के साथ ही भारतीय सेना में नेतृत्व परिवर्तन और तकनीकी आधुनिकीकरण के एक नए और बेहद शक्तिशाली युग का आगाज होने जा रहा है।

चार दशकों का बेदाग सैन्य सफर और गौरवशाली इतिहास

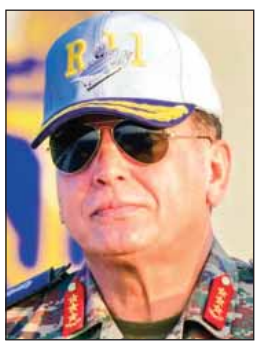

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ का सैन्य करियर बेहद शानदार और उपलब्धियों से भरा रहा है। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एनडीए, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। देश सेवा के प्रति उनके समर्पण की शुरुआत दिसंबर 1986 में हुई, जब उन्हें सेना की प्रतिष्ठित आर्म्ड कॉर्प्स यानी बख्तरबंद रेजिमेंट में कमीशन मिला था। अपने लगभग चार दशकों के लंबे और गौरवशाली करियर में उन्होंने हर मोर्चे पर अपनी योग्यता साबित की है। उनके पास सैन्य संचालन, रणनीतिक योजना, क्षमता विकास और संस्थागत डोमेन का व्यापक और अनुभव है। उन्होंने भारतीय सेना की मारक क्षमता और युद्ध प्रभावशीलता को बढ़ाने में हमेशा केंद्रीय भूमिका निभाई है।

दो ऑपरेशनल कमान संभालने का दुर्लभ और ऐतिहासिक रिकॉर्ड

आर्मी कमांडर के पद पर पदोन्नत होने के बाद लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ के नाम एक बेहद खास और दुर्लभ सैन्य रिकॉर्ड दर्ज हुआ। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय सेना की दो सबसे महत्वपूर्ण कमानों, दक्षिण पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान का नेतृत्व किया। ढाई साल से अधिक समय तक दो अलग-अलग ऑपरेशनल आर्मी कमानों का रणनीतिक नेतृत्व करना सैन्य इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि माना जाता है। इस दौरान उन्होंने विशाल और विविधता भरे थिएटरों में सुरक्षा व्यवस्था और सामरिक योजना की सीधी निगरानी की।

एक नजर

आतंकवाद विरोधी बल के कमांडर रहे

- *जनरल ऑफिसर ने अपने करियर में हर स्तर पर सेना की टुकड़ियों का कुशल नेतृत्व किया है। उनकी कमान नियुक्तियां बेहद चुनौतीपूर्ण और विविध भौगोलिक क्षेत्रों से जुड़ी रही हैं।*
- *रेगिस्तानी क्षेत्रः उन्होंने देश की पश्चिमी सीमा पर रेगिस्तानी इलाके में एक आर्म्ड रेजिमेंट की कमान संभाली और बख्तरबंद युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया।*
- *पश्चिमी थिएटरः इसके बाद उन्होंने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पश्चिमी थिएटर में एक पूरी आर्म्ड ब्रिगेड का नेतृत्व किया।*
- *जम्मू-कश्मीरः सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील जम्मू-कश्मीर के इलाके में वह 'काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स' यानी आतंकवाद विरोधी बल के कमांडर रहे और वहां शांति व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।*
- *सुदर्शन चक्र कॉर्प्सः लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत होने के बाद उन्होंने 'सुदर्शन चक्र कॉर्प्स' का नेतृत्व किया। यह भारतीय सेना की सबसे प्रमुख और आक्रामक स्ट्राइक फॉर्मेशन में से एक है, जो दुश्मन के घर में घुसकर हमला करने के लिए जानी जाती है।*
- *दिल्ली एरियाः इसके बाद उन्होंने जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), दिल्ली एरिया के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने देश के प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सैन्य आयोजनों तथा गरिमामयी जिम्मेदारियों को बखूबी संभाला।*

खबर संक्षेप

भारतीय मूल के शख्स को मिली लंदन में सजा

लंदन। ब्रिटेन की अदालत ने भारतीय मूल के गगनदीप सिंह को महिला के अपहरण, टॉर्चर और रेप

मामले में 34 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट में बताया गया कि आरोपी ने 24 वर्षीय महिला को लंदन के एक घर में बंधक बनाकर घंटों तक प्रताड़ित किया। पीड़िता को पीटा गया, जलाया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। महिला शुरुआत में पुलिस के पास जाने से डर रही थी, लेकिन उसकी मां ने सबूत संभालकर रखे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच के बाद गगनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया।

खैबर पख्तूनख्वा में 72 घंटे में 21 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने आतंकवाद के

खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए पिछले 72 घंटों में 21 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। मीडिया को मिली जानकारी के शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई खुफिया सूचनाओं के आधार पर उत्तरी वजीरिस्तान जिले में की गई। मारे गए आतंकवादियों में चार प्रमुख कमांडर भी शामिल हैं, जो सुरक्षा बलों पर हमलों और आम नागरिकों की हत्याओं समेत कई गंभीर वारदातों में वांछित थे।

खामेनेई के अंतिम संस्कार का ऐलान

तेहरान। करीब चार महीने से पहले अमेरिका-इजराइल के हमलों में जान गंवा चुके ईरान के सर्वोच्च

नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम की घोषणा की गई है। जानकारी मिली है कि ये कार्यक्रम 6 दिन तक चलेगा। यह कार्यक्रम 4 जुलाई से शुरू होकर 9 जुलाई को मशहद शहर में उनके दफन के साथ खत्म होगा। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार 4 से 9 जुलाई के बीच विदाई समारोह, अंतिम संस्कार और दफन से जुड़े सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

दीक्षांत परेड के आयोजन में बोले रक्षामंत्री

एनडीए की पहली महिला बैच समेत 231 कैडेट भारतीय वायु सेना में शामिल हुए

मानवता की सेवा में भी अग्रणी रही है वायु सेना

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

हैदराबाद के डुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी एएफए में 217वें कोर्स की संयुक्त दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया, जहां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एनडीए में प्रवेश लेने वाली महिलाओं के पहले बैच सहित कुल 231 फ्लाइट कैडेटों (194 पुरुष और 37 महिलाएं) को भारतीय वायु सेना में अधिकारी के रूप में कमीशन प्रदान किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने परेड की समीक्षा की और स्नातक कैडेटों को 'राष्ट्रपति कमीशन' प्रदान किया, जो फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के पूर्व-कमीशनिंग प्रशिक्षण की सफलता का प्रतीक है।

राष्ट्र सेवा की नई यात्रा की शुरुआत

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

भविष्य की तकनीक और रणनीतियों को अपनाने पर जोर

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य के युद्ध केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं लड़े जाएंगे, बल्कि तकनीक, नवाचार और रणनीतिक कौशल निर्णायक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने अधिकारियों से भविष्य की युद्ध प्रणालियों और तकनीकों को समझने, अपनाने और आवश्यकता पड़ने पर उनमें बदलाव करने की क्षमता विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छोटी शक्तियां भी आधुनिक तकनीक और घातक हथियारों के जरिए बड़ी सैन्य ताकतों को चुनौती देने में सक्षम हो रही हैं।

महिला अधिकारियों की बढ़ती भागीदारी पर जताई खुशी

रक्षा मंत्री ने महिला अधिकारियों को विशेष बधाई देते हुए कहा कि नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी भारतीय वायु सेना को और अधिक मजबूत तथा संतुलित बनाएगी। उन्होंने इसे सशक्त और समावेशी सशस्त्र बलों की पहचान बताया। साथ ही वियतनामी कैडेटों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका प्रशिक्षण भारत और वियतनाम के बीच मित्रता को और मजबूत करेगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को मिला सम्मान

प्रशिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को रक्षा मंत्री ने सम्मानित किया। पायलट कोर्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले फ्लाइंग ऑफिसर आशीष कुमार यादव को 'राष्ट्रपति पट्टिका' और 'नवानगर सम्मान तलवार' प्रदान की गई। नौवहन क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली फ्लाइंग ऑफिसर एकता गुप्ता तथा ग्राउंड ड्यूटी शाखा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली फ्लाइंग ऑफिसर दिव्यांशी सिंह को 'राष्ट्रपति पट्टिका' से सम्मानित किया गया।

नौसेना, तटरक्षक बल और वियतनामी अधिकारियों को सम्मानित किया गया

इस अवसर पर भारतीय नौसेना के नौ अधिकारियों, भारतीय तटरक्षक बल के तीन अधिकारियों तथा वियतनाम के दो अधिकारियों को 'विंग्स' प्रदान किए गए। वहीं, नौवहन प्रशिक्षण पूरा करने वाले तीन अधिकारियों को 'ब्रेवेट' से सम्मानित किया गया।

भारतीय वायु सेना राष्ट्र की ढाल और तलवार दोनों

स्नातक कैडेटों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि वे ऐसी सेवा का हिस्सा बनने जा रहे हैं जिसने हमेशा राष्ट्र के लिए ढाल और तलवार दोनों की भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 1947-48 के कश्मीर युद्ध में श्रीनगर एयरलिफ्ट और 1971 के युद्ध में निर्णायक हवाई अभियानों ने इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना ने अदम्य साहस और सटीकता का परिचय देते हुए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

देहरादून में राष्ट्रपति ने पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया

एनडीए के पहले महिला बैच की कैडेट्स अधिकारी के रूप में पासआउट हुईं

सुखोई 30 एमकेआई, सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह लिया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी ▶▶ देहरादून

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया। यह अवसर भारतीय सेना और देश की महिलाओं के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एनडीए के पहले महिला बैच की कैडेट्स अधिकारी के रूप में पासआउट हुई हैं।

भव्य फ्लाइपास्ट और एरोबेटिक प्रदर्शन रहे आकर्षण का केंद्र

परेड के दौरान वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के नेतृत्व में फ्लाईपास्ट का आयोजन किया गया। इसमें पिलाटस पीसी-7 एमके II, हॉक, किरण और चेतक जैसे प्रशिक्षण विमानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आकाश गंगा टीम, महिला वायु योद्धा ड्रिल टीम शक्ति, सु-30 एमकेआई, सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह लिया।

एनडीए की पहली महिला बैच ने रचा इतिहास

आईएमए की पासिंग आउट परेड में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 महिला कैडेट भारतीय थलसेना में अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। यह उपलब्धि भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद खुला था रास्ता

इससे पहले एनडीए में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति नहीं थी। जून 2022 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद महिलाओं के लिए एनडीए के द्वार खुले थे। इस निर्णय ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका को नई दिशा प्रदान की और आज उसका ऐतिहासिक परिणाम देखने को मिला।

आईएमए से 515 कैडेट हुए पासआउट

इस वर्ष आईएमए से कुल 515 कैडेट पासआउट हुए, जिनमें 16 देशों के 34 विदेशी कैडेट भी शामिल हैं। पासआउट होने वाले कैडेट्स में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 कैडेट भी शामिल रहीं, जिन्होंने कठिन प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में कदम रखा।

वायुसेना में भी शामिल हुईं पहली महिला एनडीए कैडेट्स

भारतीय वायुसेना अकादमी में आयोजित कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड के दौरान भारतीय वायुसेना के 217वें कोर्स के तहत 231 फ्लाइट कैडेट्स ने प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण पूरा किया। इनमें 194 पुरुष और 37 महिला कैडेट शामिल थीं। इन 37 महिला कैडेट्स में से 5 एनडीए की पहली महिला बैच की थीं, जिन्हें भारतीय वायुसेना में कमीशन प्राप्त हुआ।

सुखोई, सारंग और सूर्यकिरण टीम ने किया रोमांचक प्रदर्शन

कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड का समापन भव्य एयर शो के साथ हुआ। भारतीय वायुसेना के सुखोई लड़ाकू विमान, सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे।

भूस्खलन से यात्री हुए परेशान

पुंछ में भारी बारिश के बाद भूस्खलन एनएच-144 पर फंसे 200 से ज्यादा वाहन

एजेंसी ▶▶ पुंछ

जिले में पिछले कुछ घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश के चलते पुंछ को जोड़ने वाले एनएच-144 लसाना के पास पर अचानक भारी भूस्खलन हो गया, जिससे मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया। सड़क बंद होने के कारण हाईवे के दोनों ओर 200 से अधिक छोटे-बड़े वाहन फंस गए। अचानक आए इस भूस्खलन से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और

कई लोग घंटों तक सड़क पर ही फंसे रहे। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और सीमा सड़क संगठन की टीमें तुरंत सक्रिय हो गईं। भारी बारिश के बीच भी जवानों ने बिना देरी किए सड़क से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। प्रशासन ने इस पूरे ऑपरेशन को युद्धस्तर पर अंजाम दिया।

नेटवर्क ने 9 हजार से अधिक नकली वेबसाइट्स बनाई थीं

एआई से बनाईं हजारों फर्जी वेबसाइट्स चीनी गिरोह के खिलाफ कोर्ट पहुंचा गूगल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गूगल इस समय अपने ही सबसे एडवांस एआई टूल जेमिनी के गलत इस्तेमाल से परेशान है। इसी सिलसिले में गूगल ने न्यूयॉर्क की एक अदालत में एक कथित चीनी साइबरक्राइम नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ा मुकदमा दायर किया है। मुकदमे के मुताबिक, इस चीनी गिरोह का नाम आउटसाइडर इंटरप्राइज है, जो चीन से चलाया जा रहा था और आपस में बातचीत व तालमेल के लिए टेलीग्राम का इस्तेमाल करता था। इसने जेमिनी का इस्तेमाल कर 131 फिशिंग

किट्स तैयार किए, जिनकी मदद से बेहद कम समय में फर्जी वेबसाइट्स बनाई जा सकती थीं। मुकदमे में दावा किया जा रहा है कि इस नेटवर्क ने 9,000 से अधिक नकली वेबसाइट्स बनाई थीं। जो गूगल, यूट्यूब, यूएस पोस्टल सर्विस और न्यूयॉर्क के ई-जेडपास जैसी सेवाओं और संस्थानों की हूबहू नकल करती थीं।

एंटी शिप मिसाइल का सफल परीक्षण

अब आसमान से आने वाले खतरे और समुद्र में छिपे दुश्मन, दोनों के लिए तैयार है भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बदलते वैश्विक सुरक्षा माहौल और लगातार उभरते मिसाइल खतरों के बीच भारत ने अपनी रक्षा क्षमता को नई ऊंचाई पर पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रणाली और नई नौसैनिक एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण कर देश की रणनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया है। इन सफल परीक्षणों ने न केवल भारत की सुरक्षा तैयारियों को मजबूत

किया है, बल्कि स्वदेशी रक्षा तकनीक के क्षेत्र में भी बड़ी उपलब्धि दर्ज कराई है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार 10 और 11 जून को लगातार तीन उड़ान परीक्षण किए गए। इन परीक्षणों में बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रणाली का सफल प्रदर्शन किया गया।

भारत दुनिया के चुनिंदा देशों की कतार में शामिल

इन सफल परीक्षणों के बाद भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिनके पास बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता मौजूद है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि यह प्रणाली इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल श्रेणी तक के खतरों से निपटने की क्षमता रखती है। इसका मतलब यह है कि लंबी दूरी से दागी जाने वाली मिसाइलों को भी भारतीय सुरक्षा तंत्र हवा में ही रोक सकता है। यह उपलब्धि भारत की प्रतिरोधक क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे को नई मजबूती देती है।

शांति समझौते को लेकर शाहबाज शरीफ का बड़ा दावा

ईरान-अमेरिका के बीच 24 घंटे में इलेक्ट्रॉनिक साइन होने की संभावना, टेक्निकल लेवल पर होगी बातचीत

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि हम शांति

समझौते के पहले से ज्यादा करीब हैं। शरीफ ने कहा कि अगले 24 घंटे में इसके फाइनल होने की उम्मीद है, जिसके तुरंत बाद पाकिस्तान शांति समझौते पर इलेक्ट्रॉनिक तरीके से हस्ताक्षर की तैयारी कर रहा है और उसके बाद अगले हफ्ते टेक्निकल लेवल पर बातचीत होगी।

शांति समझौता स्थायी शांति के लिए एक मजबूत आधार

उन्होंने कहा कि हम बातचीत के दौरान लगातार सहयोग के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का धन्यवाद करना चाहते हैं और इस क्षेत्र में अपने भाइयों के समर्थन के लिए हम उनका दिल से आभार व्यक्त करते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि यह ऐतिहासिक शांति समझौता स्थायी शांति के लिए एक मजबूत आधार बनेगा।

ईरान आखिरी जीत तक अपनी बात पर अडिग- गालिबाफ

ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी गालिबाफ में शनिवार को कहा कि ईरान अंतिम जीत तक अपनी बात पर अडिग रहेगा। गालिबाफ ने 12 दिन तक चले युद्ध की पहली बरसी पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, हमारे हमेशा के घर, ईरान पर इजराइली और अमेरिकी सरकारों के आपराधिक हमलों के पहले दौर की शुरूआत को एक साल बीत चुका है।

भारत को मिलेगी जल्द आतंरिक्ष में बड़ी उपलब्धि

भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1' उड़ान के लिए तैयार, श्रीहरिकोटा से रचा जाएगा इतिहास

- भारत में कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस पहला प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-I' अंतरिक्ष में उड़ान के लिए तैयार है। यह आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया जाएगा
- रॉकेट विक्रम में कंप्यूटर से चलने वाले रोबोटिक पुर्जे लगे हैं
- सही रास्ता पकड़ने की तकनीक विकसित की गई है

एजेंसी ▶▶ श्रीहरिकोटा

भारत के लिए जल्द ही अंतरिक्ष में एक बड़ी उपलब्धि मिलने वाली है। हैदराबाद की स्टार्टअप कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस का प्राइवेट रॉकेट विक्रम-1 अंतरिक्ष में उड़ान के लिए तैयार है। जिसकी तस्वीर भी जारी हो गई है। श्रीहरिकोटा में विक्रम-1 रॉकेट के स्टेज-2 इंटीग्रेशन का काम पूरा हो चुका है। यानि यह रॉकेट उड़ान भरने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। यानि भारत अब अंतरिक्ष में इतिहास रचने की उल्टी गिनती शुरू कर चुका है।

विक्रम-1 की तस्वीर जारी

स्काईरूट एयरोस्पेस की तरफ से विक्रम-1 रॉकेट की तस्वीर भी जारी की गई है। जो उड़ान के लिए अब तैयार नजर आ रहा है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन स्पेस सेंटर में यह तैयार किया गया है। यह रॉकेट चार चरणों वाला है। जिसमें दूसरे चरण का काम पूरा हो चुका है। इस चरण को कलाम-250 के नाम दिया गया है।

भारत के लिए होगी बड़ी उपलब्धि

विक्रम-1 जब अंतरिक्ष में उड़ान भरेगा तो यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि हगी. क्योंकि यह रॉकेट 24 मीटर ऊंचा है। जो अपने साथ 350 किलोग्राम तक के छोटे सैटेलाइट्स को पृथ्वी की निचली कक्षा ले जा सकता है। यह रॉकेट जब लॉन्च होगा तो भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा जिनके पास अपना प्राइवेट रॉकेट होगा।

विक्रम-1 रॉकेट की खासियत

विक्रम-1 रॉकेट की खासियत इसे भारत में ही तैयार किया गया है। यह है मजबूत और हल्का है। इसकी बॉडी स्टील से भी मजबूत बनाई गई है। जिसमें कार्बन कम्पोजिट मटीरियल का इस्तेमाल किया गया है। जब रॉकेट में अंदर से ठोस ईंधन जलता है तो इसमें भारी गर्मी होती है। रॉकेट को इस गर्मी से बचाने के लिए रबर की एक खास सुरक्षा कवच दी गई है। इसमें सही रास्ता पकड़ने की तकनीक विकसित की गई है। ताकि यह हवा के थपेड़ों और ग्रेविटी के बीच में भटकेका नहीं। इसमें कंप्यूटर से चलने वाले रोबोटिक पुर्जे लगे हैं, जो उड़ान भरने के दौरान इसके नोजल को सही दिशा में घुमाते रहेंगे। रॉकेट का जो हिस्सा बेकार हो जाता है वह पलक झपकते ही इसे खुद से अलग कर लेगा।

भारत ने पहली बार अपने 12 परमाणु हथियारों को सक्रिय स्थिति में रखा है। अब देश के शस्त्रागार को केवल 'भंडारित' के बजाय 'परिचालन रूप से तैनात' माना गया है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम चीन और पाकिस्तान की ओर से बढ़ते खतरों के बीच भारत की द्वितीय-प्रहार क्षमता को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। अब हमारे पास 190 परमाणु बम हैं। हालांकि, 2003 में उद्घोषित की गई अपनी परमाणु सैन्य सुरक्षा रणनीति के तहत भारत अपनी तरफ से प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा। आज उच्च तकनीकी विकास, 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने स्थिति को पूरी तरह पलट दिया है। हथियारों व सैन्य उपकरणों के लिए बाहरी राष्ट्रों पर निर्भर रहने वाला भारत आज हथियार बाजार का एक बड़ा खिलाड़ी बन गया है। देश पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का स्वयं निर्माण करने जा रहा है। बेशक, रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, लेकिन अभी भी देश को एक लंबा सफर तय करना है। आंकड़े बताते हैं कि सफर लंबा जरूर है, लेकिन मुश्किल नहीं है। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

आक्रामक हुई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति !

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

क्या भारत अब रक्षात्मक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के स्थान पर आक्रामक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अनुसरण करेगा? यह यक्ष प्रश्न तब उभरा है, जबकि स्वीडन के स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट संक्षेप में एसआईपीआरआई द्वारा इस ज्वलंत तथ्य को उद्घाटित किया गया कि आधुनिक इतिहास में पहली दफा भारत द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों पर लैस करके 12 न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों को सक्रिय स्थिति में अपने सुरक्षात्मक मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है। अभी तक सभी बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर बम भारत के अलग-अलग गोदामों में सुरक्षित रखे गए थे। न्यूक्लियर बम की सक्रिय स्थिति में तैनाती के निर्णय को भारत की राष्ट्रीय सैन्य सुरक्षा रणनीति में बुनियादी बदलाव करार दिया गया है।

विश्व पटल पर यक्ष प्रश्न उभरा है कि क्या भारत द्वारा अपनी परंपरागत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का परित्याग कर दिया गया है? क्या भारत अब रक्षात्मक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के स्थान पर आक्रामक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अनुसरण करेगा? यह यक्ष प्रश्न तब उभर कर विश्व के सामने उपस्थित हुआ है, जबकि स्वीडन के स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट संक्षेप में एसआईपीआरआई द्वारा इस ज्वलंत तथ्य को उद्घाटित किया गया कि आधुनिक इतिहास में पहली दफा भारत द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों पर लैस करके 12 न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों को सक्रिय स्थिति में अपने सुरक्षात्मक मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है।

गौरतलब है कि एसआईपीआरआई विश्व स्तर पर आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों की खरीद फरोख्त और विश्व पटल पर अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण पर खर्च की जाने वाली अकूत धन दौलत का जायजा लेने के लिए शोध कार्य अंजाम देता है। एसआईपीआरआई के बताए तथ्यों का भारत सरकार द्वारा कदाचित खंडन नहीं किया गया है। अतः अंतरराष्ट्रीय तौर पर इस तथ्य को स्वीकार कर लिया गया है कि अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन और उत्तरी कोरिया की तरह भारत ने भी अपने न्यूक्लियर बमों को बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ सन्नद करके अपने सैन्य सुरक्षा मोर्चो पर बाकायदा तैनात कर दिया है। अभी तक सभी बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर बम भारत के अलग-अलग अस्त्र शस्त्र सैन्य गोदामों में सुरक्षित रखे गए थे। न्यूक्लियर बम को सक्रिय स्थिति में तैनात करने के निर्णय को भारत की राष्ट्रीय सैन्य सुरक्षा रणनीति में बुनियादी बदलाव करार दिया जा रहा है।

सुरक्षात्मक सैन्य रणनीति

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के इस बदलाव से क्या यह समझ लिया जाए कि भारत परंपरागत सुरक्षात्मक सैन्य रणनीति का परित्याग करके, क्या भारत आक्रामक सैन्य सुरक्षा रणनीति की तरफ बढ़ गया है? सन् 2003 में भारत ने अपने परमाणु सैन्य रणनीति का सैद्धांतिक तौर पर खुलासा कर दिया था। भारत सरकार द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में बाकायदा ऐलान किया गया था कि भारत द्वारा न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों का प्रयोग तभी किया जाएगा, जब भारत पर न्यूक्लियर आक्रमण अंजाम दिया जाएगा। भारत अपनी तरफ से प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा। भारत आज 2003 में उद्घोषित की गई, अपनी परमाणु सैन्य सुरक्षा रणनीति पर बाकायदा कायम है। भारत द्वारा परमाणु अस्त्र-शस्त्रों की सैन्य मोर्चे पर तैनाती के निर्णय ने वस्तुतः सारी दुनिया को अचंभित किया है। क्योंकि भारत को विश्व पटल पर शांति का मसीहा और बुद्ध और गांधी का देश स्वीकार किया जाता है।

खास बातें

- वर्तमान बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केवल 93 बिलियन डॉलर रखे गए
- भारत ने सन् 2003 में घोषित की थी अपनी परमाणु सैन्य रणनीति
- प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा देश
- अब पाक के साथ चीन का इलाका भी भारतीय परमाणु बमों की रेंज में आया

अपनी घोषित नीति पर अडिग

अन्याय पूर्ण हिंसक आक्रमण का जवाब न्यायपूर्ण प्रतिहिंसक कार्यवाही द्वारा प्रदान करने का सैद्धांतिक आधार महात्मा बुद्ध द्वारा ही प्रतिपादित किया गया था और महात्मा गांधी द्वारा भी कायरता और हिंसा के मध्य विकल्प चुनने की स्थिति में हिंसा को ही विकल्प चुनने के लिए कहा था। न्यूक्लियर अस्त्र शस्त्रों की सैन्य मोर्चे पर तैनाती के बावजूद न्यूक्लियर बम द्वारा पहले इस्तेमाल करके प्रहार न करने की अपनी घोषित नीति पर भारत सदैव डटा रहेगा। अतः यह कहना एकदम अनुचित होगा कि भारत ने अपनी सुरक्षा सैन्य रणनीति में कोई बुनियादी बदलाव अंजाम दिया है। भारत की परमाणु बमों से लैस पनडुब्बियां क्रमशः आईएनएस अरिहंत, आईएनएस अरिघात और आईएनएस अरिदमन हैं, जो कि हिंद महासागर में तैनात कर दी गई। परमाणु अस्त्र शस्त्रों के जो आंकड़े विश्व पटल पर उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक विश्व के परमाणु बमों से लैस देशों के पास कुल मिलाकर 12187 परमाणु बमों का जखीरा विद्यमान हैं।

हमारे पास 190 परमाणु बम

परमाणु बमों की संख्या में से तकरीबन 4012 सैन्य मोर्चेबंदी पर तैनात किए गए हैं। तकरीबन 2200 परमाणु बमों को हाई रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ सन्नद करके हाई अलर्ट पर रखा गया है, ताकि उनको किसी भी वक्त दागा जा सके। रूस के पास अनुमानित तौर पर 6700 परमाणु बम हैं। अमेरिका के पास अनुमानित तौर से 5500 परमाणु बम हैं। चीन के पास अनुमानित रूप से तकरीबन 685 परमाणु बम हैं। भारत के पास केवल 190 परमाणु बम हैं और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु बम हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च अमेरिका करता है जो कि 954 बिलियन डॉलर है। भारत द्वारा वर्तमान बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केवल 93 बिलियन डॉलर रखे गए हैं। परमाणु संपन्न देश बनने के लिए भारत की ऐतिहासिक यात्रा अत्यंत दुश्वार और कठिनाइयों से परिपूर्ण रही है। विश्व पटल पर सबसे पहला परमाणु बम अमेरिका द्वारा वैज्ञानिक ओपनहाइमर के निर्देशन में निर्मित किया गया था। भारत को परमाणु संपन्न देश बनने की राह में सबसे अधिक रुकावट अमेरिका द्वारा ही उत्पन्न की गई थी। जबकि पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनाने में सबसे अधिक मदद भी अमेरिका द्वारा की गई। चीन द्वारा जब सन् 1964 में कामयाब परमाणु परीक्षण करके परमाणु बम निर्मित कर लिए गए तो फिर भारत ने भी परमाणु संपन्न देश बनने की दिशा में सोचना प्रारंभ किया।

पाकिस्तान को बड़ा पैगाम

भारत द्वारा फिलहाल 12 परमाणु बमों की राष्ट्रीय सुरक्षा मोर्चे पर तैनाती वस्तुतः पाकिस्तान को सबसे बड़ा पैगाम है, क्योंकि पाकिस्तान प्रायः भारत को परमाणु बम आक्रमण की धमकियां दिया कर है। लॉन्ग रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ परमाणु बम को सन्नद करने का भारतीय निर्णय यकीनन विस्तारवादी चीन को भी एक स्पष्ट पैगाम है। अब चीन का हर इलाका भारतीय परमाणु बमों की रेंज में आ गया है। अपनी ऐतिहासिक परंपराओं का निर्वाह करते हुए, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति कदापि आक्रमणकारी नहीं होगी, किंतु अपनी राष्ट्रीय रक्षात्मक रणनीति के तहत परमाणु बम का इस्तेमाल करने में जरा भी संकोच नहीं करेगी।

प्रारंभ हुई 'मेक इन इंडिया' की उपलब्धि

सफलता

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

गुजरात के वडोदरा में भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र ने एक नए इतिहास की रचना की है। भारत में निर्मित सी-295 सैन्य परिवहन विमान सफलतापूर्वक अपनी पहली परीक्षण उड़ान पूरी कर चुका है। यह विमान गुजरात के वडोदरा स्थित फाइनल असेंबली लाइन से उड़ान भरकर 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गया है। टाटा और एयरबस की साझेदारी से बने इस प्रोजेक्ट में 56 विमान बनाए जाएंगे। मेक इन इंडिया की शुरुआत 25 सितंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। इसके अंतर्गत वर्तमान में यह योजना 27 प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, लेकिन विमान के क्षेत्र में यह पहली बार हुआ और सरकार इसको अपना सबसे बड़ा प्रोडक्ट बताने में सार्थक हुई। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि यदि सरकार का यह कदम सार्थक सिद्ध हो गया तो निश्चित तौर पर विश्व पटल पर भारत की उपस्थिति बड़े स्तर पर दर्ज हो जाएगी, लेकिन सवाल यही है कि क्या एक परीक्षण से इसको सफल मान लिया जाए या अभी और प्रतीक्षा करनी चाहिए। हालांकि संबंधित अधिकारियों के अनुसार यह हर तकनीकी पहलू में पास हो चुका है, तभी इसकी सफलतापूर्वक उड़ान हुई है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि इस सफल परीक्षण उड़ान के बाद यह कार्यक्रम अब अपने अगले चरण में पहुंच गया है और उम्मीद है कि इसी साल भारतीय वायुसेना को भारत में बना पहला सी-295 विमान सौंप दिया जाएगा। भारतीय वायुसेना वर्तमान में मुख्य रूप से यूक्रेन, रूस, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, और स्वदेशी रूप से भारत में निर्मित विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करती है, जो सभी एक विशेष विमान हैं और इस शृंखला में सी-295 भी शामिल होने जा रहा है। यह पूरा कार्यक्रम करीब इक्कीस हजार करोड़ रुपये का है, जिसके तहत कुल सी-295 विमान भारत में बनाए जाएंगे। यह विमान भारतीय वायुसेना के पुराने एवीआरओ-748 विमानों की जगह लेंगे, जो 1960 के दशक से सेवा में हैं। यदि यह विमान संपूर्ण रूप से वर्चस्व में आ जाता है तो देश को सालाना कई अरबों का फायदा हो सकता है। चूंकि इस तरह के विमानों को हम विदेशों से ही खरीदते हैं, जिससे कई अरब रुपये बाहर चला जाता है। यदि यही पैसा देश में रहता है तो हमारी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत होगी। यदि भारत में विमानों के पार्ट्स अपने वाहनों के अलावा बनाने के लिए बाहरी देशों में बेचें जाए तो इससे भी भारत को आर्थिक तौर पर मजबूती मिलेगी। जैसा कि बताया जा रहा है कि नया सी-295 विमान अधिक दूरी तक उड़ान भरने की क्षमता, ज्यादा भार वहन करने की क्षमता और आधुनिक तकनीकी एवं ऑपरेशनल सिस्टम से लैस है। इससे यह पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य भारत में ही किया जा रहा है और करीब 37 भारतीय कंपनियां इस सप्लाई चेन का हिस्सा हैं। यदि 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण करने में सार्थक हो चुके और सभी संबंधित कंपनियां भारतीय हैं तो सफलता का स्तर बहुत बड़ा व सक्षम भविष्य के लिए अच्छा संकेत हैं। वैसे तो बीते कई वर्षों से हम बहुत सारी ऐसी चीजों का निर्माण कर रहे हैं जिससे बाहरी आत्मनिर्भरता धीरे-धीरे खत्म हो रही है। यदि इस विमान के क्षेत्रों में हम संपूर्ण सफलता पा लेते हैं तो यह वाकई नए भारत की नई तस्वीर बन जाएगी। वैसे सी-295 फॉर्मेट पहले से कई देशों में इस्तेमाल हो रहा है। यह विमान सैनिकों और सामान की ढुलाई, मेडिकल इवैक्यूएशन, निगरानी और टोही मिशन के साथ-साथ आपदा राहत और मानवीय सहायता जैसे कार्यों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी विश्वसनीयता और उपयोगिता इसे आधुनिक सैन्य जरूरतों के लिए बेहद उपयोगी बनाती है। इस विमान का फॉर्मेट वैसे तो अपने अपने देश में बनाया हुआ कामयाब है, लेकिन अब भारत की बारी है। इस बार इस विमान को विशेष बनाने के लिए इसे खराब मौसम बचाव, दुर्गम क्षेत्रों (जैसे हिमालय और नॉर्थ-ईस्ट) और छोटी या कच्ची हवाई पट्टियों से आसानी से संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह विषम परिस्थिति में क्षतिग्रस्त व प्रभावित न हो। इस विमान को लेकर भारत सरकार व नागरिकों में एक अद्भुत व सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। जहां दशक भर विपक्ष 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को लेकर तंज कसता रहा, वहीं सत्ता पक्ष इस प्रोजेक्ट से मुंहतोड़ जवाब देने की बात कर रहा है। लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि देश की प्रगति करना किसी भी सरकार का धर्म, फर्ज व कर्तव्य माना जाता है। इसमें न तो विपक्ष सरकार को नीचा दिखाने की कोशिश करे और न ही सरकार इसमें अपने आप शाबाशी ले। आज भारत जैसे देश को हर स्थिति में अपनी सुरक्षा मजबूत करने की अनिवार्यता है। बहरहाल सी-295 के सफल परीक्षण के बाद अब बाकी विमानों की भी प्रतीक्षा रहेगी।

नया सी-295 विमान अधिक दूरी तक उड़ान भरने, ज्यादा भार वहन करने की क्षमता और आधुनिक तकनीकी एवं ऑपरेशनल सिस्टम से लैस है। इससे यह पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य भारत में ही किया जा रहा है।

रक्षा निर्माण क्षमता में आएगी आत्मनिर्भरता

क्षमता

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

इस सूचना से निश्चय ही पूरे देश का आत्मविश्वास बढ़ा होगा कि भारत महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का स्वयं निर्माण करने जा रहा है। इसमें भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारी विमान निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की जगह तीन निजी कंपनियों, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, एलएंडटी- बीईएल-डायनामेटिक कंसोर्टियम और भारत फोर्ज-बीईएमएल-डेटा पैटर्न्स कंसोर्टियम को चुना गया है। सरकार की घोषणा के साथ अलग-अलग तरह की टिप्पणियां आ रहीं हैं। 15,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना के तहत चुनी गई प्राइवेट कंपनी आंध्र प्रदेश में एक नई ग्रीनफील्ड सुविधा केंद्र स्थापित करेगी।

इस केंद्र में एएमसीए के पांच प्रोटोटाइप तैयार किए जाएंगे। ये निजी कंपनियां रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) के साथ मिलकर काम करेंगी। पूरी परियोजना आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में 650 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही नई सुविधा में किया जाएगा। सरकार ने चुनी गई कंपनियों को पहला प्रोटोटाइप तैयार करने के लिए 30 महीने की समय सीमा दी है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह देश का पहला स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान होगा। यह रक्षा निर्माण क्षमता में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दृष्टि से अब तक का सबसे बड़ा कदम है। जैसा हम जानते हैं कि भारत को अमेरिका और रूस ने एफ-35 और सुखोई-57 विमान देने का ऑफर दिया था, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने घरेलू स्तर पर इसे तैयार करने की ओर कदम बढ़ाया है तो इसका अर्थ है कि पिछले कुछ वर्षों में रक्षा उत्पादन निर्माण एवं निर्यात के क्षेत्र में प्रगति के कारण हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। अभी तक की योजना के अनुसार पहला प्रोटोटाइप 2028 से 2032 के बीच उड़ान भर सकता है, जबकि बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू होने के बाद विमान 2035 के बाद भारतीय वायुसेना में शामिल हो सकता है।पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी से निर्मित होगा, इसकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। इससे रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी के एक ऐसे दौर की शुरुआत होगी, जो हम अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में देखते हैं। भारतीय वायुसेना अभी मुख्य रूप से चौथी और 4.5 पीढ़ी के विमानों पर निर्भर है। दूसरी ओर चीन पहले से ही एडवांस स्टेल्थ कॉम्बैट फाइटर का इस्तेमाल कर रहा है और उसने 6वीं पीढ़ी के प्रोटोटाइप जैसे चेंगदू जे-36 और शेनयांग जे-50 भी पेश किए हैं। समाचार यह भी है कि पाकिस्तान आने वाले सालों में चीन के जे-35ए स्टेल्थ फाइटर जेट को अपनी वायुसेना में शामिल कर सकता है। भारत के पास उनके समानांतर स्वयं को सशक्त करने के लिए एक रास्ता बाहर से खरीद का भी था, किंतु जब हम रक्षा बाजार में स्वयं आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर काम कर रहे हैं, उसमें सफलताएं मिल रही हैं, हमारे वैज्ञानिक तकनीशियन और निजी क्षेत्र भी अपनी उपयोगिता साबित करने का संकेत दे रहे हैं तो फिर हमें स्वयं स्वदेशी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना चाहिए। एचएएल जैसी सार्वजनिक कंपनी पर सारी जिम्मेदारी छोड़कर हम विश्व की रक्षा प्रतिस्पर्धा में खड़ा नहीं हो सकते। निजी क्षेत्र की कंपनियों को आगे लाना और सरकारी कंपनियों के साथ उनकी साझेदारी सबसे व्यावहारिक और उपयुक्त रास्ता है। मुख्य बात कुशलतापूर्वक योजना बनाने और उसके पहले ठोस आधारभूमि तैयार कर लेने में है। कहा जा सकता है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भारत का रक्षा उत्पादन डेढ़ लाख करोड़ हो जाएगा तथा यह रक्षा क्षेत्र में निर्यात भी कर सकेगा, इसकी कल्पना पहले नहीं की जा सकती थी। भारत के कुछ ब्रांड ने तो दुनिया में स्थान बनाना आरंभ कर दिया है। ये हैं ब्रह्मोस , पिनाका, आकाश मिसाइलें, स्वाति रडार और 155 एम एडवांस्ड टावर आर्टिरीगंज यानी एटीएजीएस। इन्हें अर्मेनिया से लेकर फिलीपींस तक कई देशों ने अपनी रक्षा प्रणाली में शामिल किया है। इन्हीं आधारों पर भारत ने 2030 तक 50 हजार करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। इसलिए उम्मीद रखनी चाहिए कि नियत समय पर हम पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एएमसीए तैयार कर वायु सेना को सौंपने तथा आगे लड़ाकू विमान के रक्षा बाजार में भी उतरने की क्षमता हासिल कर सकेंगे।

भारत ने 2030 तक 50 हजार करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। इसलिए उम्मीद रखनी चाहिए कि नियत समय पर हम पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एएमसीए तैयार कर वायु सेना को सौंपने तथा आगे लड़ाकू विमान के रक्षा बाजार में भी उतरने की क्षमता हासिल कर सकेंगे।

अर्थव्यवस्था-कूटनीति को साधने का उपकरण

रक्षा निर्यात

डॉ. एन. के. सोमानी

वरिष्ठ स्तंभकार

एक समय वह था, जब भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर हुआ करता था। सैन्य साजो-सामान व भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सेना विदेशी मुल्कों में निर्मित उपकरणों पर निर्भर रहती थी। आज उच्च तकनीकी विकास, 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने स्थिति को पूरी तरह पलट दिया है। हथियारों व सैन्य उपकरणों के लिए बाहरी राष्ट्रों पर निर्भर रहने वाला भारत आज हथियार बाजार का एक बड़ा खिलाड़ी बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात सर्वकालिक उच्च स्तर 38,424 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 14,802 करोड़ रुपये (62.66 प्रतिशत) अधिक है। अब सरकार ने 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रूपये का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

साल 2024-25 में रक्षा उत्पादन एक लाख 54 हजार करोड़ रुपये था। दरअसल साल 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने घरेलू रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने व देश को रक्षा क्षेत्र में निर्यातक (आपूर्तिकर्ता) राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने का रोडमैप तैयार किया। रोडमैप मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के जरिए धरातल पर उतरता दिखाई दिया। रक्षा बाजार में भारत का दबदबा कायम करने के लिए सरकार ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान जैसे बड़े कदम उठाए। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाकर 74 प्रतिशत तक कर दिया गया । इसका परिणाम यह हुआ कि रक्षा क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के आने से देश में अनुसंधान और विकास में सुधार हुआ और वैश्विक स्तर पर भारत की विश्वसनियता बढ़ी। सरकार के इन नीतिगत प्रयासों के परिणामस्वरूप रक्षा उपकरणों का आयात घटा और निर्यात को बढ़ावा मिला।

इन नीतिगत परिवर्तनों के चलते रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत का दबदबा कायम हुआ। सरकार ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई रक्षा वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाए । इससे देश के भीतर न केवल रक्षा उपकरणों के निर्माण में तेजी आई बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारत मजबूत हुआ। नई उभरती शक्तियां जो पश्चिमी देशों या अन्य महाशक्तियों पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती थी उनके लिए भारत एक सस्ता और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। इसका एक फायदा यह हुआ कि सहयोगी देशों को रक्षा साजो-सामान और प्रशिक्षण देकर हिंद प्रशात क्षेत्र और अन्य जगहों पर भारत ने अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाया। 80 से अधिक देशों को हथियार और रक्षा सामग्री का निर्यात कर रहा है। पहले रक्षा उपकरण बनाने का काम केवल सरकारी कंपनियों तक ही सीमित था। जब सरकार ने निजी कंपनियों के लिए रक्षा उद्योग के द्वार खोले, उसके बाद टाटा एडवांस्ट सिस्टम्स (टीएएसएल), लार्सन एंड टुब्रो डिफेंस (एलएंडटी), महिंद्रा डिफेंस सिस्टम, अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, एमएसएस डिफेंस, पारस डिफेंस और डेटा पैटर्न्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों की भागदीदारी बढ़ने के बाद रक्षा उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई। निसंदेह रक्षा निर्यात में हुई इस ऐतिहासिक वृद्धि से न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की कूटनीतिक साख बढ़ी है। कुल मिलाकर कहा जाए तो भारत का रक्षा क्षेत्र एक नए युग में प्रवेश कर रहा है।

डोकलाम विवाद और ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन और पाकिस्तान भारत को अलग-अलग मोर्चों पर घेरने की कोशिशों में जुटे हैं। सीमावर्ती राज्यों में कई चरमपंथी संगठन सक्रिय हैं। ऐसे में भारत ने भी दुनिया के दूसरे देशों की तरह सेना के आधुनिकीकरण और परंरागत सशस्त्रों के बजाए भविष्य की टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए निवेश करने की जो योजना शुरू की है, निसंदेह भविष्य में उसके परिणाम सकारात्मक देखने को मिलेंगे।

हालांकि रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, लेकिन अभी भी भारत को एक लंबा सफर तय करना है। आंकड़े बताते हैं कि सफर लंबा जरूर है, लेकिन मुश्किल नहीं है।

भारत ने भी दुनिया के दूसरे देशों की तरह सेना के आधुनिकीकरण और परंरागत सशस्त्रों के बजाए भविष्य की टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए निवेश करने की जो योजना शुरू की है, निश्चित रूप से भविष्य में उसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

परसमनिया गढ़ी और पेट्रोल पंप के संचालन को लेकर सालों से चल रहा विवाद

नागौद राजघराने की परसमनिया गढ़ी में खूनी संघर्ष: बाबा राजा से मारपीट पर काउंटर मामला दर्ज

घटना की 48 घंटे बाद दो वीडियो आए सामने

सतना। नागौद राजघराने की परसमनिया गढ़ी में गुरुवार को हुए बहुचर्चित गोलीकांड के बाद मामला और उलझ गया है। गोली चलने की घटना के बाद अब दूसरे पक्ष ने भी उचेहरा थाने में शिकायत दर्ज कराई है,जिसके आधार पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ काउंटर एफ आई आर दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी सतीश मिश्रा के मुताबिक,रुपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा की शिकायत पर उनके साले नागेंद्र सिंह राठौर सहित दो अन्य लोगों के खिलाफ गाली-गलौज,धमकी और मारपीट के आरोपों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 294,115 और 351 के तहत मामला दर्ज किया गया है। शनिवार को बाबा राजा का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया,जिसकी रिपोर्ट जांच में शामिल कर ली गई है।

कमरे का दरवाजा बंद कर सुनीता सिंह ने दागी थीं गोलियां

घटनाक्रम के अनुसार,गुरुवार दोपहर योगिता सिंह अपनी मां नरेंद्र कुमारी सिंह,पुत्र पृथुदेव सिंह और भाई नागेंद्र सिंह के साथ परसमनिया गढ़ी में अपना सामान लेने पहुंची थीं। आरोप है कि वहां पहुंचते ही दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई,जो देखते ही देखते विवाद और मारपीट में बदल गई। योगिता

सिंह की मां नरेंद्र कुमारी सिंह ने आरोप लगाया है कि विवाद के दौरान सुनीता सिंह ने गाली-गलौज शुरू की और बाद में कमरे का दरवाजा बंद कर अपनी लाइसेंसी बंदूक से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। सुनीता सिंह ने .22 बोर की बंदूक से कई राउंड फायर किए,जिसमें से एक गोली योगिता सिंह के पेट में जा लगी।

घायल योगिता सिंह की हालत अब स्थिर

गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हुईं योगिता सिंह को पहले सतना और बाद में रीवा के विंध्य सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में रेफर किया गया। चिकित्सकों के अनुसार,ऑपरेशन के बाद उनकी हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर बताई जा रही हैं। इधर,गोलीकांड की मुख्य आरोपी सुनीता सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से .22 बोर की लाइसेंसी बंदूक,8 जिंदा कारतूस और घटनास्थल से 4 खाली खोखे बरामद किए गए हैं। शुक्रवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया,जहां से अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

8 साल पुराना है संपत्ति का विवाद

राजघराने से जुड़े सूत्रों के मुताबिक,रुपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा और उनकी पत्नी योगिता सिंह के बीच करीब आठ साल से पारिवारिक विवाद चल रहा है। इसी दौरान सुनीता सिंह का नाम भी विवादों में सामने आया। बताया जाता है कि संपत्ति, परसमनिया गढ़ी और पेट्रोल पंप के संचालन को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ था। जनवरी 2022 में कांतिदेव सिंह के निधन के बाद यह विवाद और बढ़ गया। इसके बाद योगिता सिंह और उनके बेटे को नागौद किले में शिफ्ट कराया गया था। करीब डेढ़ वर्ष पहले भी योगिता सिंह ने सुनीता सिंह के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया था।

बाबा राजा की पिटाई, वीडियो वायरल

शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में घटना के बाद बाबा राजा के साथ जमकर मारपीट करते हुए कुछ लोग दिखाई दे रहे हैं। इसी वीडियो और बाबा राजा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने साले नागेंद्र सिंह समेत तीन लोगों पर जवाबी मामला दर्ज किया है।

दलित मजदूर से की बेरहम मारपीट

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले के नागौद बस स्टैंड चौराहे पर एक बेहद ही अमानवीय और शर्मनाक घटना सामने आई है। यहाँ छत की मरम्मत कर रहे एक दलित मजदूर के साथ सरेराह मारपीट और अभद्र व्यवहार किया गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से ही आरोपी फरार बताया जा रहा है।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार,शुक्रवार शाम नागौद बस स्टैंड के पास स्थित एक बुक सेंटर की दुकान के ऊपर छत की मरम्मत का काम चल रहा था।इसी दौरान वहाँ काम कर रहे मजदूर धीरेंद्र (धीरमु) चौधरी (पिता कमलेश चौधरी,निवासी सेमरवार) के साथ मनोज पुरवार नाम के व्यक्ति ने विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि विवाद के दौरान मनोज पुरवार ने अमानवीयता की सारी हदें पार करते हुए मजदूर के बाल पकड़े,उसे बेरहमी से घसीटा और जबरन घुटनों के बल बैठा दिया। इस बीच उसके साथ जमकर मारपीट भी की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,घटना के वक्त मजदूर की पत्नी लगातार रोती-बिलखती रही और अपने पति को बचाने की गुहार लगाती रही,लेकिन काफी देर तक भीड़ में से कोई भी आगे नहीं आया। बाद में वहाँ मौजूद एक युवक ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया।

चार बच्चों की मां की गला रेत कर हत्या

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट जिले के बैहर स्थित मोदीनगर में चार बच्चों की मां की गला रेतकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड में 'गणेश' नाम के एक युवक पर शक की सुई घूम रही है, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को मोदीनगर में एक अधूरे बने (निर्माणाधीन) मकान में 35 वर्षीय सविता धुर्वे का खून से लथपथ शव मिला। सविता की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किया गया था(। सविता के पति का पहले ही निधन हो चुका था और वह अपनी बेटियों के साथ रहती थीं। गुरुवार की रात सविता घर पर नहीं थीं। शुक्रवार को जब उनकी बेटियां उस निर्माणाधीन मकान की तरफ गईं, तो वहां अपनी मां की लाश देखकर उनके होश उड़ गए। सविता की बेटियों ने पुलिस को बताया कि 'गणेश अंकल' अक्सर उनके घर आते-जाते थे और वहीं रहते भी थे। वहीं, आस-पड़ोस के लोगों ने भी पुलिस को जानकारी दी है कि सविता को आखिरी बार उसी गणेश नाम के युवक के साथ देखा गया था। इन बयानों के बाद पुलिस गणेश को मुख्य संदिग्ध मानकर उसकी तलाश कर रही है।

पंचायत और प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

पिकनिक मनाने आए सिवनी के बालक की डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना 'घोघरा वॉटरफॉल' शनिवार को एक बार फिर मातम का गवाह बना। यहाँ नहाने के दौरान पानी में डूबने से 16 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। इस दुखद घटना ने न केवल एक हंसता-खेलता परिवार उजाड़ दिया है, बल्कि प्रशासन और स्थानीय पंचायत की लचर सुरक्षा व्यवस्था की कलई भी खोल कर रख दी है।

जिला सिवनी निवासी सोमकांत पिता संतोष विश्वकर्मा (16 वर्ष) अपने साथियों के साथ सुप्रसिद्ध चमत्कारिक जाम सांवली हनुमान मंदिर दर्शन करने आया था। दर्शन के उपरांत सभी साथी पिकनिक मनाने पास ही स्थित घोघरा वॉटरफॉल पहुँच गए। नहाते समय सोमकांत का पैर फिसलने या गहरे पानी का अंदाजा न होने के कारण वह गहराई में चला गया। साथियों के चिल्लाने तक बहुत देर हो चुकी थी और डूबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही लोधीखेड़ा टीआई ए.बी मर्सकोले अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

घोघरा में सुरक्षा के नाम पर केवल खानापूर्ति

घोघरा वॉटरफॉल पर रोजाना सैकड़ों की संख्या में सैलानी परिवार युवा पहुँचते हैं, लेकिन यहाँ की सुरक्षा 'राम भरोसे' है। यहाँ न तो खतरनाक क्षेत्रों में कोई चेतावनी बोर्ड लगा है, न ही गहरे पानी की ओर जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पर्यटन स्थल घोषित होने के बावजूद यहाँ सुरक्षा गार्ड या गोताखोरों की कोई तैनाती नहीं है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और पंचायत को आईना दिखाते हुए कड़े सवाल खड़े किए हैं, जानलेवा गहराई वाले क्षेत्रों को चिह्नित क्यों नहीं किया गया है।भारी संख्या में पर्यटकों के आने के बावजूद यहाँ आपदा प्रबंधन की कोई तैयारी क्यों नहीं है,आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं के बाद भी प्रशासन क्यों कुंभकर्णी नींद सो रहा है?स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ग्राम पंचायत रिधोरा और प्रशासन ने यहाँ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए, तो भविष्य में और भी कई मासूम अपनी जान गंवाएंगे। फिलहाल लोधिखेड़ा पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की जाँच शुरू कर दी है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी की जान जाने के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी?

पहले भी हो चुकी मौते, नहीं बन रही कोई सुरक्षा व्यवस्था

इसके पहले भी कई युवाओं परिजनों ने यहाँ अपनी जान गंवाई है, लेकिन इसके बावजूद ग्राम पंचायत रिधोरा, जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि 'कुंभकर्णी नींद' से जागने को तैयार नहीं हैं। स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि दुर्घटनाओं का सिलसिला लगातार जारी रहने के बाद भी ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। क्या ग्राम पंचायत और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का काम केवल टैक्स वसूलना है या क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उनकी नैतिक जिम्मेदारी है?हर बार दुर्घटना के बाद अधिकारी जांच का आश्वासन देकर शांत बैठ जाते हैं। आखिर कब तक प्रशासनिक फाइलों में दबी सुरक्षा की योजनाएं धरातल पर उतरेंगी?

अथर्व हत्याकांड का दमुआ पुलिस ने किया खुलासा

मुख्य आरोपी सहित चाचा और चचेरा भाई गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमुआ

नगर के बहुचर्चित अथर्व उर्फ चीकू सोलंकी हत्याकांड का दमुआ पुलिस ने चंद घंटों में खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में मुख्य आरोपी के साथ उसके चाचा और चचेरे भाई को भी गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने हत्या के बाद मृतक की तलाश कर रही भीड़ को गुमराह करने का प्रयास किया था। जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 11 निवासी अथर्व उर्फ चीकू सोलंकी 10 जून की रात घर से अनुसुईया माता मंदिर, हनुमान टेकड़ी जाने की बात कहकर निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। अगले दिन मंदिर के समीप उनका शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि होने के बाद थाना दमुआ में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक श्री अजय पाण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आशीष खरे एवं एसडीओपी जुन्नारदेव श्री सुनील वरकड़े के निर्देशन में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सागर साहू को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया।पुलिस के अनुसार आरोपी सागर साहू (27) ने सामाजिक बदनामी के भय से मंदिर के पास अपने कमरे के पीछे बाड़ी में रस्सी से गला घोंटकर अथर्व की हत्या कर दी और शव को लकड़ियों के ढेर के पास छिपा दिया। हत्या के बाद उसने अपने चाचा संतोष साहू (50) और चचेरे भाई नमन साहू (19) को पूरी घटना की जानकारी दी।जांच में सामने आया कि जब परिजन और स्थानीय लोग अथर्व की तलाश कर रहे थे, तब संतोष साहू और नमन साहू मौके पर मौजूद भीड़ को लगातार गुमराह करते रहे। दोनों आरोपियों ने लोगों को घटनास्थल की ओर जाने से रोकने और जांच को भटकाने का प्रयास किया, जिससे हत्या का राज छिपा रहे। पुलिस ने इसे अपराध में सहयोग मानते हुए दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है। घटना में प्रयुक्त रस्सी, मृतक की चप्पल एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए हैं।हत्याकांड के खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद सिरसाम, उपनिरीक्षक खेलन सिंह करिहार, प्रधान आरक्षक धरमदास यादव, शिवराम उइके तथा आरक्षक मैनसिंह उइके, नितिन रघुवंशी, सुरजीत मरकाम, प्रेम भलावी और राजकुमार धुर्वे की विशेष भूमिका रही।

गाय को घसीट ले गया वन राज, वीडियो हुआ वायरल

हरिभूमि न्यूज: ढीमरखेड़ा

ढीमरखेड़ा वन परिक्षेत्र के शाहडार जंगल में गांव के समीप का एक वीडियो शनिवार को सामने आया है, जिसमें एक बाघ गाय का शिकार कर उसे घसीटता हुआ ले जा रहा है। इसके बाद वन्यजीव प्रेमियों में उत्सुकता और स्थानीय ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। यह वही स्थान है जो कुछ महीने पहले चर्चा में आया था, जब एक बाघ को इसी शिवलिंग के पास अपना सिर रगड़ते हुए देखा गया था।

उस घटना के कुछ समय बाद, इसी स्थान पर एक पेड़ पर आराम फरमाते हुए एक तेंदुए को भी कैमरे में कैद किया गया था। एक ही जगह से लगातार बाघ और तेंदुए की तस्वीरें सामने आने से यह क्षेत्र वन्यजीवों का मुख्य गलियारा बन गया है। इन लगातार हो रही गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग पूरी तरह से सतर्क हो गया है। विभाग ने संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी है।

जंगल की ओर न जाये

वन विभाग ने संभावित आवाजाही वाले रास्तों और संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए हैं। ग्रामीणों को जागरूक और सुरक्षित रखने के लिए गांवों में मुनादी भी

कराई जा रही है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे मवेशी चराने या लकड़ियां बीनने के लिए अनावश्यक रूप से जंगल की ओर न जाएं।

लगाये गये चेतावनी बोर्ड

डीएफओ गर्वित गंगवार ने शाहडार से लगा हुआ वन क्षेत्र काफी घना और सघन है। ऐसे घने जंगलों में वन्य जीवों का मूवमेंट होना एक स्वाभाविक बात है। सुरक्षा के मद्देनजर हमने पूरे परिक्षेत्र में गश्त काफी बढ़ा दी है। एहतियात के तौर पर संभावित स्थानों पर चेतावनी बोर्ड भी लगवाए गए हैं। इसके अलावा ग्रामीणों से लगातार अपील की जा रही है कि वे जंगलों की तरफ अनावश्यक रूप से जाने से बचें ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

भाजपा के पूर्व पार्षद के घर में घुसकर बेटे पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला, हालत नाजुक

सतना। शहर के कोलगवां थाना अंतर्गत बिरला कॉलोनी में बीती रात उस वक्त सनसनी फैल गई, जब कुछ अज्ञात बदमाशों ने भाजपा के पूर्व पार्षद के घर में घुसकर उनके बेटे पर जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने युवक पर चाकुओं से ताबड़तोड़ कई वार किए और वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है,जहां उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

कमरे में सो रहा था विशाल, तड़के पड़ोसियों ने देखा

मिली जानकारी के अनुसार,भाजपा के पूर्व पार्षद के.एल. यादव का बेटा विशाल यादव रात में अपने घर पर था। रात करीब 2 बजे अज्ञात हमलावर दीवार फांदकर या दरवाजे के रास्ते घर के भीतर दाखिल हुए। बदमाशों ने सोते हुए विशाल पर धारदार चाकुओं से हमला बोल दिया। विशाल के शरीर पर पेट और सीने के पास गहरे जख्म आए हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। सुबह जब पड़ोस के लोग मॉर्निंग वॉक के लिए बाहर निकले,तब उन्हें इस खौफनाक वारदात का पता चला। घर के भीतर विशाल लहूलुहान और अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। पड़ोसियों ने बिना वक्त गंवाए तुरंत इसकी सूचना कोलगवां थाना पुलिस को दी।

जिला अस्पताल से निजी अस्पताल रेफर, हालत चिंताजनक

सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घायल विशाल को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद विशाल की बिगड़ती हालत और अत्यधिक खून बह जाने के कारण डॉक्टरों ने उसे तुरंत शहर के एक निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक,अंदरूनी अंगों में चोट आने के कारण विशाल की स्थिति अभी भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर /आईसीयू में रखा गया है।

जांच में जुटी पुलिस, खंगाले जा रहे सीसीटीवी

घटना के बाद इलाके में भारी तनाव और दहशत का माहौल है। पूर्व पार्षद के घर हुई इस दुस्साहसिक वारदात ने कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कोलगवां थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और पुरानी रंजिश सहित तमाम पहलुओं पर बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

डोंगरिया के फार्म हाउस में आधी रात को तंत्र-मंत्र के माध्यम से गुप्त धन की खुदाई करने के आरोप में 4 तांत्रिक रंगे हाथों गिरफ्तार

शराब, मुर्गा और हिरन का पुतला रखकर चल रही थी पूजा, भूमि मालिक ने साथियों के साथ मिलकर पुलिस को सौंपा

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम डोंगरिया में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां कथित रूप से गड़े धन की खोज और तंत्र मंत्र के चक्कर में एक फार्म हाउस के गेट का ताला तोड़कर अवैध रूप से खुदाई कर रहे महाराष्ट्र के चार आरोपियों को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भूमि मालिक की सजगता और वारासिवनी पुलिस की त्वरित मुस्तैदी से एक बड़ी आपराधिक व तांत्रिक गतिविधि को नाकाम कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 299/2026 के अंतर्गत चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 331,4 एवं 3/5 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ऐसे खुला तांत्रिकों का राज

जानकारी अनुसार बालाघाट निवासी ठेकेदार सेवेन्द्रसिंह परिहार का बालाघाट में फार्म हाउस है। 11 जून की रात करीब साढ़े 8 बजे उनके ड्राइवर पंकज ब्रम्हे ने फोन पर उन्हें सूचना दी थी कि डोंगरिया स्थित फार्म हाउस के मुख्य गेट का ताला तोड़कर कुछ अज्ञात लोग जबरन अंदर घुस गए हैं। सूचना मिलते ही सेवेन्द्रसिंह अपने साथी अमित शर्मा और इंदरचंद बसेना को साथ लेकर तुरंत फार्म हाउस पहुंचे। वहां मुख्य गेट के बाहर एक संदिग्ध ग्रे रंगकी आई.10 कार क्रमांक एम एच 49 यु 7738 खडी थी। जब भूमि मालिक अपने साथियों के साथ फार्म हाउस के अंदर बने लेबर क्वार्टर और किचन के बीच खाली जगह पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गए। आरोपी वहां गैती और फावड़े से करीब डेढ़ फीट गहरा गड्ढा खोद चुके थे। गड्ढे के पास तांत्रिक क्रिया की सामग्री जैसे सिंदूर, कुमकुम, पुराने सिक्के, कौड़ी, शराब, मुर्गा और हिरन का पुतला रखा हुआ था। वे सभी किसी गुप्त धन को निकालने की नीयत से पूजा पाठ और खुदाई कर रहे थे।

यह पकड़े गए आरोपी स्थानीय संरक्षकों ने रची थी साजिश

मौके से पुलिस और नागरिकों की मदद से पकड़े गए आरोपी में ललित चिताडे निवासी पि प ला का टा हुडकेश्वर रोड नागपुर महाराष्ट्र, हीराधर जगताप निवासी अयोध्या नगर नागपुर महाराष्ट्र, पूनाजी मेश्राम निवासी बोरगांव चन्द्रपुर महाराष्ट्र, धर्मेश कुल्हे निवासी पंचपाओली नागपुर शहर महाराष्ट्र को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की गई। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्हें डोंगरिया निवासी किशोर दमाहे और मशीनटोला निवासी अखिल कालबेले ने इस फार्म हाउस में भारी मात्रा में गड़ा हुआ धन होने का लालच देकर बुलाया था। स्थानीय आरोपियों के कहने पर ही ये लोग ताला तोड़कर अंदर घुसे थे। घटना की जानकारी लगते ही भूमि मालिक और उनके साथियों ने तत्परता दिखाते हुए वारासिवनी थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर चारों आरोपियों को दबोचकर थाने ले आई। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त खुदाई के उपकरण और तंत्र मंत्र की सामग्री जब्त कर ली है। फरार स्थानीय आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले को विस्तृत विवेचना जारी है।

टौरिया मोहल्ला कांड के आरोपियों के घर बुल्डोजर चलाने की मांग को लेकर बाजार पूर्णतः रहा बंद

छतरपुर।

टौरिया मोहल्ला कांड को लेकर व्यापारी एवं हिन्दू संगठनों की बीते रोज बैठक हुई थी जिसमें 13 जून को छतरपुर बंद रखने का आहवान किया गया था। इस आहवान पर आज शनिवार को बाजार पूरी तरह से बंद रहा और टौरिया मोहल्ला की हिंसक घटना को लेकर लोगों में आक्रोश देखा गया और आरोपियों के घर बुल्डोजर चलाने की मांग की गई। शनिवार को सुबह से ही भारी पुलिस बल चौक बाजार में पहुंच चुका था, एडीशनल एसपी आदित्य पटले, सीएसपी अरूण कुमार सोनी और तीनो थानो के टीआई सहित जिले के अन्य कई टीआई व भारी पुलिस बल तैनात रहा। दुकानदारों ने टौरिया मोहल्ला घटना के विरोध में बाजार बंद को पूरा समर्थन दिया और चौक बाजार में सभी व्यापारी एकत्र हुए और वहां सभा में परसराम शुक्ला, लालू लालवानी, अभिषेक तामकार, कमल अग्रवाल,गिरजा पाटकर,सहित काफी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर ऐसे जिहादियों पर कार्यवाही की मांग की। दोपहर 1 बजे तक चौक बाजार में प्रदर्शन चलता रहा पहली बार व्यापारी संगठनों और हिन्दू संगठनों में एकजुटता देखी गई, वहीं प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट रहा और चारों तरफ पुलिस की चौकशी रही वा पुलिस की गाडियां भ्रमण भी करती रहीं। पुलिस के अधिकारी जिसमें सीएसपी और बड़ामलहरा टीआई एक साथ गाड़ी में बैठकर नगर का भ्रमण कर कानून व्यवस्था का जायजा लेते रहे, तो वहीं कोतवाली टीआई सतीश सिंह और सिविल लाईन टीआई आशुतोष श्रोतिय चौक बाजार में पुलिस बल के साथ मोर्चा संभाले रहे। दोपहर 1 बजे के बाद एसडीएम प्रशांत अग्रवाल, सीएसपी के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और हिन्दू संगठनों का ज्ञापन लेकर अवगत कराया कि आरोपियों के मकानों की जांच कराकर कार्यवाही की जाए। व्यापारी डालडे मातेले ने कहा कि प्रशासन ने टौरिया मोहल्ला कांड में कार्यवाही की है लेकिन अभी कुछ कसर बाकी है यदि आरोपियों के मकान नजूल में आ रहे है, तो उन्हें जल्द से जल्द बुल्डोजर से गिराया जाए। उन्होंने व्यापारियों की एकजुटता पर कहा कि व्यापारी अभी कमजोर नहीं है। उन्होंने कहा कि 7 दिन में यदि कार्यवाही नहीं हुई तो व्यापारी अनिश्चित कालीन बाजार बंद करेंगे जिसकी जबाबदारी प्रशासन की होगी।

मौसम के रंग

कहीं अंधड़, कहीं झमाझम...

चुरू में तेज अंधड़ से रेलवे स्टेशन का टीनशेड उड़ा

शिमला में झमाझम बारिश, हिल स्टेशंस पर उमड़े सैलानी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में मौसम बदल चुका है। कहीं मानसून की आमद हो चुकी है तो कहीं, प्री मानसून बारिश, आंधी-तूफान के हालात बने हुए हैं। राजस्थान के चूरू में अंधड़ के कारण मकड़ीनाथ रेलवे स्टेशन का टीनशेड उड़ गया। वहीं, एसपी कार्यालय परिसर स्थित रिकॉर्ड रूम का टीनशेड भी आंधी की चपेट में आकर एसपी कार्यालय भवन पर जा गिरा। कुछ ही मिनटों की इस आंधी से कई पेड़ उखड़ गए और

कई मकानों की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं। यूपी में भी प्री-मानसून एक्टिव है शनिवार सुबह कानपुर-अयोध्या, उन्नाव समेत 25 शहरों में बारिश हुई। वाराणसी में दोपहर में तूफान से कई होर्डिंग उड़ गई। लखनऊ में तेज आंधी से दिन में अंधेरा छा गया। दिल्ली में शनिवार सुबह बारिश के चलते इंडिगो सहित कई एयर लाइंस की कई फ्लाइट्स लेट हुईं।

खनिज संपदा से समृद्ध पंचायतों को मिले अधिक भागीदारी, पर्यावरण पुनरुद्धार को मिले प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने खनिज विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में खनिज संपदा से प्रभावित क्षेत्रों के विकास, स्थानीय निकायों की भागीदारी तथा पर्यावरणीय पुनरुद्धार को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि खनिज उत्खनन से प्रभावित पंचायतों को खनिज राजस्व से प्राप्त आय में अधिक प्रभावी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के अवसरों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, ताकि स्थानीय समुदायों को विकास का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

खनिज प्रतिष्ठान नियमों एवं निधि प्रावधानों की जानकारी दी

बैठक में निर्देश देते अध्यक्ष पवैया।

पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया

आयोग के अध्यक्ष पवैया ने खनन गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला खनिज निधि के संसाधनों का उपयोग पर्यावरण पुनरुद्धार, हरित आवरण विस्तार, जल संरक्षण तथा पारिस्थितिकी सुधार संबंधी कार्यों को अधिकाधिक किया जाए, जिससे विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। इस मौके पर बैठक में आयोग के सदस्य केके सिंह तथा सदस्य सचिव वीरेन्द्र कुमार भी मौजूद थे। खनिज विभाग के अधिकारियों ने आयोग को राज्य में खनिज राजस्व की वर्तमान स्थिति, राजस्व प्राप्ति के प्रमुख स्त्रोतों तथा वसूली की प्रगति से अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि खनिज क्षेत्र से प्राप्त राजस्व विकास कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

बैठक में खनिज राजस्व के न्यायसंगत उपयोग, प्रभावित समुदायों के हितों की सुरक्षा तथा स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को सशक्त बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। खनिज विभाग ने भारत सरकार के नवीन दिशा-निर्देशों के अनुरूप संशोधित जिला खनिज प्रतिष्ठान नियमों एवं निधि प्रावधानों की जानकारी भी दी। अधिकारियों ने बताया कि नए प्रावधानों के तहत स्थानीय निकायों की भूमिका और सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ किया गया है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में स्थानीय स्तर पर जवाबदेही और प्रभावशीलता बढ़ेगी।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हुआ खूनी संघर्ष, कई घायल

हरिभूमि न्यूज:गौरेला पेंड्रा मरवाही गौरेला थाना क्षेत्र के सधवानी गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में कई लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल गौरेला में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। गौरेला पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, सधवानी गांव में जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। और यह मामला तहसीलदार न्यायालय गौरेला में विचाराधीन था। हाल ही में न्यायालय ने मामले में शंकराचार्य राठौर और ओमकार राठौर के पक्ष में फैसला सुनाया। आरोप है कि इस फैसले से नाराज श्याम नारायण, जो भारतीय सेना जैसलमेर में कार्यरत हैं और वर्तमान में अवकाश पर अपने गांव आया हुआ था, देर रात अपने कुछ साथियों के साथ ओमकार राठौर के नए मकान पहुंच गए। जमीन के फैसले को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर स्थिति हाथापाई तक पहुंच गई। आरोप है कि फौजी श्याम नारायण अपने साथ लोहे की रॉड लेकर आया हुआ था। इसी दौरान शंकराचार्य राठौर और ओमकार राठौर के साथ मारपीट की गई। ओमकार राठौर घटना का वीडियो बना रहे थे, जिसे लेकर भी विवाद हुआ और फौजी ने मोबाइल छीनने का प्रयास किया।

मनाली से चमोली तक पहाड़ पैक, सड़कें ब्लॉक!

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन सीजन अपने चरम पर है। वीकेंड के दौरान कुल्लू-मनाली की ओर जाने वाले हजारों पर्यटकों के कारण चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम देखने को मिला। पंडोह के 7 मील से लेकर औट तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। शिमला में भी सैलानी बारिश के दौरान मौसम का लुत्फ लेते रहे।

खबर संक्षेप

कार-बाइक भिड़ंत: चार गंभीर रूप से घायल

मुलताई। मुलताई-छिंदवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में चार

लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक पर तीन लोग सवार थे। तेज गति से आ रही एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उस पर सवार लोग सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में मुलताई निवासी विक्की देशमुख (30), प्रकाश परते (36) और रामनगर निवासी दिनेश उईके (42) गंभीर रूप से घायल हो गए।

मासूम के साथ छठे फ्लोर से कूदी महिला इंजीनियर, मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में 37 साल की सॉफ्टवेयर इंजीनियर ईशा साहू

अपनी छह माह की बेटी को गोद में लेकर अपार्टमेंट की छठी मंजिल से कूद गई। घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्ची चमत्कारिक रूप से बच गई। पुलिस ने बताया कि बच्ची अपार्टमेंट की सोलर फेंसिंग के तारों पर गिरकर लटक गई, जिससे उसकी जान बच गई। पास के एक चौकीदार ने रोने की आवाज सुनकर उसे सुरक्षित निकाला। बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

भारत की अध्यक्षता में 'ब्रिक्स इंदौर डिक्लेरेशन' ▶▶ 60 विदेशी प्रतिनिधियों सहित करीब 100 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, कई महत्वपूर्ण विषयों पर किया गया मंथन

वैश्विक कृषि सहयोग का नया रोडमैप तैयार खाद्य सुरक्षा व डिजिटल कृषि से 'नई दिशा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए 'इंदौर डिक्लेरेशन' का मूल केंद्र किसान। यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि ब्रिक्स देशों की सामूहिक इच्छाशक्ति और जिम्मेदारी का प्रतीक

भारत की अध्यक्षता में इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों की कृषि मंत्रिस्तरीय और अधिकारी स्तरीय बैठकों का समापन सर्वसम्मत 'ब्रिक्स इंदौर डिक्लेरेशन' के साथ हुआ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के दौर में यह घोषणा-पत्र खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण, जलवायु-अनुकूल खेती, कृषि व्यापार और डिजिटल कृषि के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को नई दिशा देगा। चौहान ने बताया कि मंत्री स्तरीय और अधिकारी स्तरीय दोनों बैठकें सफलतापूर्वक संपन्न हुईं, जिनमें सदस्य और सहयोगी देशों के लगभग 60 विदेशी प्रतिनिधियों सहित करीब 100 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, वैश्विक कृषि भूमि का करीब 42% हिस्सा इनके पास है और विश्व खाद्यान्न उत्पादन में भी इनका योगदान लगभग 42% है। ऐसे में इन देशों की सामूहिक पहल वैश्विक कृषि व्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

ब्रिक्स देशों की सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन

प्रतिनिधियों के साथ लिया गया सामूहिक चित्र

ब्रिक्स देशों की ताकत

- दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व
- वैश्विक कृषि भूमि का करीब 42% हिस्सा इनके पास
- विश्व खाद्यान्न उत्पादन में भी इनका योगदान लगभग 42%

▶▶ खाद्य सुरक्षा, व्यापार और जलवायु पर रहा फोकस

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बैठकों में चार प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई, जिनमें खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, कृषि व्यापार और सहयोग, जलवायु परिवर्तन के बीच सतत एवं रीजेनेरेटिव खेती तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीक को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने कहा कि किसान, विशेषकर छोटे और सीमांत किसान, पूरी चर्चा के केंद्र में रहे।

प्राकृतिक खेती के लिए बनेगा उत्कृष्टता केंद्रों का नेटवर्क

ब्रिक्स देशों ने 'ब्रिक्स नेटवर्क ऑफ सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस ऑन एग्रो-इकोलॉजी एंड रीजेनेरेटिव एग्रीकल्चर' स्थापित करने पर सहमति जताई है। इसके माध्यम से प्राकृतिक, जैविक और पुनर्योजी कृषि पद्धतियों पर संयुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण और अनुभव साझा किए जाएंगे। भारत की ओर से मोदीपुरम स्थित भारतीय कृषि प्रणाली पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

किसानों के बीज अधिकारों की सुरक्षा के लिए बनेगा वैश्विक मंच

ब्रिक्स देशों ने 'ग्लोबल फोरम ऑन फार्मर्स राइट्स इन सीड सिस्टम्स' स्थापित करने पर भी सहमति बनाई। इसका उद्देश्य देशी बीजों की विविधता, पारंपरिक ज्ञान और किसानों के बीज संबंधी अधिकारों की रक्षा करना है। चौहान ने कहा कि आधुनिक बीजों के साथ-साथ पारंपरिक बीजों का संरक्षण भी खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता के लिए आवश्यक है। 'ब्रिक्स एग्रीएन' नामक नई पहल के तहत सदस्य देशों के बीच कृषि आंकड़ों, बीजों, आनुवंशिक संसाधनों और तकनीकी सूचनाओं का आदान-प्रदान मजबूत किया जाएगा।

आईएएस एसोसिएशन के वाटसएप ग्रुप में छिड़ी बहस

डायरेक्ट और प्रमोटी आईएएस अफसरों के मतभेद आए सामने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में डायरेक्ट भर्ती (आरआर) और प्रमोटी (पीआर) आईएएस अधिकारियों के बीच लंबे समय से चल रहे अंदरूनी मतभेद अब सार्वजनिक रूप से सामने आते दिखाई दे रहे हैं। यह विवाद आईएएस एसोसिएशन के आधिकारिक वाटसएप ग्रुप में हुई चर्चा के बाद चर्चा का विषय बन गया है। जानकारी के अनुसार पूर्व केंद्रीय सचिव अनिल स्वरूप के एक लेख को मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस आलोक श्रीवास्तव ने आईएएस एसोसिएशन मध्य प्रदेश के वाटसएप ग्रुप में साझा किया।

लेख में छिंदवाड़ा में कलेक्टर रहे युवा आईएएस अधिकारी शीलेंद्र सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया था। इस पोस्ट पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि जिला पंचायत के सीईओ अग्रिम कुमार ने भी इस पहल को सफल बनाने में सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रशासनिक उपलब्धियों का श्रेय बना बहस का मुद्दा

दीपाली की प्रतिक्रिया से चर्चा ने नया मोड़ ले लिया और ग्रुप में अधिकारियों की भूमिका तथा योगदान को लेकर बहस शुरू हो गई। श्रेय अक्सर केवल युवा या डायरेक्ट भर्ती आईएएस अधिकारियों को सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद आईएएस एसोसिएशन के ग्रुप में बधाई और प्रशंसा संबंधी संदेशों का सिलसिला लगभग थम गया। वहीं दूसरी ओर प्रमोटी आईएएस अधिकारियों के अलग वाटसएप ग्रुप में इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हो गई। प्रमोटी अधिकारियों ने इस बात पर नाराजगी जताई कि प्रशासनिक उपलब्धियों का श्रेय अक्सर केवल युवा या डायरेक्ट भर्ती आईएएस अधिकारियों को दिया जाता है, जबकि जमीनी स्तर पर कई अन्य अधिकारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

राहुल करेंगे अगुवाई, 17 को कोटा से आगाज

कांग्रेस का पेपर लीक के खिलाफ देशव्यापी अभियान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने जानकारी दी कि कांग्रेस 17 जून को राजस्थान के कोटा से इसकी शुरुआत करेगी। केसी वेणुगोपाल ने अपने बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और सरकार की ओर से भारत के युवाओं के साथ लगातार हो रहे धोखे के बढ़ते संकट के खिलाफ एक देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। इसके तहत राहुल छात्रों, युवा संगठनों, शिक्षकों और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाने के लिए बड़े छात्र सम्मेलनों की एक श्रृंखला आयोजित करेंगे।

यहां होंगे आंदोलन अभियान की शुरुआत

कोटा (17 जून), इलाहाबाद (10 जुलाई), पटना (11 जुलाई) और दिल्ली (14 जुलाई) से होगी। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को उजागर करेगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है।

शवों का मजाक बनाया था

लेडी डॉक्टर पर एक्शन जबरन छुट्टी पर भेजा

एजेंसी: मुंबई। प्रणित मोरे के अश्लील शो के विवाद के कारण मुंबई के केईएम अस्पताल ने एमबीबीएस छात्रा सेजल पवार पर अब एक्शन लिया है, उसे मेडिकल कॉलेज ने जबरन छुट्टी पर भेज दिया है। साथ ही उनके माता-पिता को भी बुलाया है। वहीं, प्रशासन ने शनिवार को वायरल वीडियो पर हुए विवाद को लेकर विस्तृत जांच के लिए पांच सदस्यीय जांच कमेटी के गठन का प्रस्ताव रखा है। कमेटी को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है। प्रस्तावित कमेटी में एक रिटायर्ड फैकल्टी सदस्य, तीन सीनियर फैकल्टी सदस्य और बाहरी सदस्य के तौर पर एक पत्रकार शामिल हैं, ताकि निष्पक्ष जांच हो। हालांकि सेजल पवार ने शुक्रवार को लिखित माफीनामा सौंपा, जिसमें उन्होंने माना कि उनके कुछ बयान

प्रणित मोरे के शो में बेहद अश्लीलता

प्रणित मोरे

सेजल पवार

गलत थे और उनसे लोगों को परेशानी हो सकती है। सेजल पवार ने पुरुष शव दान करने वालों के बारे में असंवेदनशील टिप्पणी की थी। इसके बाद महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने प्रणित मोरे, सेजल पवार और दर्शकों में शामिल एक अन्य व्यक्ति हिमांशु जांगरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

दुबई से अहमदाबाद पहुंचा था

इंडिगो के विमान में मिला 4.26 करोड़ रु. का सोना

टॉयलेट के स्पीकर में मिले सोने के 24 बिस्कुट

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

भारत में सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम डेढ़ लाख रुपए से अधिक है। सोने की कीमतों में आग लगने के बाद विदेशों से इसकी तस्करी बढ़ गई है। दुबई से अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई एयरपोर्ट पहुंची इंडिगो फ्लाइट (6ई-1478) से कस्टम में सोने के 24 बिस्कुट बरामद किए हैं। कस्टम ने जब इंडिगो के विमान की तलाशी ली तो उसे विमान से लगभग 4.26 करोड़ रुपए का सोना मिला। इस सोने को बाथरूम के आगे वाले टॉयलेट में लगे स्पीकर के अंदर छिपाया गया था। कस्टम्स अधिकारियों ने विमान इंजीनियरों की मदद से टॉयलेट में लगे स्पीकर बॉक्स के अंदर से काले प्लास्टिक टेप में लिपटे दो पाउच बरामद किए। इसमें बिस्कुट भरे हुए थे।

370 बिरयानी विवाद, कॉमेडियन प्रणित मोरे की माफी

मुंबई। कॉमेडियन प्रणित मोरे ने '370 की बिरयानी' वाले वीडियो को लेकर माफी मांगी है। उन्होंने शनिवार को अपना वीडियो मैसेज जारी किया। इसमें कहा कि वे लंबे समय से इस मुद्दे पर बात करना चाहते थे, लेकिन उनका इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड था। प्रणित ने कहा कि 370 की बिरयानी वाले वीडियो के बाद उनसे लोग काफी नफरत कर रहे थे। उन्होंने माना कि वे इसके हकदार हैं। उनके मुताबिक, शो के दौरान एक व्यक्ति ने कई आपत्तिजनक बातें कही थीं। लोग हंस रहे थे, जिससे वे भी माहौल में बह गए और सही फैसला नहीं ले पाए। बता दें कि आपत्तिजनक बातें ऑडियंस में बैठे हिमांशु जांगड़ा ने कही थीं।

एक ही घर से उठीं दो अर्थियां

पत्नी के अंतिम संस्कार का सामान लाते समय बुजुर्ग की बाइक को पिकअप ने मारी टक्कर, मौत

एक साथ बुजुर्ग दंपत्ति का हुआ अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

जिले के तामिया थाना क्षेत्र स्थित साजंकुही में शुक्रवार शाम हुए सड़क हादसे में 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग अपनी पत्नी के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार का सामान खरीदने टू-व्हीलर से निकले थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिसमें उनके साथ

क्षतिग्रस्त बाइक

मौजूद नाती भी घायल हो गया है। तामिया थाना प्रभारी आशीष जैतवार के अनुसार, मृतक की शिनाख्त धूर्वाढ़ाना निवासी 70 वर्षीय सुमरलाल उईके (पिता चम्मु उईके) के रूप में हुई है।

मर्ग कायम कर जांच में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने बुजुर्ग के शव को अपने कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों की तस्दीक की जा रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी के 12 सालों के सुशासन व विकास के कामों पर फोकस 'मीडिया संवाद' कार्यक्रम

सीएम ने कहा-2014 के बाद केंद्र सरकार ने इतनी योजनाएं चलाईं, जिसका लाभ हरेक व्यक्ति को मिला

मीडिया संवाद को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी संबोधित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे यहां 12 वर्ष का महत्व है। 12 वर्ष में सिंहस्थ होता है। सरकार के पास अनेकों उपलब्धियां है। 2014 के बाद केंद्र की सरकार ने इतनी योजनाएं चलाई, जिसकी वजह से एक-एक व्यक्ति को लाभ मिला। आज देश के 65 फीसदी लोगों को मुफ्त में खाद्यान्न मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने एक-एक करके योजनाओं को गिनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में देश में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मीडिया संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे।

शासन को जनसेवा का माध्यम बनाया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने शासन को जनसेवा का माध्यम बनाया है। एक गरीब के आंसू कैसे पोंछे जाएं, यह देश को प्रधानमंत्री मोदी ने सिखाया है। विकास के हर क्षेत्र में केंद्र ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया है।

18 वर्षों तक देश सेवा का अवसर मिला

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा प्रधानमंत्री मोदी देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्रियों में शामिल हैं। भाजपा ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को धरातल पर उतारा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के छह वर्ष और प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों को मिलाकर भाजपा को केंद्र में 18 वर्षों तक देश सेवा का अवसर मिला है। इस अवधि में विचारधारा, सुशासन और अंत्योदय के संकल्प को साकार करने का प्रयास किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले- शिक्षा केंद्रों के निकट छेड़छाड़ की घटनाएं न हों, महिला सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें

मप्र में अपराधों की छानबीन पर मिलेगा भत्ता, बेहतर कानून व्यवस्था के लिए वरिष्ठ अधिकारी रहें मुस्तैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खास बातें

- मुख्यमंत्री ने गृह विभाग की समीक्षा में दिए निर्देश
- पुलिस बल को व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बदलते दौर में पुलिस बल को नई चुनौतियों से निपटने के लिए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। अपराधों के अन्वेषण का दायित्व निभाने वाले विवेचना अधिकारियों को अन्वेषण भत्ता भी मिले, इस दृष्टि से अन्य राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का अध्ययन किया गया है। इस क्षेत्र में अपराध स्थल पर त्वरित पहुंच, सुरक्षा व्यवस्था, साक्ष्य संकलन, अभियुक्त गवाह और पीड़ित के परिवहन, भोजन आदि के साथ फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी, डिजिटल साक्ष्य संग्रह, न्यायलीन प्रक्रिया से जुड़े आकस्मिक खर्च देखते हुए अन्वेषण भत्ता लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में प्रदेश की कानून व्यवस्था समेत अनेक मुद्दों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रहे, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर आरक्षक स्तर तक सजगता और सक्रियता से भूमिका निभाएं। साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गृह विभाग आईटी कंसल्टेंट की सेवाएं लेने का कार्य प्राथमिकता करें। बैठक में सिंहस्थ-2028 के लिए भीड़ प्रबंधन, वीआईपी सुरक्षा, यातायात प्रबंधन के उद्देश्य से आवश्यक पुलिस बल की व्यवस्था पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव अनुराग जैन वर्चुअली शामिल हुए। एसीएस (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, एसीएस गृह संजय कुमार शुक्ल, एसीएस वित्त मनीष रस्तोगी, डीजीपी कैलाश मकवाणा, एडीजी ए. साई मनोहर सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बैठक में डीजीपी मकवाणा समेत अधिकारियों से चर्चा करते हुए।

संगठित अपराधियों पर निरंतर नजर रखें पुलिस

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केंद्रों के निकट छेड़छाड़ की घटनाएं किसी भी सूरत में नहीं हों। पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ रहे, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारी मुस्तैद रहें। गोवंश रक्षा पर पूरा ध्यान दें, उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध सख्त एक्शन लें। उन्होंने कहा कि भू-माफिया के विरूद्ध कार्रवाई सख्त होनी चाहिए।

कंट्रोल रूम तथा अन्य व्यवस्थाओं को स्थाई तौर पर पूर्ण किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ की दृष्टि से विभिन्न कंट्रोल रूम तथा अन्य व्यवस्थाओं को इस तरह पूर्ण किया जाए, ताकि उनका स्थाई महत्व और प्रभाव रहे। उज्जैन में अनेक बाबा महाकाल मंदिर सहित प्रसिद्ध देव स्थान हैं। सभी व्यवस्थाओं को तात्कालिक के स्थान पर स्थायी अधोसंरचना के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बसंत पंचमी और हाल ही में भोजशाला से संबंधित प्रसंग में पुलिस बल की सजग सक्रिय भूमिका के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और फोर्स के अन्य सदस्यों को बधाई दी।

एआई दुरूपयोग रोकने विशेषज्ञों की सेवाएं लेंगे

मुख्यमंत्री ने मप्र पुलिस चयन और भर्ती बोर्ड के गठन की पहल, साइबर अपराधों, सोशल मीडिया आधारित गतिविधियों और अपराधों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते दुरूपयोग के प्रभावी विश्लेषण के लिए राज्य साइबर सेल ने विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने के संबंध में विचार किया गया। इसके साथ ही काउंटर टेररिस्ट ग्रुप की संरचना और बल में वृद्धि, जिला स्तर पर सीन ऑफ क्राइम मोबाइल इकाई के संचालन के प्रावधान, वीवीआईपी ड्यूटी में तैनात अधिकारी-कर्मचारियों को विशेष भत्ता देने, एआई का प्रयोग कर सेफगार्ड एमपी प्रणाली से कमजोर व्यक्तियों, महिलाओं की सुरक्षा पर भी चर्चा हुई।

जेल से 5 किमी दूर पेंड्रारोड रेलवे स्टेशन से पकड़ाया

दुष्कर्म के मामले में बंद कैदी जेल से फरार, फिर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पेंड्रा मरवाही

जिले में दुष्कर्म के मामले में बंद कैदी के द्वारा जिला जेल से फरार होने का मामला सामने आया है। हालांकि लगभग 8 घण्टे बाद आरोपी को जिला जेल से 5 किलोमीटर दूर पेंड्रारोड रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया तो मामले में जेल प्रहरी की शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध करा दिया गया है। पूरा घटना क्रम जिला जेल पेंड्रारोड़ का है जहां पर सुबह लगभग 7 बजे के आसपास जब कैदियों को दिनचर्या के लिए बैरक से बाहर निकाला जाता है उसी दौरान 10 जून को पेंड्रा थाना क्षेत्र के बचरवार गांव के रहने वाला आरोपी जो दुष्कर्म किये जाने के मामले में गिरफ्तार किए गया था आरोपी कुलदीप राठौर उर्फ पटेल को पेंड्रा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था पर एक दिन बाद ही आरोपी कुलदीप मौका देखकर जेल की दीवार फांद कर वहां से भाग खड़ा हुआ।

पुलिस प्रशासन के फूले हाथ-पैर

सूचना मिलते ही जेल प्रबंधक के हाथ पैर फूल गए। पुलिस के साथ जेल प्रबंधक के कर्मचारी भी आरोपी की सरगर्मी से तलाश में जुट गए और आरोपी को शाम 4 बजे के आसपास पेंड्रारोड रेलवे स्टेशन परिसर से गिरफ्तार कर लिया गया तब कहीं राहत की सास ली गई। मामले में गौरेला पुलिस ने जेल प्रहरी अखिलेश पांडेय की शिकायत पर कैदी क्रमांक 11726 जो फरार हुए था उस मामले में पुलिस ने बीएनएस की 262-बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी कुलदीप राठौर को दुबारा जेल दाखिल कर दिया गया।

कार्यालय नगरपालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्र./300/लोनिवि/निर्माण/2026-27 कटनी, दिनांक 03/06/2026

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना (चतुर्थ चरण) के निम्नांकित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली के तहत पंजीकृत फर्मा से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। समस्त शर्त व जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन कार्य दिवस में https:/mptenders.gov.in में देखी जा सकती है।

टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
UAD_2026_514884_1	Square Development and Beautification Work	180 दिवस रू. 235,73 लाख	रू. 15,000 रू. 1,17,865	29/06/2026

नोट -निविदा सम्बन्धी समस्त संशोधन सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जायेंगे, समाचार फत्रों में नहीं ।

कार्यपालन यंत्री
वास्ते आयुक्त नगरपालिक निगम, कटनी

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - सिवनी (म.प्र.)

E-mail modgmseo@mp.gov.in

क्रमांक/खनिज/उ.प./I/1078298/2026 सिवनी, दिनांक:-09/06/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम,1996 के नियम 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा आवेदन प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री अविरल मिश्रा आ. श्री अशोक मिश्रा, नि. दुर्गाचैक छोटा जैन मंदिर के पास, घंसौर, तह. घंसौर व जि. सिवनी म.प्र. द्वारा उत्खनि पट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 24.04.2026 को प्रस्तुत किया गया है । इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 1/994171/2026/खनिज/उ.प./ सिवनी दिनांक 06.05.2026 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र हेतु पुनः दिनांक 24.06.2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन आनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं।आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे ।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
सिवनी	घंसौर	किंदरई	155	2.43 हे. मे से 1.10 हे.	शासकीय भूमि	बोल्डर, गिट्टी	
			कुल रकबा	1.10 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है ।2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदनपत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिजनियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा ।3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे।उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रो को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा ।4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है ता प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जासकेगा ।5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रो को विचार में नही लिया जाएगा।

सहायक खनि अधिकारी
वास्ते कलेक्टर, सिवनी

G-14310/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

पिता बंटाई पर खेती करके करते हैं परिवार का पालन-पोषण

दो वर्ष की उम्र में हो गया था पोलियो, अब आईआईटी में पढ़कर अपने पैरों पर खड़ा होगा दिव्यांग सावन

- जेईई एडवांस्ड में हासिल की पीडब्ल्यूडी एआईआर-22, कॉमन रैंक-17532, ओबीसी एनसीएल पीडब्ल्यूडी रैंक 9
- कोटा में पढ़कर बिहार के लाल ने पूरे किए सपने

कोटा। दो वर्ष की उम्र में पोलियो के कारण कमजोर सावन कुमार अब आईआईटी में पढ़कर अपने पैरों पर खड़ा होगा। बिहार समस्तीपुर के विभूतिपुर गांव से एजुकेशन सिटी कोटा आकर पढ़े सावन कुमार ने कामयाबी की कहानी लिखी है। एलन स्टूडेंट सावन कुमार ने जेईई-एडवांस्ड में आल इंडिया रैंक 17532 हासिल की है। इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी कैटेगरी में एआईआर-22 और ओबीसी एनसीएल पीडब्ल्यूडी रैंक-9 हासिल की है। एलन ने सावन के संघर्ष व प्रतिभा को पहचानते हुए फीस में 80 प्रतिशत की स्कॉलरशिप प्रदान की। सावन ने जेईई मेन में 99.1473246 पर्सेंटाइल स्कोर किया था।

सावन जब मात्र दो वर्ष का था तब पोलियो से ग्रस्त हो गया था। इसके कारण दोनों पैरों में लगभग 70 प्रतिशत लोकोमोटर डिसएबिलिटी विकसित हो गई, जिससे चलने में कठिनाई होती है, अभी भी चलने में परेशानी होती है। इस शारीरिक स्थिति को कभी कमजोरी नहीं बनने दिया। सावन एक साधारण किसान परिवार से है। पिता प्रभु राय के पास अपनी खेती की जमीन नहीं है और वे बंटाई पर खेती करके परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सावन की प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही एक स्कूल में हुई। बाद में प्रवेश परीक्षा में श्रेष्ठता साबित करते हुए बिहार के सिमुलतला आवासीय विद्यालय, जमुई में कक्षा 6 से 10 तक निशुल्क शिक्षा प्राप्त की। कक्षा 10 की बिहार बोर्ड परीक्षा में मेरिट सूची में 10वां स्थान हासिल करने के बाद परिजनों ने इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा भेजने का निर्णय लिया।

सावन का कहना है कि किसी भी प्रकार की शारीरिक कमी को अपनी कमजोरी न बनने दें। शिक्षा के माध्यम से खुद को सशक्त बनाएं और अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करें। देश के शीर्ष संस्थानों, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली या आईआईटी मद्रास में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई करना चाहते हैं। भविष्य में वे सिविल सेवा में जाकर समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्ग की सेवा करना चाहते हैं। सावन ने बताया कि उनके जीवन में परिवार की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। परिवार ने भी हमेशा सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित किया और कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि वे किसी तरह से पीछे हैं। इसके साथ ही कोटा में भी फैकल्टीज ने हौसला बढ़ाया और आगे बढ़ने के लिए सपोर्ट किया।

हर प्रतिभा के साथ है एलन

एलन के निदेशक नवीन माहेश्वरी ने बताया कि एलन हमेशा प्रतिभाशाली और जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के लिए तत्पर रहता है। सावन की लगन और उसकी सफलता अन्य विद्यार्थियों को लिए सीख और प्रेरणा है। हमें हालातों से नहीं घबराते हुए सिर्फ आगे बढ़ने और लक्ष्य हासिल करने के बारे में सोचना चाहिए।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
अग्रवाल मोत्र- गोयल उम्र- 34, हाइट 5'-10" व्यवसायी युवक खंडवा (म.प्र.) निवासी वर के लिए graduate एवं गृहकार्य में दक्ष वधु चाहिए। तलाकशुदा भी मान्य। सर्व वैश्य मान्य। वधु पक्ष कॉल, वाट्सएप करें- 9131604310 9300328290 मीठे व मधुर वचन बोलें

छोटा लिंग निराश क्यों?

जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। बर्सों की कमजोरी बामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 09083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा, दिनांक : 09.06.2026 यांत्रिक शाखा, सिंगल पैकेट सिस्टम संख्या. जबल–यॉंत्रिक–टेन्डर–18–2026 निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यॉंत्रिक इंजीनियर (कोचिंग). मंडल रेल प्रबंधक (यॉंत्रिक), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है । निविदा सूचना कमांक : JBP- M-Tender-18-2026 Dated 09.06. 2026, कार्य का नाम लोकशन सहित : कैवे डिपो जबलपुर के ABC और DCP टाईप फायर एक्सटिंग्विशर की रिफिलिंग, ओवरहॉलिंग, पेंटिंग और हाइड्रोलिक टेस्टिंग।, कार्य का अनुमानित मूल्य रूपये में : Rs 18,27,049.03, बयाना राशी रूपये में : Rs 36,00.00, समापन अवधि : 1095 Days, निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय : 02.07.2026 Upto 11.00 Hrs., निविदा खुलने की तिथि एवं समय : 02.07.2026 Upto 11.30 Hrs. उपरोक्त ई–निविदा की संपूर्ण जानकारी वेब साईट "https://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यॉंत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिये कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी।

हस्ता.
कृते मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

संदिग्ध परिस्थिति में निजी बस डिपो में लगी विकराल आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शहर के बसंतपुर थाना अंतर्गत आने वाले पाताल भैरवी मंदिर के पास एक निजी बस डिपो मे अचानक भीषण आग लग गई, डिपो में रखी पांच बसों में भीषण आग लग गई और आग इतनी भयानक थी कि पांचों बस पूरी तरीके से जलकर खाक हो गई हैं,वही दमकल की दो गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई थी,आग इतनी भीषण थी कि आसपास फैलने का डर था जिस पर दमकल की गाड़ियों ने काबू पाया हैं, वहीं आग लगने का कारण अज्ञात है पूरे मामले में बसंतपुर पुलिस जांच में जुटी हैं। 5 बस के अलावा और भी बस डिपो में खड़ी थी गनीमत यह रही कि आग अन्य वस्तु तक नहीं फैली। बस आग की चपेट में आई हैं, शुक्र है कि कोई जनहानि नहीं हुई हैं। फिलहाल आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है पुलिस के द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही हैं।

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

शब्द पहेली - 6256

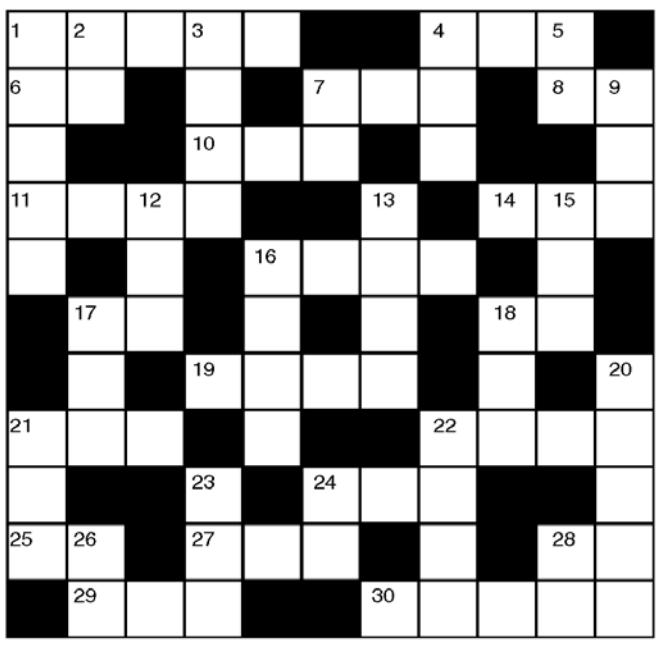

बाएँ से दाए
1. असह्य,नागवार-5
4. कली-3
6. पराया,पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी,सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल,धोखा-3
16. पक्षी,उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा,पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत,मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल,जान-2
27. रसदार-3
28. जगत,दुनिया-2
29. नग,मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र,राधेय-3
5. वश,अधीन-2
7. संपूर्ण,पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली,शुद्ध-3
13. हठ करना,रोना -4
15. हारा हुआ,पराजित-3
16. मशवरा,सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना,स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी,चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 6255 का हल

	अ	ह	म	क		जा	य	दा	द	
ल		क	म	र		न	म	न		अ
व	स		ता	त		का	ज		हा	र
कु	ली	न		ल	ह	र		रा	ज	मा
श	ब	न	म		म		आ	स	मा	न
			सा	फ	स	फा	ई			
अ	च	र	ज		फ		ना	ला	य	क
व	म	न		ह	र	म		ल	की	र
ता	न		स	जा		हा	र		न	त
र		क	र	म		व	ज	न		ब
	ग	फ	ल	त		त	क	दी	र	

सूडोकु नवताल - 6266

मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6265 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

हिन्दुजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कार्पोरेट कार्यालय: 167-169, द्वितीय तल, लिटिल माउंट मेट्रो स्टेशन, साईपेठ, चेन्नई- 600015
क्षेत्रीय कार्यालय - ऑफिस संख्या 153, पहली मंजिल, ऑर्बिट मॉल, विजय नगर चौक, ए.बी. रोड इंदौर, म.प्र. - 452010
Email - auction@hindujahousingfinance.com

परिशिष्ट IV कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

जहां तक अधोहस्ताक्षरी के अधिकृत अधिकारी होने के नाते हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (HHFL) के प्राधिकत अधिकारी और वित्तीय परिसंपत्तियो के पुरननिर्माण और सुरक्षा इंट्रेस्ट एक्ट 2002 के प्रवर्तन के तहत और सेक्शन 13(12) के तहत (प्रदत्त) शक्तियों के प्रयोग में सुरक्षा इंटरेस्ट (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाता है | उधारकर्ताओं को कंपनी के प्राधिकत अधिकारी द्वारा जारी किए गए नोटिस उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उललेखित राशि को चुकाने के लिए नीचे दिए गए निर्देशों का उल्लेख किया गया है उधारकर्ता राषि को चुकाने में विफल रहा है, इस बात की जानकारी उधारकर्ताओं, गारंटरो और आम जनता को दी गई है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्ति क अधिकार में नीचे व्रणित संपत्ति का अधिग्रहण कर लिया है, जो उस पर प्रदान की गई शक्तियों के खंड (4) के अधीन है। उक्त अधिनियम के 13 सुरक्षा SEC प्रवर्तन नियम 2002 के सह नियम (8) के साथ पढ़े जाते हैं। आम तौर पर जनता को इस बात के सावधान किया जाता है कि उधारकर्ता संपत्ति का सौदा न करें और संपत्ति के साथ किसी भी सौदे के लिए एचएफएल के बदलाव का विषय होगा। राशि के अनुसार ब्याज के साथ यहां उल्लेख किया है।

नाम और पता उधारकर्ता गारंटर / सहउधारकर्ता	डिमांड नोटिस तिथि देय राशि	सुरक्षित संपत्ति का विवरण	कब्जा तारीख एवं प्रकार
MP/JBR/KTNI/A000000447 श्री सिया शरण यादव श्रीमती फूल बाई, केशरी यादव भगवंतदीन यादव	19/03/2026 Rs. 2,59,265/-	खसरा क्रमांक 94/1/2, ग्राम पाली, आरएम दुब्बर, तहसील चंदिया, जिला उमरिया, मध्य प्रदेश- 484660, कुल क्षेत्रफल- 2071 वर्ग फुट। सीमाएँ इस प्रकार हैं: उत्तर - स्वामी की शेष भूमि, दक्षिण - सीताशरद की भूमि, पूर्व - स्वामी की शेष भूमि, पश्चिम - सीसी रोड	12/06/2026 Symbolic
MP/JBR/KTNI/A000000554 श्री अजीत साहू श्रीमती रेखा साहू	19/03/2026 Rs. 11,06,102/-	खसरा नंबर 812, पीएचएन नंबर 74, मौजा ग्राम तेवरी, स्लीमनाबाद, तहसील स्लीमनाबाद, कटनी, एमपी- 483440, कुल क्षेत्रफल- 1040 वर्ग फीट। इसकी सीमा - उत्तर - सड़क, दक्षिण - मुन्ना साहू का घर, पूर्व - ऋषि असाती का घर, पश्चिम - शोभा असाती	11/06/2026 Symbolic
MP/JBR/REWA/A000000579 श्री पंकज शुक्ला श्रीमती प्रियंका शुक्ला	19/03/2026 Rs. 18,64,264/-	खसरा 148/2, ग्राम मैदानी, जे एन नंबर 535, पटवारी हल्का करहिया 25, आर एन एम, रीवा (गिरद), तहसील हुजूरे, रीवा, मध्य प्रदेश - 486001। कुल क्षेत्रफल - 2400 वर्ग फुट। सीमाएँ इस प्रकार हैं: उत्तर में विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण में कोरी की भूमि, पूर्व में महेंद्र पांडे का भूखंड, पश्चिम में 20 फुट चौड़ी सड़क।	08/06/2026 Symbolic

यदि उक्त देनदार / गारंटर उक्त भुगतान एचएचएफएल को नहीं करते हैं, एचएचएफएल उक्त एक्ट की सेक्शन 13(4) व लागू नियमों के तहत पूरी तरह से देनदार / गारंटर के जोखिम, लागत व परिणामों के तहत सिक्योर्ड एसेट के खिलाफ कार्यवाही कर सकते है, विवरण हेतु संपर्क प्रा. अधिकारी संबंधित शाखा ऑफिस हिंदुजा हाऊसिंग फायनेंस लिमिटेड, ऑफिस संख्या 153, पहली मंजिल, ऑर्बिट मॉल, विजय नगर चौक, ए.बी. रोड इंदौर(म.प्र.) 452010 एवं मोबाईल नं. Mr. Vaibhav Shrivastava - 7987969803, Divyank Shrivastava - 8318225992

दिनांक - 14/06/2026 प्राधिकृत अधिकारी, हिन्दूजा हाऊसिंग, फायनेंस लिमिटेड

रिलेशनशिप का नया ट्रेंड
डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

हाल के वर्षों में एआई ने अनेक प्रोफेशंस में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है। अब प्रोफेशंस से भी आगे बढ़कर रिलेशनशिप में भी इसका दखल बढ़ने लगा है। इसका प्रमाण है, रियल के बजाय डिजिटल पार्टनर बनाने का बढ़ता ट्रेंड। यह ट्रेंड क्या है, यह क्यों बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके किस तरह के असर हम सभी को देखने को मिल सकते हैं, इसका डिटेल्ड एनालिसिस।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

भले ही आज यह बात आपको थोड़ा असहज कर सकती है, लेकिन यह सच है कि रिलेशनशिप का नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है, वो है डिजिटल गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड। डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड (जीएफ/बीएफ) कोई साधारण ट्रेंड नहीं है, बल्कि इंसानी रिश्तों के ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत है।

रियल पार्टनर जैसी फीलिंग

आज एआई आधारित एप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे रिपेलिका और करेक्टर एआई मौजूद हैं, जो यूजर के साथ उसी तरह रोमांटिक, भावनात्मक या निजी बातचीत करते हैं, जैसे ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड आपस में करते हैं। ये आपकी पसंद ही नहीं भावनाओं को भी समझते हैं, आपकी बातों पर प्रतिक्रिया देते हैं और पर्सनल पार्टनर जैसा अनुभव देते हैं।

करोड़ों लोग हैं एक्टिव

डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड कोई रेयर या एक्सेप्शनल फिनोमिना नहीं है। सच्चाई तो यह है कि अगर एआई कंपेनियनशिप एप्स के आंकड़ों को मानें तो इस समय दुनिया में 5 से 6 करोड़ जीएफ/बीएफ सक्रिय रूप में मौजूद हैं। पूरी दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो इनके साथ किसी न किसी रूप से चैटबॉट्स के जरिए जुड़ते हैं। इनमें सिर्फ रिपेलिका के ही 3-4 करोड़ यूजर हैं, जबकि करेक्टर एआई के 2 करोड़ सिर्फ मंथली एक्टिव यूजर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया के 21 फीसदी वयस्क एआई कंपेनियनशिप का इस्तेमाल कर चुके हैं और 72 फीसदी किशोर कम से कम एक बार ऐसे एआई से बातचीत की है। मतलब यह कि अब यह कुछ थोड़े से लोगों का शौक या प्रयोग भर नहीं है बल्कि यह बड़ी जनसंख्या का न्यू नॉर्मल व्यवहार है।

अपने देश में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। हालांकि भारत के अलग से सटीक आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इसका बढ़ता ट्रेंड साफ तौर पर देखा जा सकता है। और ऐसा हो भी क्यों न, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर देश है। भारत में एक अरब से ज्यादा मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं और इनमें 80 करोड़ से ज्यादा में इंटरनेट का इस्तेमाल होता है। अगर एआई एप्स डाउनलोड ग्रोथ 2023-24 को देखें, तो भारत में इसकी रफ्तार 1400 फीसदी रही है यानी, हाल के सालों में भारत में एआई एप्स को डाउनलोड करने की रफ्तार 14 गुना तक बढ़ी है। क्योंकि भारत में मोबाइल फोन के सबसे बड़े उपभोक्ता 18 से 30 साल के युवा हैं। इसलिए भी भारत में एआई कंपेनियनशिप की मांग अविश्वसनीय रफ्तार से बढ़ रही है। क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला यही वर्ग (18-30) सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर वर्ग है। इसके बावजूद भी यह कहा जा सकता है कि भारत में यह सिलसिला अभी शुरुआती चलन में है, भले इसकी रफ्तार बहुत तेज हो।

इस ट्रेंड के बढ़ने की वजहें

सवाल है, आखिर इंसानों को डिजिटल जीएफ और बीएफ तक जाने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यानी हम आखिर यहां पहुंचे क्यों और कैसे? इसका सबसे बड़ा कारण है लोगों में बढ़ता अकेलापन। शहरी जीवन, काम का दबाव, टूटते सामाजिक नेटवर्क और भावनात्मक सहारा ढूंढ़ते युवा। वास्तव में यही वजहें हैं, जिनके चलते पिछले कुछ सालों में ही डिजिटल जीएफ/बीएफ की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। असली रिश्तों में लगातार बढ़ती असहमति, समझौते और जिम्मेदारियां एआई रिश्तों की तरफ हमें मोड़ रही हैं, क्योंकि वहां इस तरह की दुश्वारियां या तो नहीं हैं या इतनी नहीं है कि परेशान करके रख दें। क्योंकि एआई रिश्ते 'कंट्रोल्ड' होते हैं और उनको संभालना आसान होता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई अब इस कदर एडवांस हो चुका है कि वह लोगों को 'सोचने और समझने' का भी भ्रम पैदा कर रहा है।

रियल रिलेशन होंगे वीक

इस उभरते नए डिजिटल रिलेशन को लेकर गंभीर सवाल यह है कि अगर इस सिलसिले को जल्द रोका न गया, तो क्या होगा? भले ही अभी यह ट्रेंड रोमांचित कर रहा है, लेकिन सच है कि इससे हमारे जैविक रिश्ते आने वाले दिनों में बेहद कमजोर हो सकते हैं। अगर संबंध विशेषज्ञों की मानें तो यह सिलसिला इसी तरह बेकाबू आगे बढ़ता रहा तो असली रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगेंगी। हममें से ज्यादातर लोगों के रिश्तों के नाम एआई पार्टनर होंगे, क्योंकि एआई पार्टनर झगड़ा नहीं करते और हमेशा आपकी हां में हां मिलाते हैं। इससे असली रिश्ते जटिल लगने लगते हैं और एआई रिश्ते आकर्षक हो जाते हैं। जो लोग हर दिन एआई के साथ एक से दो घंटे के लिए संपर्क में रहते हैं, उन्हें एआई से लगाव हो जाता है। वे उसे अपने पार्टनर के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। यह वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एडिक्शन। पर, यह उससे भी एक कदम आगे का एडिक्शन है, क्योंकि इससे हमारे न सिर्फ भावनात्मक रिश्ते पर चोट लग रही है बल्कि इसके कारण हमारे समाज का सदियों से मौजूद पारंपरिक ढांचा दरकने लगा है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

डिजिटल रिलेशन का असर सिर्फ भावनात्मक रिश्तों तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि बढ़ते जीएफ/बीएफ ट्रेंड के कारण हमारे युवाओं के मेंटल हेल्थ पर भी गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि शुरुआत में ये डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड भले राहत देते हों, लेकिन जब आप लगातार इनके टच में रहते हैं या इनका इस्तेमाल करते हैं, तो ये न केवल आपको अकेलेपन के दलदल में खींच ले जाते हैं बल्कि आपको कई तरह की हताशाओं और निराशाओं से भी भर देते हैं। अकसर एआई कंपेनियनशिप के साथ जो लोग खुश होते हैं, उन्हें नजदीक के इंसानों से रिश्ते बनाने में बड़ी मुश्किल लगती है और अगर किसी तरह से इनके रिश्ते बन भी गए, तो उन्हें यह रिश्ते बहुत पसंद नहीं आते। *

बढ़ सकती हैं कई तरह की समस्याएं

डिजिटल जीएफ/बीएफ का बढ़ता ट्रेंड सचमुच में डरावना है। इससे आने वाले समय में कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके बढ़ने से शादी और परिवार की संस्था कमजोर होगी। कस्टम पार्टनर की आदत यानी हम जैसा साथी चाहते हैं या दूसरे शब्दों में अपनी कल्पना के साथी की तलाश में रहने लगेंगे। अगर यह चलन इसी तरह तेजी से बढ़ता रहा, तो देश और दुनिया में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो जाएगी। कई विशेषज्ञों के मुताबिक तो अगले दो-तीन दशकों में अकेले रहने वाले लोग, साथ में रहने वाले लोगों से भी ज्यादा हो सकते हैं। इससे सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। यह ट्रेंड मानव समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

इंसानी सभ्यता की शुरुआत से ही हमेशा जवान, खूबसूरत दिखने की चाहत रही है। इसे पाने के लिए नेचुरल तरीकों से लेकर, साइंस, दवाएं और अब एआई तक का यूज किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही खूबसूरती का कोई पर्मानेंट सॉल्यूशन हमें मिल जाएगा।

पर्मानेंट खूबसूरती की चाहत
जल्द मिल सकता है सॉल्यूशन

{ टेक्नोसाइंस / प्रतिमा अरोड़ा }

इंसानी खूबसूरती का क्या कोई स्थायी और सार्वभौमिक फार्मूला हो सकता है? 19वीं शताब्दी से ही विज्ञान इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहा है। आधुनिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स और कॉस्मेटिक मेडिसिन का अब लगभग यह केंद्रीय विषय बन चुका है कि दुनिया भर के इंसानों के लिए एक सार्वभौमिक खूबसूरती का पैमाना क्या हो और इसे पूरी दुनिया के स्तर पर संभव कैसे बनाया जाए? यह सोच और यह खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंसान सदियों से सुंदर होने के उपाय खोजता रहा है। कभी प्राकृतिक नुस्खों से, कभी शल्य चिकित्सा से, कभी जीन एडिटिंग से, तो अब एआई आधारित तकनीकों से भी।

खूबसूरती की खोज की शुरुआत

19वीं सदी के अंत से ही वैज्ञानिक इंसान की स्थायी खूबसूरती का समाधान खोज रहे हैं। विशेषकर जब से शरीर रचना विज्ञान यानी एनाटॉमी और त्वचा विज्ञान यानी डर्मेटोलॉजी का व्यवस्थित विकास हुआ। तभी से विज्ञान कुछ बातों पर फोकस कर रहा है। जैसे-त्वचा की संरचना का विज्ञान क्या है और इसे हमेशा जवान कैसे बनाए रखा जा सकता है? आखिर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया क्या है और इसे कैसे रोका जा सकता है? हार्मोन और सौंदर्य के बीच क्या संबंध हैं, क्या हार्मोन में ही इंसानी सौंदर्य का रहस्य छिपा है? 20वीं सदी के मध्य में प्लास्टिक सर्जरी के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी लगभग चमत्कार की तरह उभरकर सामने आई। इस दौर में अनेक जैविक शोधों से यह स्पष्ट हुआ कि त्वचा का रंग, बालों की बनावट, चेहरे की आकृति और झुर्रियां इन सबका बड़ा हिस्सा जीन द्वारा नियंत्रित होता है। अतः जीन नियंत्रण का विज्ञान समझ लिया जाए तो एक तरह से खूबसूरती पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सौंदर्य का केंद्र जेनेटिक्स

साल 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट लांच हुआ और यह विज्ञान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे यह समझ में आया कि मानव शरीर में मौजूद हजारों जीन, हमारे शरीर की अलग-अलग संरचनाओं और गुणों के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध से पता चला त्वचा की मोटाई का कारण क्या है? कोलेजन का उत्पादन कैसे होता है? उम्र बढ़ने की गति क्या होती है? बाल झड़ते क्यों हैं? केंद्रीय रूप से इन सबके पीछे विशिष्ट कारण सिर्फ जीन हैं। आज वैज्ञानिक जीनों की पहचान करके एजिंग के रहस्य का पर्दाफाश करने में लगे हैं। इस शोध और लगातार कोशिश का निष्कर्ष यह है कि सैद्धांतिक रूप से जीन स्तर पर बदलाव करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है।

प्रभावी है कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी

हालांकि कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी अभी अस्थायी ही है। लेकिन निश्चित रूप से यह सौंदर्य विज्ञान का सबसे विकसित क्षेत्र है और एस्थेटिक मेडिसिन को भविष्य इंसान की खूबसूरती को स्थायी रूप देने में सक्षम माना जा रहा है। आज इसी विज्ञान के चलते-बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेजर स्किन रिसर्फेसिंग तथा केमिकल पिल्स जैसी प्रक्रियाओं से लोग अपनी झुर्रियां कम कर रहे हैं। त्वचा को चिकनी, मुलायम और टाइट रख पाने में सफल हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चेहरे को पसंदीदा आकृति देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी यह 100 फीसदी संभव नहीं है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ यह पहले से बेहतर होती जा रही है। इस बात का सबूत है कि बहुत जल्द इंसानी खूबसूरती का स्थायी समाधान बनकर कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी सामने आएगा।

जीन एडिटिंग में है भविष्य

साल 2012 के बाद जीन एडिटिंग तकनीक, जिसे सीआरआईएसपीआर-सीएएस-9 कहा जाता है, ने चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। इस तकनीक के जरिए वैज्ञानिक खराब जीन काट सकते हैं, नए जीन जोड़ सकते हैं, जीन के व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। ये सब सहूलियतें उम्मीद जता रही हैं कि भविष्य में इंसान गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया और जेनेटिक डिसऑर्डर से पार पाने में सफल रहेगा। एजिंग के प्रभाव को धीमा किया जा सकता है, बालों के झड़ने को रोका जा सकता है, त्वचा को युवा बनाए रखने की स्थायी तरकीब ढूंढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि सिर्फ सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए, जीन एडिटिंग की कवायद लगातार जारी है।

एआई और पर्सनलाइज्ड ब्यूटी

एआई आधारित सिस्टम के जरिए अब हम यह जान सकते हैं कि किसी व्यक्ति की त्वचा कितनी बूढ़ी है और वह किस रफ्तार से बूढ़ी हो रही है? वास्तव में इस सारी जानकारी को पर्सनलाइज्ड ब्यूटी प्लान के नाम से जानते हैं और इस प्लान के अस्तित्व में आने के बाद अब अलग-अलग इंसानों का स्वतंत्र रूप से खूबसूरत और स्वस्थ होना ज्यादा आसान और गारंटीड हुआ है। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि अब खूबसूरती का स्थायी समाधान हासिल करने में बहुत देर नहीं है। *

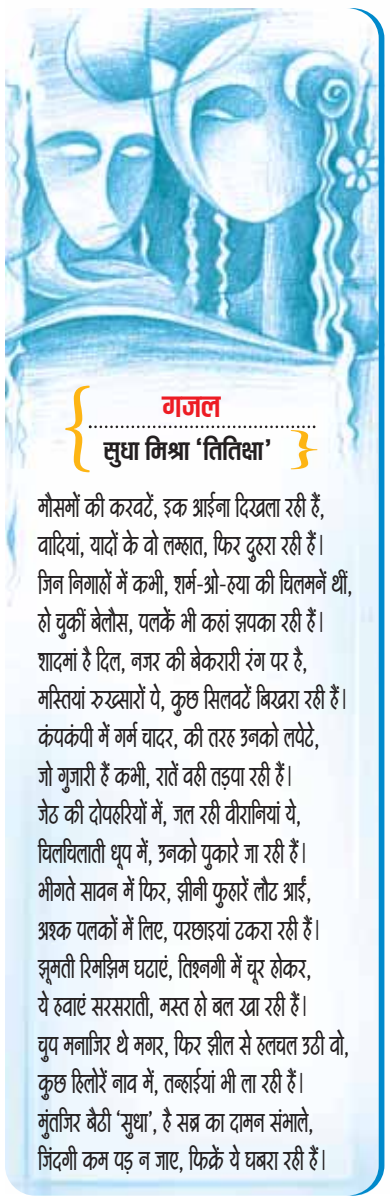

{ गजल / सुधा मिश्रा 'तितिक्षा' }

मौसमों की करवटें, इक आईना दिखला रही हैं,
वादियां, यादों के वो लम्हात, फिर दुहरा रही हैं।
जिन निगाहों में कभी, शर्म-ओ-हया की चिलमनें थीं,
हो चुकीं बेलौस, पलकें भी कहां झपका रही हैं।
शादमां है दिल, नजर की बेकरारी रंग पर है,
मस्तियां रुख्सारों पे, कुछ सिलवटें बिखरा रही हैं।
कंपकंपी में गर्म चादर, की तरह उनको लपेटे,
जो गुजारी हैं कभी, रातें वही तड़पा रही हैं।
जेठ की दोपहरियों में, जल रही वीरानियां ये,
चिलचिलाती धूप में, उनको पुकारे जा रही हैं।
भीगते सावन में फिर, झीनी फुहारें लौट आईं,
अश्क पलकों में लिए, परछाइयां ठिठका रही हैं।
झूमती रिमझिम घटाएं, तिश्नगी में चूर होकर,
ये ख्वाहें सरसराती, मस्त हो बल खा रही हैं।
चुप मनाजिर थे मगर, फिर झील से हलचल उठी वो,
कुछ हिलोरें नाव में, तन्हाईयां भी ला रही हैं।
मुंतजिर बैठी 'सुधा', है सब्र का दामन संभाले,
जिंदगी कम पड़ न जाए, फिक्रें ये घबरा रही हैं।

सभी करते थे बाबू जी का सम्मान

हिंदी के प्रख्यात कथाकार अमरकांत जी का यह जन्मशती वर्ष है। उनकी कहानियों और उपन्यासों से तो अधिकांश साहित्यप्रेमी परिचित हैं ही, पर उनके व्यक्तित्व और स्वभाव में उपस्थित सदाशयता, विनम्रता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उनके सुपुत्र अरविंद कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावभीनी स्मृतियां **हरिभूमि** से साझा कीं। दुर्भाग्य से कुछ माह पूर्व अरविंद जी का निधन हो गया।

{ स्मरण / अरविंद कुमार }

बाबू जी (अमरकांत जी) सपरिवार लखनऊ से जब करेलाबाग कॉलोनी (इलाहाबाद अब प्रयागराज) में आकर रहने लगे तो वहां एक अलग माहौल देखने को मिला। इस कॉलोनी में पांच सौ चार क्वार्टर्स हुआ करते थे, जिसमें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी रहा करते। वहां बहुत ही सुखद सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना, सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। हर तरफ हरियाली एवं सांस्कृतिक परिवेश का माहौल था। हमारे क्वार्टर के ठीक सामने एक बड़ा अमलतास का पेड़ था। गर्मियों में इसके फूल खिलते तो ऐसा महसूस होता था, जैसे पेड़ पीले गहनों से सजा हुआ है, एक बार नामवर सिंह जी दो-चार लोगों के साथ आए तो इस स्थान ने उन्हें अभिभूत कर दिया, वे बोले, 'अमरकांत जी हम लोग इसी मनोरम जगह पर बैठेंगे। सुबह का समय, यहां की अनुभूति कैसी होती है, महसूस किया जाए।' दरअसल, पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षियों का आवागमन, उनका कलरव मोहक लगता। इसीलिए आने वाले लोगों को यह स्थान मनोरम लगता।

कॉलोनी के बाहर की एक सड़क (नूर उल्लाह रोड, जो स्टेशन से सीधी करेली गांव तक जाती) पर मिस्टर रफी अहमद नाम के व्यक्ति का प्रेस एवं पेपर कटिंग मशीन लगी थी। इस स्थान पर रोजाना दो खेल शतरंज एवं कैरम सायं सात बजे से रात्रि बारह बजे तक नियम से खेला जाता। रफी साहब का बाबू जी से बहुत अच्छा संबंध था। बाबू जी को भी उक्त दोनों खेल पसंद थे। शनिवार के दिन अकसर वहां उनका इंतजार रहता। बगल के मोहल्ला रसूलपुर से भी शतरंज और कैरम में रुचि रखने वाले कुछ लोग आते, जिसमें दो नाम खासतौर पर मुझे याद हैं एक बहार आलम, जो पेशे से वकील, साहित्य कला में भी दिलचस्पी रखते थे। और उनके छोटे भाई नन्हे पहलवान भी उनके साथ आया करते थे। एक रोज की बात है, मां ने मुझसे कहा, 'रात अधिक हो गई है। रफी अहमद के यहां जाकर देखो बाबू जी अभी आए क्यों नहीं?' मैं कुछ ही समय पश्चात वहां पहुंच गया। खेल में बड़ी खामोशी थी। शतरंज की अंतिम बाजी पर लोगों की निगाहें गड़ी हुई थीं। कई शोहरतमंद गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में खेल हो रहा था। उर्दू अनुवादक हुनर साहब, स्थानीय विधायक हबीब अहमद आपस में बाजी लगा बैठे थे। बाबू जी की दूसरी तरफ खिलाड़ी बहार आलम थे। पंद्रह मिनट का समय लगा, बाजी बाबू जी ने अपने पक्ष में कर ली। सभी बाबू जी को बधाई देने लगे। पर वे बहार आलम के खेल की सराहना करते जा रहे थे, 'बहुत अच्छा खेला आपने।' बाबूजी का स्वभाव ऐसा ही था, उनमें दंभ जरा भी नहीं था।

बाबूजी से जुड़ी एक और स्मृति याद आ रही है। अक्टूबर 1987 का दिन, वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। वे मेटाबॉलिक बोन डिजीज से ग्रसित हो गए। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड में इंफेक्शन हो गया था। प्रारंभ में कई डॉक्टरों से संपर्क किया गया, डॉक्टरों ने जॉगिंग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी। उन्हें पेनकिलर के सहारे मुक्त कर दिया गया। समस्या यह हो गई कि उन्हें कोई भी खान-पान की चीज अच्छी नहीं लग रही थी और उनके बैक बोन में असहनीय दर्द था। मेडिकल कॉलेज के हड्डी के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने कहा,'घबराने की बात नहीं है उम्र का तकाजा है।' जबकि ऐसी भी उम्र नहीं थी कि उस पर दोष मढ़ा जाए। बहरहाल, वे घर आ गए। मगर समस्या जस की तस बनी रही।

वे उन दिनों महिलाओं की पत्रिका 'मनोरमा' का संपादन कर रहे थे, किंतु स्वास्थ्य की वजह से असमर्थ हो गए थे। इसकी जानकारी डॉ. शांति चौधरी जी को हुई तो वे भागे-भागे घर पर आईं और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अगले दिन इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में वीआईपी वार्ड बुक करवाया। सभी चेकअप हुए। जानकारी मिली कि बाबू जी का हीमोग्लोबिन चार प्रतिशत पर आ गया है, जोकि बहुत ही चिंताजनक था। नामी विशेषज्ञ डॉक्टर ने देखा। बाबू जी दो दिन अस्पताल में रहकर वापस घर आ गए। शांति चौधरी जी, बाबू जी को पिता तुल्य मानती थीं। हम लोगों का उनसे बहुत आत्मीय रिश्ता रहा है। वह 'मनोरमा' से विशेष कार्याधिकारी के रूप में जुड़ी थीं और इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में पीआरओ के पद पर थीं।

कुछ दिनों तक जब बाबू जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिंता हुई। तभी उन्हें देखने के लिए एस. के. दुबे आए जो टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ थे। उन्होंने बताया डॉ. आर. सी. गुप्ता ऑस्ट्रेलिया से आ गए हैं, एक बार उन्हें बाबू जी को दिखाया जाएगा। उस समय रात्रि के आठ बजे हुए थे। लेकिन मुझे दूसरे दिन पर न टालकर रात्रि में ही ले जाना उचित लगा।

क्लीनिक बंद होने का समय रात्रि नौ बजे तक था। हम लोग पौने नौ बजे अस्पताल पहुंच गए। काउंटर बंद हो रहा था। डॉक्टर के असिस्टेंट डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि आप फीस जल्दी जमा कर दें, डॉ. साहब उठने वाले हैं। तभी डॉ. आर. सी. गुप्ता हम लोगों के समीप आए। उनकी पोशाक, पैर में खड़ाऊ और खद्दर का कुर्ता-पाजामा। पूछा, 'इन्हें क्या हो गया?' मैंने सभी बातें बताईं। उन्होंने असिस्टेंट डॉ. सिंह से कहा कि उस जगह का एक्स-रे करें जहां दर्द है। मैंने बताया प्रेस में जॉब करते हैं। फिर उनका सवाल था खड़े होकर काम करते हैं या बैठकर? मैंने कहा, 'बैठकर ही करते हैं।'

डॉक्टर गुप्ता ने पूछा, 'प्रेस कहां पर है?' जब मैंने प्रेस का नाम बताया, तो बोले, 'अरे यह प्रेस तो बहुत बड़ा है। यहां से तो पांच-छह मशहूर पत्रिकाएं निकलती हैं माया, मनोरमा, सत्यकथा, मनोहर कहानियां, प्रोब इंडिया। मनोरमा के संपादक तुम्हारे पिता के नाम वाले ही हैं, उनका नाम अमरकांत है, मगर वह बड़े राइटर हैं।'

मैंने जब उनसे कहा कि वे यही हैं। इस पर पहले तो डॉक्टर साहब मुझे कुछ सेकेंड एकटक देखते रहे फिर उठकर एक्स-रे रूम में गए। कुछ सेकेंड में डॉक्टर ए. के. सिंह जी बाहर आए और रसीद काउंटर रूम में गए। मेरे जमा किए गए पैसे लाकर विनम्रतापूर्वक मुझे दे दिए। बोले, 'डॉक्टर साहब ने पैसे वापस करने के लिए कहा है।' डॉक्टर आर. सी. गुप्ता पंद्रह-बीस मिनट में अपने चैंबर में वापस आ गए, बोले, 'जो मुझे शक था वही निकला।' उन्होंने अपने क्लीनिक से पूरे एक माह की दवा मुझे दी। मैं पैसे निकालने लगा, तो मना कर दिया, फिर बोले 'इनका पूरा इलाज मैं करूंगा। आपको कोई तनाव नहीं लेना है। मैं आपके साथ हूं। मुझे अमरकांत जी की सेवा करने का मौका मिला, मेरा सौभाग्य है। मैं कमिश्नर, मंत्री के घर नहीं जाता हूं, लेकिन मैं आपके घर नियमित आकर इनको देखूंगा। अस्पताल आने की जरूरत नहीं है, घर पर ही सभी इंतजाम करवा दूंगा।' उन्होंने सच में ऐसा ही किया। घर पर ही बाबू जी को ट्रैक्शन लगवाया, साथ ही कमर से लेकर छाती तक प्लास्टर भी करवाया। छह माह तक वे बाबू जी को देखने घर नियमित आते रहे, न कभी फीस लिया और दवा, इंजेक्शन के खर्च से भी मुक्त रखा। बाबू जी छह माह ट्रैक्शन, प्लास्टर और दवा पर रहे, सीधे लेटे रहते। मर्ज जरूर दूर हो गया किंतु स्पाइनल कॉर्ड डिफार्म हो गया। बाबू जी को कष्ट तो बहुत रहा लेकिन डॉक्टर आर. सी. गुप्ता जैसे लोगों का उनके प्रति आदर और प्रेम देखकर मैं अभिभूत हो जाता था। बाबू जी इतने बड़े लेखक-संपादक थे लेकिन उनका व्यक्तित्व इतना सरल रहता कि हर कोई उनका सम्मान करता था। *

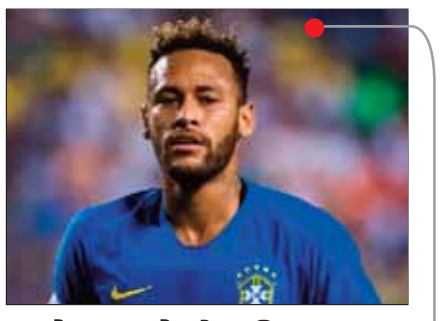

मोरक्को के खिलाफ नहीं खेलेंगे नेमार

न्यू जर्सी। फीफा वर्ल्ड कप में मोरक्को के खिलाफ होने वाले अपने पहले मुकाबले में ब्राजील फुटबॉल टीम स्टार खिलाड़ी नेमार के बिना खेलेगी। टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के अनुसार, पिंडली की चोट से उबर रहे नेमार पूरे ग्रुप स्टेज में शायद सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। कोच एंसेलोटी ने कहा कि नेमार में सुधार हो रहा है, लेकिन वह अभी वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, वह जल्द से जल्द फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह अगले हफ्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट पाएंगे।

स्पेन टीम में यामल, विलियम्स और मुनोज ने की वापसी

गुआडालाजारा। स्पेन सोमवार को केप वर्डे के खिलाफ विश्व कप फुटबॉल के अपने पहले मैच में पूरे दलबल के साथ उतरेगा क्योंकि लामिन यामल और निको विलियम्स के बाद फॉरवर्ड विक्टर मुनोज ने भी पूरी तरह फिट होकर वापसी कर ली है। स्पेन की टीम विश्व कप से पहले कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही थी, जिससे उसे अपनी तैयारियों में बदलाव करने पड़े। मिकेल मेरिनो और फैबियान रुइज भी चोटिल थे, लेकिन बाद में वे टीम में वापस आ गए।

अमेरिका की सबसे बड़ी जीत, पराग्वे को 4-1 से रौंदा

अमेरिकी टीम ने रचा इतिहास पहले हाफ में दागे तीन गोल

इंगलवुड (कैलिफोर्निया)। फोलारिन बालोगुन ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिससे अमेरिका ने अपनी घरेलू धरती में 32 वर्षों में पहली बार खेले जा रहे फुटबाल विश्व कप में पराग्वे पर 4-1 की धमाकेदार जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

अमेरिका की विश्व कप में यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इस टूर्नामेंट में कभी तीन से अधिक गोल नहीं किए थे। यही नहीं अमेरिकी टीम ने पहले हाफ में तीन गोल दागे, जो विश्व कप में उसका रिकॉर्ड है।

पुलिसिच का शानदार प्रदर्शन

क्रिश्चियन पुलिसिच ने पहले हाफ में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल करने में मदद की। अमेरिका ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन उसने खाता आत्मघाती गोल से खोला था। बालोगुन ने 31वें और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करके अमेरिका को मध्यांतर तक 3-0 से आगे रखा था। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के आखिरी क्षणों में जियो रेना ने एक और गोल दागा। इस तरह से अमेरिकी टीम ने विश्व कप के किसी मैच में पहली बार चार गोल किए। अमेरिका ने चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में अपने चार मैचों में कुल मिलाकर केवल तीन गोल किए थे।

मॉरीसियो ने किया पराग्वे की तरफ से एक गोल

पराग्वे की तरफ से एकमात्र गोल मॉरीसियो ने 73वें मिनट में किया, लेकिन 16 साल में अपना पहला विश्व कप खेल रही दक्षिण अमेरिका की यह टीम शुरू में पिछड़ने के बाद किसी भी समय वापसी नहीं कर पाई।

अमेरिकी टीम का खेल देखने स्टेडियम में उमड़े 70492 दर्शक

इंगलवुड। खचाखच भरे स्टेडियम में अमेरिकी टीम की जर्सी पहने और चेहरे पर देश के झंडे के लाल सफेद और नीले रंग पुते दर्शक अमेरिका के किसी भी स्टेडियम में दिख जाएंगे लेकिन इस बार पहली बार ये दर्शक फुटबॉल के लिए उमड़े थे । विश्व कप के सह मेजबान अमेरिका के पहले मैच में लॉस एंजिलिस के पास स्टेडियम में 70492 दर्शक आए, जिन्होंने अपनी टीम को पराग्वे पर 4-1 से जीत दर्ज करते देखा। हजारों डॉलर खर्च करके अमेरिका को ऐसे खेल के महासमर में अपनी सरजमीं पर खेलते देखने ये दर्शक आए थे, जो खेल देश में लोकप्रियता खोता जा रहा था। अधिकांश प्रशंसकों का कहना है कि बचपन में मनोरंजन क्लबों के लिये फुटबॉल खेलते हुए वे बड़े हुए हैं। लॉस एंजिलिस में रहने वाली 37 वर्ष की नकिशा गुतिरेज और उनकी बहन दोनों फुटबॉल खेलती हैं।

1930 के बाद 2 गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने बालोगुन

इंगलवुड। अमेरिका के नए फुटबॉल नायक बने फोलारिन बालोगुन तीन में से किसी भी देश के लिए खेल सकते थे। लेकिन उन्होंने अमेरिका को चुना और अब विश्व कप फुटबॉल में पहले मैच में उन्होंने दो गोल करके अपनी टीम को पराग्वे पर 4-1 से शानदार जीत दिलाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम की मौजूदगी में बालोगुन 1930 के बाद विश्व कप के किसी मैच में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गए। उस समय बर्ट पटेनाउड ने पराग्वे के खिलाफ ही अमेरिका की 3-0 की जीत में तीनों गोल किए थे, जो विश्व कप के इतिहास में पहली हैट्रिक थी।

कैंसस सिटी में चोरी हुए इंग्लैंड टीम के उपकरण

कैंसस सिटी । फीफा वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती मुकाबले से पहले इंग्लैंड फुटबॉल टीम की तैयारियों को बड़ा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम के कुछ ट्रेनिंग उपकरण कैंसस सिटी पहुंचने के दौरान चोरी हो गए हैं। इस मामले की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है। बताया जा रहा है कि इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग सामान फ्लोरिडा स्थित प्री-टूर्नामेंट ट्रेनिंग कैंप से कैंसस सिटी के स्वोप सॉकर विलेज भेजा जा रहा था। इसी दौरान सामान ले जा रही गाड़ी से कुछ उपकरण गायब हो गए। इंग्लैंड की टीम कैंसस सिटी पहुंचने वाली थी और वहां अभ्यास शुरू करने की तैयारी कर रही थी। स्थानीय पुलिस ने पुष्टि की है कि इस मामले को चोरी के रूप में दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कनाडा को 1 पॉइंट हासिल करने में लगे 40 साल

टोरंटो। कनाडा ने शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-1 से ड्रॉ पर रोककर विश्व कप फुटबॉल में अब तक खेले गए अपनी कुल सात मैचों में पहली बार अंक हासिल किया। इससे पहले कनाडा टीम 1986 में मैक्सिको में और 4 साल पहले कतर में हुए विश्व कप में अपने सभी मैच हार गई थी। स्टेडियम जब कनाडा की लाल जर्सी के रंग में रंगा हुआ था और दर्शक 'गो कनाडा' के नारे लगा रहे थे तब उसकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जिससे दर्शक सन्न रह गए। बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए जोवो लुकिच ने 21वें मिनट में कॉर्नर किक पर हेडर से गोल दागा। कनाडा की टीम और उसके प्रशंसकों ने हालांकि भरोसा बनाए रखा और आखिर में उसे 78वें मिनट में जश्न मनाने का मौका मिल गया जब स्थानापन्न खिलाड़ी साइल लारिन ने बराबरी का गोल किया। ऐसे में लारिन ने मैदान पर उतरने के महज दो मिनट बाद ही प्रॉमिस डेविड के पास को गोल में बदल दिया।

- कनाडा ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-1 से ड्रॉ पर रोक

प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना अद्भुत अहसास

लारिन के लिए यह और भी बेहतर अनुभव था, जो आमतौर पर शुरुआती लाइनअप में होते हैं, लेकिन उन्हें दूसरे हाफ के आखिर क्षणों तक बेंच पर बैठकर मैच देखना पड़ा। लारिन ने कहा, 'अपने गृहनगर में गोल करना और प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना अद्भुत अहसास है। माहौल शानदार था।' लारिन का यह गोल विश्व कप में कनाडा का केवल दूसरा गोल था। बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए गोल करने वाले लुकिच को भी शुरुआती एकादश में जगह नहीं मिलती लेकिन एडिन डेजेको (कंधे में चोट) और हारिस तबाकोविच (चोट का कारण अज्ञात) के चोटिल होने के कारण उन्हें शुरू में ही मैदान पर उतारा गया और वह अपेक्षाओं पर खरे उतरे। बोस्निया-हर्जेगोविना दूसरी बार विश्व कप में हिस्सा ले रहा है।

खबर संक्षेप

शिर्से ने बाधा दौड़ में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

लुधियाना। तेजस शिर्से ने इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 में शनिवार को पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। रिलायंस फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व कर रहे 24 वर्षीय शिर्से ने 13.27 सेकंड का समय लेकर अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने अपना पिछला रिकॉर्ड 2024 में 13.41 सेकंड के समय के साथ बनाया था। शिर्से ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए निर्धारित किए गए क्वालीफाइंग मार्क 13.39 सेकंड से भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले महीने रांची में फेडरेशन कप में 13.50 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता था। शिर्से का 13.27 सेकंड का समय एशिया में इस सत्र का छठा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

जसपाल राणा का निधन अपूरणीय क्षतिः भाकर

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने अपने कोच जसपाल राणा के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक जसपाल के मार्गदर्शन में मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीते थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट में मनु ने अपनी और राणा की तीन तस्वीरें साझा करते हुए लिखा,' अपूरणीय क्षति।' मनु देहरादून में राष्ट्रीय शिविर में भाग ले रही है। राणा का पार्थिव शरीर जब देहरादून लाया गया तो वह मौजूद थी और अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सकीं।

एफआईएस ने स्की और स्नोबोर्ड को दी मान्यता

बेलग्रेड। अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड महासंघ (एफआईएस) ने भारतीय स्की स्नोबोर्ड (एसएसआई) की मान्यता रद्द करते हुए भारतीय स्की और स्नोबोर्ड संघ (बीएसएसए) को देश में इस खेल के संचालन के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय महासंघ के रूप में पूर्ण सदस्यता प्रदान की है। एफआईएस ने इस तरह से अपने 57वें सम्मेलन के दौरान भारत के राष्ट्रीय शीतकालीन खेल महासंघ से जुड़े लंबित विवाद का समाधान कर दिया।

महिला टी20 विश्व कप : भारत और पाकिस्तान में हाई-वोल्टेज मैच आज, टीम इंडिया का पलड़ा भारी

टी20 में दोनों टीमों में हुई 16 बार भिड़ंत, 13 मुकाबलों में जीती भारतीय टीम

नई दिल्ली । महिला टी20 विश्व कप 2026 में रविवार को भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम पाकिस्तान पर हावी रही है। टी20 इंटरनेशनल में भारत और पाकिस्तान की अब तक कुल 16 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से 13 मुकाबलों में जीत भारतीय टीम के हाथ लगी है। सिर्फ 3 मुकाबलों में ही पाकिस्तान की टीम जीत दर्ज कर सकी है। भारतीय टीम रविवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में अपने दमदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम और पाकिस्तान की आखिरी भिड़ंत साल 2024 में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप के दौरान हुई थी, जहां भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी।

भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (वीसी), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, याजक पाटिल, श्रीदेवी, यतिका भाटिया।

पाकिस्तान टीम

फातिमा सना (कप्तान), गुल फिरोजा, आयशा जफर, इरम जावेद, अयमान फातिमा, आलिया रियाज, नतालिया परवेज, सायरा जबीन, मुनीबा अली, तुबा हसन, रामिन शमीम, सादिया इकबाल, नशरा संधू, डायना बेग, तस्मिया रुबाब।

मैच शाम 7 बजे शुरू होगा। सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स टीवी चैनल पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध होगी।

विदेशी खिलाड़ियों के मामलों पर हस्तक्षेप नहीं करेगा बीसीसीआई

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

हाल में खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग सत्र के दौरान फ्रेंचाइजी की चिंताओं के बावजूद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) विदेशी खिलाड़ियों और उनकी टीम के बीच उनकी उपलब्धता को लेकर कोई मध्यस्थता नहीं करेगा। बीसीसीआई ने उन विदेशी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, जो नीलामी में खरीदे जाने के बाद टूर्नामेंट से हट जाते हैं। लेकिन दो महीने तक चलने वाले आईपीएल में खिलाड़ियों की उपलब्धता अभी भी एक मुद्दा बनी हुई है।

जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे खिलाड़ी मामूली चोटों के कारण टूर्नामेंट के शुरूआती हिस्से में उपलब्ध नहीं थे। स्टार्क की अनुपस्थिति का दिल्ली कैपिटल्स पर प्रतिकूल असर पड़ा।

बेहतर तालमेल की जरूरत

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने प्लेऑफ अभियान के बाद सैम करन के चोट के कारण आईपीएल से हटने के बाद ब्रिटेन में टी20 खेलने पर निराशा व्यक्त की थी। पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन का कहना है कि बीसीसीआई और अन्य बोर्डों को विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर बेहतर तालमेल बिठाने की जरूरत है। संगकारा ने कहा था, 'हमें बताया गया था कि सैम करन को ऐसी चोट लगी है, जिससे वह पूरे सत्र के लिए बाहर हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ओपन

सेमीफाइनल में हारी सिंधू 17 महीने का इंतजार बरकरार

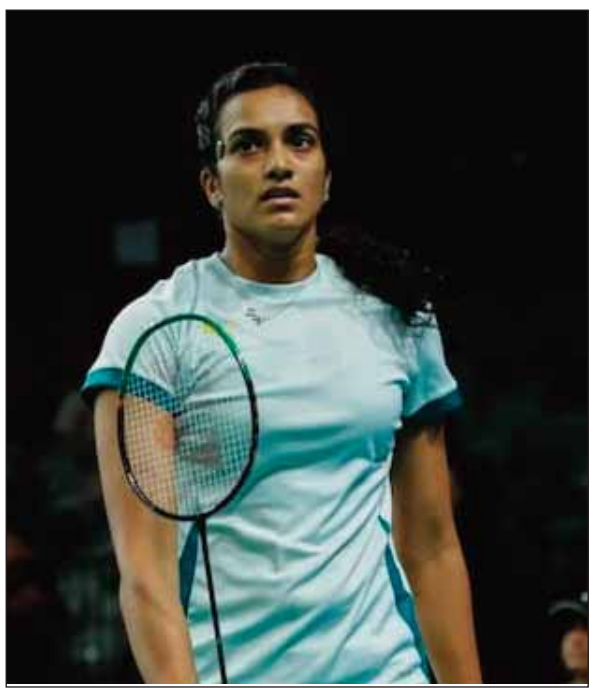

एजेंसी ▶▶| सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को ऑस्ट्रेलिया बैडमिंटन ओपन के सेमीफाइनल में जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से सीधे गेम में पराजित हो गईं, जिससे इस भारतीय खिलाड़ी का बीडब्ल्यूएफ खिताब का इंतजार बरकरार रहा। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिंधू को यहां तीसरी वरीयता मिली थी। उन्होंने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी लेकिन 43 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची से 20-22, 12-21 से हार गईं। सिंधू के बाहर होने के साथ ही इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया।

सिंधू ने पहले गेम में किया डटकर सामना

सिंधू ने पहले गेम में यामागुची के हर शॉट का डटकर सामना किया। दोनों खिलाड़ियों ने लगातार छह-छह अंक हासिल किए, लेकिन भारतीय खिलाड़ी अपने गेम प्वाइंट को अंक में बदलने में नाकाम रहीं। यामागुची ने संयम बनाए रखते हुए पहला गेम जीत लिया।पर दूसरे गेम में खेल का रुख पूरी तरह बदल गया। यामागुची ने लगातार आठ अंक बनाकर 13-6 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में अपना दबदबा बनाए रखते हुए आसानी से मैच जीत लिया। अब जापानी खिलाड़ी महिला एकल के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी।

केरल में विश्व कप की दीवानगी, अर्जेंटीना फैंस ने बनाया तैरता हुआ स्टेडियम

एजेंसी ▶▶| कोझिकोड

केरल में फुटबॉल विश्व कप की दीवानगी चरम पर है, जहां सड़कों और गांवों में लियोनेल मेसी, नेमार और क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे सितारों तथा अर्जेंटीना, ब्राजील और पुर्तगाल जैसी टीमों के पोस्टर, फ्लेक्स और कटआउट बड़ी संख्या में लगाए जा रहे हैं।

लोग अपने घरों को भी अपनी पसंदीदा टीमों के रंगों से सजा रहे हैं। सबसे ज्यादा सुर्खियां हालांकि

पुल्लावूर गांव में नदी के बीचों-बीच बने एक अनोखे स्टेडियम को मिल रही हैं, जिस पर अर्जेंटीना की पूरी टीम के कटआउट लगाए गए हैं।

दिग्गज खिलाड़ियों के लगाए विशाल कटआउट

इस फ्लोट (मंच) के निर्माताओं का कहना है कि उन्हें पूरा भरोसा है कि इस बार भी अर्जेंटीना ही विश्व कप जीतेगी। टीवी चैनलों की तस्वीरों में बच्चे और बड़े इस फ्लोट पर चलते, फोटो खिंचवाते और सेल्फी लेते नजर आ रहे हैं। आयोजकों ने यह भी बताया है कि इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि तेज हवा, भारी बारिश या नदी का जलस्तर बढ़ने पर भी यह न तो डूबेगा और न ही पलटेगा।

काउंटी डेब्यू पर चमके सुथार, यॉर्कशायर के खिलाफ झटके 2 विकेट

एजेंसी ▶▶| स्कारबोरो

भारत के लिए टेस्ट में यादगार पदार्पण करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन वन में वारविकशर की ओर से पदार्पण मैच में यॉर्कशर के खिलाफ पहले दिन 2 विकेट हासिल किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ इस सप्ताह खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में 7 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने सुथार ने यॉर्कशर के खिलाफ 76 रन पर 2 विकेट झटके। यॉर्कशर ने दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 398 रन बनाए थे। इस 23 साल के गेंदबाज ने अपने काउंटी करियर का पहला विकेट यॉर्कशर के

तीसरे क्रम के बल्लेबाज सैम व्हाइटमैन के रूप में लिया। व्हाइटमैन 55 रन बनाकर आउट हुए। सुथार ने दिन के अंतिम लम्हों में सलामी बल्लेबाज विलियम लक्सटन को पगबाधा आउट कर यॉर्कशर को बड़ा झटका दिया। लक्सटन ने 261 गेंदों पर 167 रन की मैराथन पारी खेली।

उनादकट ने 29 रन देकर चटकाए 4 विकेट

इस बीच, भारत के अनुभवी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने भी ससेक्स के लिए अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने ग्लैमरगन के खिलाफ 14.2 ओवर में 29 रन देकर चार विकेट चटकाए। उनादकट की घातक गेंदबाजी की बदौलत ग्लैमरगन की टीम 51.2 ओवर में 155 रन पर सिमट गई। उनादकट ने 2024 में ससेक्स के साथ दो वर्ष का अनुबंध करने के बाद काउंटी टीम के लिए दोबारा खेलना शुरू किया है।

महिला टी20 विश्व कप : इंग्लैंड का शानदार आगाज, श्रीलंका को दी करारी शिकस्त

इंग्लैंड ने बनाया 219 रन का स्कोर, श्रीलंका टीम ढेर

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

सलामी बल्लेबाज डैनी वायट हॉज के नाबाद शतक की मदद से इंग्लैंड ने श्रीलंका को 87 रन से हराकर महिला टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। वायट हॉज ने नाबाद 105 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 1 विकेट पर 219 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

यह टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर है। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 132 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से केवल 4 बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें नीलशिखा सिल्वा ने

श्रीलंका के केवल 4 बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे

सर्वाधिक 39 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से बाएं हाथ की तेज गेंदबाज फ्रेया केम्प ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 21 रन देकर 4 विकेट लिए, जिसमें एक ओवर में 3 विकेट शामिल हैं।

वायट हॉज और एमी जोन्स ने की 135 की साझेदारी

वायट हॉज और एमी जोन्स ने इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाई। जोन्स को 12 और 48 रन पर जीवनदान मिला और वह 38 गेंद में 53 रन बनाकर आउट हो गईं। लेकिन उनकी और वायट हॉज की 135 रन की साझेदारी टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की तरफ से पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

एडवर्ड्स से आगे निकलीं कप्तान ब्रंट

पिंडली में चोट से उबरकर वापसी करने वाली कप्तान नैट साइवर ब्रंट को 14 रन पर जीवनदान मिला। लेकिन 22 गेंदों पर उनकी नाबाद 46 रन की पारी ने उन्हें पूर्व कप्तान और वर्तमान में इंग्लैंड की कोच शार्लोट एडवर्ड्स से आगे निकलकर टी20 विश्व कप में इंग्लैंड की सर्वोच्च रन स्कोरर बना दिया। साइवर ब्रंट के नाम पर अब 784 रन दर्ज हैं जबकि एडवर्ड्स ने 768 बनाए थे। साइवर ब्रंट ने 97 रन पर खेल रही वायट हॉज को पारी की आखिरी दो गेंदें खेलने का मौका दिया। उन्होंने तुरंत चौका लगाकर शतक पूरा किया। वायट हॉज ने अपनी 62 गेंद की पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया।

छह रुपया कोर्ट फीस राज्य बदलने पर हो गई थी डेढ़ लाख

ट्रांसफर और रिफंड के बीच उलझी फाइल 1.50 लाख कोर्ट फीस लौटाने के आदेश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में अदालतों के बीच स्थानांतरित होते रहे आपराधिक प्रकरण में जमा 1.50 लाख रुपये की कोर्ट फीस लौटाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। जस्टिस बीपी शर्मा की सिंगल बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता को न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक वित्तीय भार नहीं उठाना चाहिए, जब मामला अंततः मूल क्षेत्राधिकार से बाहर चला गया हो। प्रकरण के अनुसार, शिकायतकर्ता की ओर से प्रारंभ में ओडिशा के भुवनेश्वर न्यायालय में छह रुपये की नाममात्र कोर्ट फीस के साथ मामला दायर किया गया था। बाद में सर्वोच्च न्यायालय के दशरथ रूपसिंह राठौर बनाम महाराष्ट्र राज्य फैसले के आलोक में मामला

जबलपुर स्थानांतरित किया गया। इसके अनुपालन में याचिकाकर्ता ने मध्य प्रदेश के जेएमएफसी न्यायालय, जबलपुर में 1.50 लाख रुपये की कोर्ट फीस जमा की।

इसके बाद विधिक प्रावधानों में संशोधन और धारा 138 (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) से जुड़े बदलावों के कारण मामला पुनः ओडिशा स्थानांतरित हो गया। इस दोहरे स्थानांतरण के चलते कोर्ट फीस जबलपुर में ही जमा रह गई और वापसी की मांग की गई। न्यायालय ने रिकार्ड और दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद माना कि जब मामला अंततः भुवनेश्वर, ओडिशा वापस चला गया है, तो जबलपुर न्यायालय में जमा की गई फीस का कोई औचित्य नहीं बचता। इसी आधार पर कोर्ट ने याचिकाकर्ता को राहत देते हुए कहा कि उसे फीस वापसी का अधिकार है। अदालत ने मध्य प्रदेश शासन के राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देशित किया है कि वे जेएमएफसी, जबलपुर में जमा 1.50 लाख रुपये की कोर्ट फीस की राशि शीघ्र वापस करने की आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। पूरी प्रक्रिया तीन माह की समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अंत में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि याचिका धारा 482 सीआरपीसी (अब बीएनएसएस, 2023 की धारा 528) के अंतर्गत स्वीकार की जाती है और राहत प्रदान की जाती है। निर्णय ने न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक वित्तीय जटिलताओं पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी दर्ज की है, जो भविष्य में ऐसे मामलों के लिए न्याय दृष्टांत बन सकता है।

ट्रांसफर आदेश के एक वर्ष बाद रिलीव करने का मामला

स्थानांतरण आदेश पर अंतरिम रोक, नायब तहसीलदार कटंगी को कार्यस्थल पर बने रहने की अनुमति

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने 17 जून, 2025 को जारी कटंगी नायब तहसीलदार के स्थानांतरण आदेश के प्रभाव व संचालन पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने निर्देशित किया है कि याचिकाकर्ता को वर्तमान पदस्थापना स्थल नायब तहसीलदार, कटंगी, जिला जबलपुर पर कार्यरत रहने की अनुमति दी जाए। अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार सहित अन्य को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। नायब तहसीलदार प्रदीप सिंह ठाकुर की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने कटंगी से सिहोरा जाने के ट्रांसफर आदेश के एक वर्ष बाद रिलीव करने पर एतराज जताया। सुनवाई याचिकाकर्ता की ओर से यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि 17 जून, 2025 के स्थानांतरण आदेश के अनुपालन में संबंधित अधिकारियों द्वारा याचिकाकर्ता को पद से हटाने की कार्यवाही की जा रही है। इस पर न्यायालय ने राज्य पक्ष से यह स्पष्ट करने को कहा कि उक्त आदेश के अनुपालन की वर्तमान स्थिति क्या है, किंतु इस पर संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया।

37 साल बाद भी प्लॉट न देना सेवा में कमी, गृह निर्माण समिति कराए रजिस्ट्री या दे बाजार मूल्य

जिला उपभोक्ता आयोग ने शीतलपुरी गृह निर्माण सहकारी समिति के एकतरफा चेक भेजने के कृत्य को माना मनमाना, मानसिक कष्ट के लिए लगाया जुर्माना

जबलपुर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग क्रमांक-2, जबलपुर ने एक अहम फैसला सुनाते हुए शीतलपुरी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित के कृत्य को सेवा में घोर कमी माना है। समिति ने आधी कीमत चुकाने के 37 साल बाद भी उपभोक्ता को प्लॉट नहीं दिया था। आयोग ने समिति को आदेश दिया है कि वह परिवादी को 30x50 (1500 वर्ग फुट) आकार के प्लॉट की रजिस्ट्री कर भौतिक आधिपत्य सौंपे, या फिर वर्तमान कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार प्लॉट का बाजार मूल्य चुकाए।

न्यू जगदम्बा कॉलोनी, निवासी कुंजीलाल सरावगी की ओर से परिवाद दायर किया गया। अधिवक्ता अरुण जैन ने कोर्ट को बताया कि परिवादी कुंजीलाल ने शीतलपुरी गृह निर्माण सहकारी समिति में 12 अक्टूबर 1988 को 30,000 रुपये की कुल कीमत पर 1500 वर्ग फुट का एक प्लॉट बुक किया था। इसके लिए उन्होंने आधी रकम 15,000 रुपये जमा किया था। इसके बाद परिवादी लगातार रजिस्ट्री और पजेशन के लिए समिति के चक्कर काटता रहा, लेकिन समिति अतिक्रमण और अधूरे विकास कार्य का बहाना बनाकर हीलाहवाली करती रही।

जब परिवादी ने सीएम हेल्पलाइन और उच्च अधिकारियों से शिकायत की, तो समिति ने उनकी सहमति के बिना, एकतरफा तरीके से 42,950 रुपये का चेक भेजकर पल्ला झाड़ना चाहा। परिवादी ने इस चेक को कभी बैंक में भुनाया नहीं और उपभोक्ता आयोग की शरण ली। समिति ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यह मामला 35 वर्ष पुराना होने के कारण समय बाधित हो चुका है और जमीन पर कोर्ट के स्थगन के कारण अतिक्रमण हो गया था। हालांकि, आयोग ने पाया कि सहकारिता विभाग के नियमों के अनुसार समिति को पहले पात्रता के आधार पर प्लॉट उपलब्ध कराने का प्रयास करना चाहिए था। समिति यह साबित करने में पूरी तरह विफल रही कि उनके पास कोई दूसरा प्लॉट उपलब्ध नहीं था। आयोग ने माना कि समिति ने परिवादी को प्लॉट के लाभ से वंचित करने के लिए जानबूझकर गलत नीयत से एकतरफा चेक भेजा था। आयोग ने आदेश दिया कि अनावेदक शीतलपुरी गृह निर्माण समिति, आदेश के 60 दिनों के भीतर परिवादी से बकाया 15,000 रुपये प्राप्त कर प्लॉट की रजिस्ट्री करे और पजेशन दे। यदि विधिक रूप से प्लॉट देना संभव न हो, तो वर्तमान कलेक्टर गाइडलाइन रेट के अनुसार 1500 वर्ग फुट प्लॉट की मौजूदा मार्केट वैल्यू का भुगतान करे। कोर्ट ने परिवादी को हुए मानसिक कष्ट और असुविधा के लिए 25,000 रुपये और परिवाद व्यय के रूप में 3,000 रुपये का भुगतान 60 दिनों में करने का आदेश दिया। तय समय में भुगतान न करने पर इस राशि पर 10 फीसदी वार्षिक दर से ब्याज भी देना होगा।

दान पेटी से मिले 95 लाख के सोने-चांदी के आभूषण

त्रिपुर सुंदरी मंदिर की संपत्तियों का सत्यापन शुरू

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर तेवर स्थित प्रसिद्ध त्रिपुर सुंदरी मंदिर की चल एवं अचल संपत्तियों के सर्वेक्षण, सत्यापन, सूचीकरण और अभिलेखीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसका उद्देश्य मंदिर की संपत्तियों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार कर पारदर्शी प्रबंधन सुनिश्चित करना है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गोरखपुर अनुराग सिंह के आदेश पर गठित समिति ने मंदिर परिसर में रखी सीलबंद दान पेटी खोली। समिति की मौजूदगी में सोना-चांदी सहित सभी सामग्री का भौतिक सत्यापन कर विस्तृत सूची तैयार की गई।

सत्यापन में लगभग 26.17 किलोग्राम चांदी तथा करीब 200 ग्राम सोने के आभूषण एवं सामग्री मिली, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 95 लाख रुपये बताई गई है। सभी सामग्री का अभिलेखीकरण कर सुरक्षित अभिरक्षा में रख दिया गया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर, जनपद पंचायत जबलपुर के

मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) तथा मंदिर समिति के सदस्यों की उपस्थिति में की गई। पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वीडियोग्राफी भी कराई गई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने निर्देश दिए हैं कि मंदिर की सभी चल एवं अचल संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अनियमितता या दुरुपयोग की संभावना न रहे।

आम का पेड़ गिरने से दबी रेलवे की महिला कर्मचारी की मौत

जबलपुर। सिविल लाईन क्षेत्र में पेड़ की टहनी सर पर गिरने से आई चोटों के कारण एक वृद्ध महिला की अस्पताल में उपचार दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पुलिस के मुताबिक रोज की तरह 58 वर्षीय महिला कमला बाई जो कि रेलवे में सहायक कार्य के पद पर काम करती थी. कल शाम को जब वह काम कर रही थी, तभी तेज तूफान आ गया और एक भारी भरकम आम का पेड़ उनके ऊपर गिर गया, और वह पेड़ के नीचे दब गई. घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह महिला को बाहर निकाला और फिर इलाज के लिए रेलवे केंद्रीय अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां हालत गंभीर होने के कारण हैदराबाद ओमेगा अस्पताल रेफर करवाया गया. जिस जगह घटना हुई है, वह रेलवे का एसएसई वर्कस जोन-1 आफिस है, जहां पर वह पदस्थ थी. इलाज के दौरान रात 11.20 बजे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

वेल्डिंग के दौरान हादसे में कंकाल बन गया था वेंडर

फनिंगो एडवेंचर पार्क के 3 संचालकों पर मामला दर्ज

जबलपुर। बरगी थाना अतंर्गत मानेगांव स्थित फनिंगो एडवेंचर पार्क में मार्च माह में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में पुलिस ने जांच पूरी होने के बाद पार्क से जुड़े तीन संचालकों विजयनगर निवासी प्रभाकर जैन, जगदंबा कॉलोनी निवासी वेदांत कुमार दीवान और छोटा फुहारा निवासी बासु गुप्ता के खिलाफ धारा 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। हादसे में वेल्डिंग का कार्य कर रहे अशोक मरावी की जलकर मौत हो गई थी। घटनास्थल से बरामद कंकाल की पहचान बाद में डीएनए परीक्षण के जरिए अशोक मरावी के रूप में हुई थी। जांच में सामने आया कि पार्क में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिसके चलते आग पर शुरुआती स्तर पर काबू नहीं पाया जा सका।

सुरक्षा की गंभीर अनदेखी

25 मार्च को हुई घटना के बाद जिला प्रशासन ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सीएसपी बरगी, एमपीईबी, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और अग्नि सुरक्षा अधिकारियों को शामिल कर संयुक्त जांच दल गठित किया था। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि गेम जोन की संरचना अस्थायी और अर्ध-स्थायी स्वरूप की थी तथा परिसर में फोम, प्लास्टिक और कपड़े जैसी अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वहीं पर्याप्त अग्निशमन यंत्र और फिक्स्ड फायर फाइटिंग सिस्टम भी मौजूद नहीं था।

डीएनए जांच से हुई मृतक की पहचान

संयुक्त जांच में प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया कि घटना के समय परिसर में एग्जॉस्ट फैन लगाने के लिए वेल्डिंग का कार्य चल रहा था। वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारियां पास रखी ज्वलनशील सामग्री के संपर्क में आने से आग तेजी से फैल गई। जांच में यह भी सामने आया कि पार्क का बीमा नहीं कराया गया था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। पुलिस के अनुसार तिलवारा निवासी गार्ड अजय पटेल की सूचना पर आगजनी का मामला दर्ज किया गया था। वहीं चौरई निवासी लोचन गोंड ने अपने जीजा अशोक मरावी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में अशोक की बेटी अंजली मरावी के रक्त नमूने और घटनास्थल से मिले अवशेषों की डीएनए जांच के बाद मृतक की पहचान सुनिश्चित हुई।

विजयनगर में सूने घर का ताला तोड़कर जेवर व नगदी चोरी

जबलपुर। विजयनगर थाना अतंर्गत लक्ष्मीपुर कृष्णा ईलाट विजयनगर में एक सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर सहित नगदी रुपए चोरी कर ले गए। विजयनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मीपुर कृष्णा ईलाट विजयनगर निवासी 42 वर्षीय स्वाति गुप्ता गत दिवस अपने मकान में ताला लगाकर अपने माता पिता के पास जानकीनगर गई थी। दूसरे दिन घर आई तो देखा घर का दरवाजा खुला था। अंदर जाकर देखी तो घर में लगे नल, सोना चांदी के जेवरात व नगदी पैसे आलमारी से गायब थे, जिन्हें अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

35 किलो तक के विस्फोट का सामना करने में सक्षम

वीएफजे में तैयार हो रहे अत्याधुनिक माइंस प्रोटेक्टिव व्हीकल

जबलपुर। देश की रक्षा आत्मनिर्भरता को नई मजबूती देने की दिशा में जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री (वीएफजे) एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की ओर बढ़ रही है। फैक्ट्री में अत्याधुनिक माइंस प्रोटेक्टिव व्हीकल (एमपीवी) का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जिसकी पहली खेप जल्द ही भारतीय सेना को सौंपी जाएगी। इसके बाद इन वाहनों की आपूर्ति सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को भी की जाएगी। रक्षा सूत्रों के अनुसार, वीएफजे ने व्यापक अनुसंधान और परीक्षणों के बाद एमपीवी का नया उन्नत संस्करण विकसित किया है। यह वाहन बारूदी सुरंगों और आईईडी हमलों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह 15 से

35 किलोग्राम तक के विस्फोटक भार वाले माइंस ब्लास्ट को झेलने की क्षमता रखता है। वाहन में इस्तेमाल किया गया विशेष वी-शेप बख्तरबंद ढांचा विस्फोट की ऊर्जा को वाहन के केबिन से दूर मोड़ देता है, जिससे अंदर मौजूद जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। साथ ही इसमें लगाई गई शॉक-एब्जॉर्बिंग वॉल-माउंटेड सीटें विस्फोट के दौरान लगने वाले झटकों को काफी हद तक कम करती हैं और गंभीर चोटों की आशंका घटाती हैं।

सुरक्षा के साथ-साथ जवाबी कार्रवाई की दृष्टि से भी यह वाहन अत्यंत प्रभावी बनाया गया है। वाहन में 14 गन पोर्ट्स दिए गए हैं, जिनके माध्यम से जवान सुरक्षित रहते हुए फायरिंग कर सकते हैं। इसके अलावा 360 डिग्री घूमने वाले बुर्ज की सुविधा किसी भी दिशा में त्वरित कार्रवाई को संभव बनाती है।

बेहतर गतिशीलता के लिए यह वाहन 6×6 एयरावत प्लेटफॉर्म पर आधारित है और इसमें 260 हॉर्सपावर का शक्तिशाली इंजन लगाया गया है। दुर्गम जंगलों, पहाड़ी क्षेत्रों और सीमावर्ती इलाकों में भी इसकी संचालन क्षमता प्रभावशाली बताई जा रही है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा अभियानों के लिए इसे विशेष रूप से उपयोगी माना जा रहा है। वाहन में रन-फ्लैट टायर तकनीक भी शामिल की गई है। इसके चलते टायर क्षतिग्रस्त या पंचर होने की स्थिति में भी वाहन कुछ दूरी तक चलता रह सकता है, जिससे ऑपरेशन के दौरान जवानों की सुरक्षा और मिशन की निरंतरता बनी रहती है।

वीएफजे सूत्रों के मुताबिक निर्माणी भविष्य में लाइट बुलेट प्रूफ व्हीकल सहित अन्य उन्नत सैन्य वाहनों के विकास पर भी कार्य कर रही है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि स्वदेशी तकनीक से निर्मित ये आधुनिक एमपीवी सुरक्षा बलों की परिचालन क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ जवानों की सुरक्षा को भी नई मजबूती प्रदान करेंगे। इससे देश की रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को भी बल मिलेगा।

मारपीट के बाद वाहनों में लगाई आग

शादी से इनकार पर दो परिवारों में बवाल

जबलपुर। मझौली क्षेत्र में एक युवती द्वारा विवाह से इंकार किए जाने के बाद दो परिवारों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। विवाद के दौरान सड़क किनारे खड़े दोपहिया वाहनों में भी आग लगा दी गई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल अमला मौके पर पहुंचा तथा आग पर काबू पाया गया। पुलिस के अनुसार युवक और युवती के बीच लंबे समय से मित्रता थी और परिवार भी विवाह के लिए तैयार थे। बाद में युवती के विवाह से इंकार करने और उसकी शादी अन्यत्र तय होने के बाद तनाव बढ़ गया। बीती रात दोनों परिवारों के बीच बातचीत के दौरान विवाद भड़क उठा और मारपीट शुरू हो गई। मझौली थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। मामले में दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर एफआईआर दर्ज की गई है तथा करीब 16 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240